P-01:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 9:22 PM Page 1

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

www.uttambharatnews.com
RNI No. DELHIN/2017/75336
email:-uttambharat05@gmail.com

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष चतुर्थी, विक्रम संवत् 2082

वर्ष: 09 अंक: 292
नई दिल्ली
सोमवार, 10 नवम्बर 2025
मूल्य: 3.00 पृष्ठ: 12

उत्तम भारत

"सत्य, निष्पक्ष, भारत"

नई दिल्ली व हरियाणा से प्रकाशित • चंडीगढ़ • उत्तर प्रदेश • मध्यप्रदेश • उत्तराखंड • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • छत्तीसगढ़ • जम्मू कश्मीर से प्रसारित

03 दिल्ली में वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी ...
06 आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली: मौतों का ...
अगर आपने ताजमहन नहीं देखा तो... 12

प्रधानमंत्री उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर्व देहरादून पहुंचे

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर्व देहरादून पहुंचे । जहां उन्होंने 8260 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण किया। उन्होने उत्तराखंड की गत 25 वर्षों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए, अगले 25 वर्षो के लिए रोडमैप के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। एफआरआई परिसर में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गढ़वाली-कुमांऊनी में प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि, नौ नवंबर का दिन उत्तराखंड वासियों की लंबी तपस्या का फल है। ये दिन प्रत्येक उत्तराखंडवासी को गर्व का अहसास कराता है। प्रधानमंत्री ने राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ ही, सभी आंदोलनकारियों को भी नमन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 25 साल पहले केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने, जिन उम्मीदों, आकांक्षाओं के बीच उत्तराखंड राज्य का निर्माण किया आज वो सभी सपने पूरे हो रहे हैं। उन्होंने उत्तराखंड से अपने लगाव को व्यक्त करते हुए कहा कि, जब वो अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर यहां आते थे तो पहाडों पर रहने वाले भाई -बहनों का संघर्ष और परिश्रम उन्हें प्रेरित करता था, यहां बिताए दिनों ने उन्हें उत्तराखंड की सामर्थ से परिचय कराया। इसी भरोसे के साथ उन्होंने बाबा केदार के दर्शन के बाद कहा था कि ये दशक उत्तराखंड का होगा। अब उनका ये भरोसा और भी दृढ़ हो गया है कि इस वक्त उत्तराखंड के उत्कर्ष का कालखंड चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 25 साल पहले, जब नया- नया उत्तराखंड बना था तो उस वक्त कई चुनौतियां थी, राज्य के संसाधन सीमित थे, बजट भी छोटा था, आय के स्रोत भी कम थे। तब ज्यादातर जरूरतें केंद्रीय सहायता से पूरी होती थीं। लेकिन आज, तस्वीर पूरी तरह बदली हुई है। उन्होंने कहा कि 25 साल पहले उत्तरखंड का बजट सिर्फ 04 हजार करोड़ रुपए था, जो आज बढ़कर एक लाख करोड़ के पार चला गया है। 25 साल में राज्य का बिजली उत्पादन, चार गुना बढ़ा, सड़कों की लंबाई दोगुनी हुई है। राज्य गठन के समय छह महीने में चार हजार यात्री ही हवाई सेवाओं का इस्तेमाल कर पाते थे, आज यहां अकेले एक दिन में चार हजार से अधिक यात्री हवाई सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। इन 25 वर्षों में इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या 10 से ज्यादा बढ़ी है। तब राज्य में एक मेडिकल कॉलेज था, जो आज 10 हो चुके हैं। 25 साल पहले राज्य का वैक्सीन कवरेज 25 प्रतिशत भी नहीं, आज हर गांव वैक्सीन कवरेज के दायरे में है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने रविवार को ही समारोह स्थल पर, कई युवाओं, उद्यमियों से बात की है, वो सभी राज्य की प्रगति को लेकर उत्साहित और आशांवित हैं। इससे साफ है कि उत्तराखंड का प्रत्येक नागरिक, अपने योगदान से भारत को विकसित देश की पंक्ति शामिल करने के लिए तैयार है। उन्होंने रविवार को शुरू किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं, उत्तराखंड की विकास यात्रा को गति देने का काम करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार सेब-कीवी के किसानों को अब डिजिटल करैंसी में अनुदान दे रही है। इस आधुनिक तकनीकी से आर्थिक मदद की ट्रैकिंग संभव है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का कनेक्टिवी से गहरा नाता है। राज्य में इस समय दो लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। ऋषिकेश - कर्णप्राग रेल परियोजना प्रगति पर है, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे तैयार हो चुका है। गौरीकुंड- केदारनाथ, गोविंदघाट- हेमकुंड साहिब रोपवे का शिलान्यास हो चुका है। ये सभी परियोजनाएं उत्तराखंड में विकास को नई गति दे रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ने गत 25 वर्षों में विकास की लंबी यात्रा तय की है, लेकिन अब राज्य को अगले 25 वर्ष का रोडमैप तय करना है। इसके लिए राज्य को जहां चाह - वहां राह के मूलमंत्र अपनाना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड अगर ठान ले तो अगले कुछ ही वर्षों में खुद को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर स्थापित कर सकता है। यहां के पवित्र मंदिर, आश्रम, योग को ग्लोबल नेटवर्क से जोड़ा जा सकता है। यहां हर विधानसभा क्षेत्र में योग केंद्र विकसित किए जाने की जरूरत है। इसी तरह वाइब्रेंट विलेज को छोटे- छोटे पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ये हम सभी उत्तराखंडवासियों का सौभाग्य है कि इस ऐतिहासिक अवसर पर हमें यशस्वी प्रधानमंत्री जी का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ त्रासदी, सिलक्यारा टनल हादसा, जोशीमठ भूधंसाव या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय प्रधानमंत्री जी ने संवेदनशीलता के साथ उत्तराखंड की जनता का साथ दिया है। प्रधानमंत्री जी के इसी स्नेहपूर्ण सहयोग और मार्गदर्शन से उत्तराखंड कठिनाइयों से उबरकर एक नई शक्ति, नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ आज आगे आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास के साथ - साथ राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता, पारंपरिक पहचान और डेमोग्राफिक संतुलन को संरक्षित रखने के लिए भी कार्य कर रही है।

देश की गौरवशाली आध्यात्मिक-सांस्कृतिक यात्रा में उत्तराखंड का योगदान अतुलनीय: मुर्मू

शैलेन्द्र शर्मा

नई दिल्ली। उत्तराखंड के 25वें स्थापन दिवस पर रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की गौरवशाली आध्यात्मिक-सांस्कृतिक यात्रा में उत्तराखंड का योगदान अतुलनीय रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, राज्य स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर वीर-प्रसवा देव-भूमि उत्तराखंड के सभी निवासियों को मैं हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देती हूं। हमारे देश की गौरवशाली आध्यात्मिक-सांस्कृतिक यात्रा में उत्तराखंड के क्षेत्र का योगदान अतुलनीय रहा है। विगत 25 वर्षों के दौरान राज्य के कर्मठ और विनम्र लोगों ने आधुनिक विकास के नए आयाम रचे हैं। मैं उत्तराखंड के सभी निवासियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती हूं। भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने एक्स पोस्ट में लिखा, आज का दिन उत्तराखंड के गौरवशाली इतिहास, संघर्षशील जनआंदोलन और हमारे आंदोलनकारियों के अदम्य साहस को नमन करने का दिन है। उन असंख्य वीरों, माताओं-बहनों और युवाओं के बलिदान के कारण ही आज हम देवभूमि उत्तराखंड के स्वतंत्र अस्तित्व का उत्सव मना रहे हैं। उत्तराखंड की आत्मा उसकी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति में बसती है। यह भूमि जहां एक ओर हिमालय की पवित्रता और गंगा-यमुना की निर्मलता का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर यह देश की सीमाओं की प्रहरी भी है। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। चारधाम ऑलवेदर रोड, रेल संपर्क, सीमांत क्षेत्रों का पुनर्निर्माण, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में हो रहा अभूतपूर्व परिवर्तन हमारे संकल्प को और मजबूत करता है। हमारा लक्ष्य है एक ऐसा विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध उत्तराखंड बनाने का जो अपनी संस्कृति पर गर्व करे, युवाओं को अवसर दे, सीमांत क्षेत्रों को सशक्त बनाए और हर परिवार तक विकास की रोशनी पहुंचाए। राज्य आंदोलन की भावना को जीवित रखते हुए आइए हम सब मिलकर उस उत्तराखंड का निर्माण करें, जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था। जहां संघर्ष की भावना, संस्कृति का गौरव और विकास का संकल्प साथ-साथ चले।

उपराष्ट्रपति ने श्रवणबेलगोला को आध्यात्मिकता, शांति और त्याग का प्रतीक बताया

हासन (कर्नाटक)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने श्रवणबेलगोला में जैन मुनि आचार्य श्री शांति सागर महाराज को रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि यह पवित्र भूमि आध्यात्मिकता, शांति और त्याग के प्रतीक के रूप में समय की कसौटी पर खरी उतरी है। आचार्य के स्मरणोत्सव में उपराष्ट्रपति ने कहा, जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पूरा कर्नाटक एक अच्छी जगह है। कर्नाटक ने हमेशा अपनी परंपरा, विरासत और संस्कृति की रक्षा की है। आप जहां भी जाते हैं, कन्नड़ लोग संस्कृति की रक्षा करते हैं। यह हमारी संस्कृति में एक महान योगदान है। उन्होंने कहा कि श्रवणबेलगोला सबसे प्रतिष्ठित जैन तीर्थ केंद्रों में से एक है जहां जैन धर्म के विचारों की सच्चाई की शाश्वत ज्योति लगातार प्रेरणा देती रहती है। राधाकृष्णन ने कहा, श्रवणबेलगोला की यह पवित्र भूमि आध्यात्मिकता, शांति और त्याग के प्रतीक के रूप में समय की कसौटी पर खरी उतरी है। उपराष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि भगवान बाहुबली की 57 फुट ऊंची अखंड मूर्ति मानव भक्ति और कलात्मक प्रतिभा का एक शानदार प्रमाण बनी हुई है।

राजद-कांग्रेस की होगी करारी हार, विकसित राज्य बनेगा बिहार: शाह

सासाराम। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि पहले चरण के मतदान से स्पष्ट हो गया है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन को इस चुनाव में करारी हार, का सामना करना पड़ेगा। बिहार के सासाराम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, पहले चरण के मतदान से जनता का मूड साफ दिखाई दे रहा है। राजद और कांग्रेस की हार तय है। बिहार की जनता राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ है और राजग की जीत तय है। गृह मंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने हाल ही में घुसपैठियों की रक्षा के लिए यात्रा निकाली थी। उन्होंने घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बना लिया है। वे बिहार को इन्फिल्ट्रेटर कॉरिडोर बनाना चाहते हैं, जबकि मोदी जी इसे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि राजग अगले पांच वर्ष में बिहार को एक विकसित राज्य बनाएगा। उन्होंने कहा, राजग के पास ह्यपांच पांडव हैं, जो एकजुट होकर चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी जी ने बिहार को नक्सलवाद से मुक्त किया और राज्य में विकास का नया दौर शुरू किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (सप्रंग) शासनकाल में देश आतंकवादी घटनाओं से जूझ रहा था, लेकिन मोदी सरकार ने आतंकवाद पर कठोर प्रहार किया।

वोट चोरी को संस्थागत रूप देने का प्रयास है विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान: राहुल

पचमढ़ी (मध्यप्रदेश)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) वोट चोरी पर पर्दा डालने और इसे संस्थागत बनाने का प्रयास है। राहुल गांधी मध्य प्रदेश जिला कांग्रेस अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए शनिवार को नर्मदापुरम के पचमढ़ी पहुंचे। कांग्रेस सांसद ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए दावा किया, वोट चोरी एक मुद्दा है और एसआईआर इस पर पर्दा डालने और इसे संस्थागत रूप देने के लिए है। निर्वाचन आयोग ने नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चार नवंबर को मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया था। इस अभियान के तहत इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 321 जिलों और 1,843 विधानसभा क्षेत्रों के लगभग 51 करोड़ मतदाताओं को शामिल किया जाना है। गांधी ने कहा कि उनका मानना है कि हरियाणा की तरह मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी वोट चोरी हुई। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले, मैंने हरियाणा में वोट चोरी पर एक प्रस्तुति दी थी और मैंने स्पष्ट रूप से देखा कि वोट चोरी हो रही है। 25 लाख वोट चोरी हुए, हर 8 में से 1 वोट चोरी हो गया। उन्होंने कहा, इसे देखने के बाद, आंकड़ों को देखने के बाद, मेरा मानना है कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी ऐसा ही हुआ यह भाजपा और निर्वाचन आयोग की प्रणाली है।

वर्ल्ड कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

- खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कर रही है कार्य - मुख्यमंत्री

उत्तम भारत संवाददाता, रायपुर। छत्तीसगढ़ मेरी जन्मभूमि और कर्मभूमि है। यहीं की मिट्टी, यहां के लोग, यहां की शिक्षा और संस्कारों ने मुझे यह मुकाम हासिल करने की ताकत दी है। यह कहना था विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट और छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी का, जिन्होंने आज मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात कर अपनी खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने आकांक्षा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपकी सफलता पूरे छत्तीसगढ़ की सफलता है। महिला क्रिकेट टीम के वर्ल्ड कप अभियान में छत्तीसगढ़ की बेटी के शामिल होने से प्रदेशवासियों को यह महसूस हुआ कि हम सभी इस जीत में सहभागी हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आकांक्षा को मेडल पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आकांक्षा सत्यवंशी की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि आपने यह सिद्ध कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। आपकी सफलता आने वाली पीढ़ियों की बेटियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल, शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि और भी युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल अलंकरण सम्मान को पुनः प्रारंभ कर रही है। साथ ही, ओलंपिक में शामिल होने वाले और पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सुदूर अंचलों की खेल प्रतिभाओं को मंच देने के लिए बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य अपने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिसके लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी ने मुख्यमंत्री के साथ इस ऐतिहासिक जीत की खुशी साझा करते हुए कहा, वर्ल्ड कप जीतना भारतीय महिला टीम की सफलता के साथ ही छत्तीसगढ़ का भी सम्मान है। मुझे गर्व है कि मैं अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए इस जीत में योगदान दे पाई। उन्होंने बताया कि यद्यपि वे मैदान में सक्रिय खिलाड़ी के रूप में नहीं थीं, लेकिन खिलाड़ियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, फिटनेस और रिकवरी को बनाए रखने की जिम्मेदारी उनकी रही। मैं अपनी टीम के साथ हमेशा चट्टान की तरह खड़ी रही। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं टीम को जीत तक पहुंचाने की यात्रा में साथ रही। आकांक्षा ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य सच्चा हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता — बस जरूरत है निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास की।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

दावा न की गई संपत्ति के संबंध में आयोजित विशेष शिविरों में जाएं, जिसे देशभर के सभी ज़िलों में अक्तूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए

अधिक जानकारी के लिए
https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर लिखिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर
99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

P-02:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 8:47 PM Page 1

उर्दू अदब की शख्सियत अल्लामा इकबाल का छात्राओं ने मनाया जन्मदिन

उत्तम भारत संवाददाता

संभल। नगर के नवाब महमूद अंसारी गर्ल्स इण्टर कॉलिज छात्राओं ने उर्दू अदब के मशहूर शायर अफ़साना निगार व गज़ल गो अल्लामा इकबाल की यौमे पैदाइश धूमधाम से मनायी। छात्राओं ने विधालय मे एक कार्यक्रम आयोजित कर अल्लामा इकबाल के कारनामों एवं मशहूर अशआरों को याद किया। उनके हर अशआर मे एक मकसद और नसीहत दिखाई देती है। वह एक राजनीतिज्ञ दार्शनिक और कवि थे। उनकी कवितायें मुख्यतः उत्पीड़न, मुस्लिम उम्माह, विशेष रूप से दक्षिण एशिया के मुसलमानों को लक्षित करती थी। अल्लामा इकबाल ने लाहौर से तालीम हासिल की। उन्होंने अनेकों नज़्मे एवं अशआर लिखे, बच्चों के लिए भी नज़्मे लिखी। कौमी तराना सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्ता हमारा इन्ही का लिखा हुआ है। फारसी और अरबी के अल्फाज़ का बेतकल्लुफ इस्तेमाल इनकी शायरी का खास वस्फ है। यह दुनिया के एक मशहूर शायर है जिनका नाम रहती दुनिया तक रहेगा। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से विधालय के संचालक सईद अख्तर इसराइली, कु0 हिना फात्मा, सईदा निकहत, निदा इकबाल, शगुफ्ता, शबनूर, इमराना, गुलअफ्शा, अलशिफा आदि मौजूद रहे।

उर्दू सप्ताह समारोह का एलाइट जूनियर हाई स्कूल मे किया गया समापन

उत्तम भारत संवाददाता

संभल। अल्लामा इकबाल फाउंडेशन संभल द्वारा आयोजित उर्दू भाषा एवं शिक्षा से संबंधित सप्ताह भर चलने वाले समारोह का समापन समारोह 9 नवंबर, 2025 को एलाइट जूनियर हाई स्कूल, घुंघावली रोड, सराय तरीन, संभल में उर्दू दिवस समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह के रूप में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्लामा इकबाल फाउंडेशन के सरपरस्त सुल्तान मुहम्मद खां कलीम ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में इस विद्यालय के छात्र-छात्राओं मुहम्मद असजद, अदीबा, खदीजा रिज़वी, रहनुमा, उम्मे मुआविया, नज़ीफ़ रहमान, इमरान, फ़हीन, शाहे नूर और ज़िया-उर-रहमान बरकाती ने कुरान की तिलावत, हम्द और नात तथा अन्य सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके बाद इस आयोजन में शामिल शहर की प्रबुद्ध और साहित्यिक हस्तियों ने उर्दू भाषा, अल्लामा इकबाल और विश्व उर्दू दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए। क़दीर ज़ाफ़िर ने बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार कविताएँ सुनाते हुए उन्हें अपनी शैक्षिक यात्रा के हर स्तर पर उर्दू को अपनाने और सीखने की सलाह दी। हकीम बुरहान संभली ने उर्दू से जुड़ी खूबसूरत कविताएँ और छंद प्रस्तुत किए और वर्तमान युग में उर्दू सीखने की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डाला। फाउंडेशन के सदस्य के रूप में डॉ. रियाज़ अनवर ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और छात्रों का धन्यवाद किया और कहा कि केवल उर्दू के प्रति प्रेम व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है, हमें इस भाषा को अपने जीवन में व्यावहारिक रूप से उतारने की आवश्यकता है। आमना पब्लिक स्कूल घंघावली के प्रबंधक मुहम्मद रेहान खान ने छात्रों को शिक्षा को गंभीरता से लेने और अपनी शैक्षिक यात्रा में उर्दू को अपने साथ रखने के लाभों पर प्रकाश डाला। अल्हाज तनवीर अशरफी ने अपनी खूबसूरत मधुर शैली में एक ग़ज़ल पेश करते हुए कहा कि उर्दू हमारी संस्कृति की भाषा है, इसलिए अगर हमें अपनी पहचान को जीवित रखना है, तो हमें उर्दू सीखनी होगी और इसकी हिफ़ाज़त करनी होगी। अल्हाज ताहिर सलामी ने वर्तमान समय की भाषाओं में उर्दू के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को सलाह दी कि यदि आप उर्दू भाषा को अपनाकर आगे बढ़ते हैं, तो आप इसे अपने साथ रखकर भविष्य में जीवन के किसी भी क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इस अवसर पर इम्तियाज खान बरकाती, नसीम अल्वी, शारिक जीलानी, जुबैर उमर, मुहम्मद आजम, वामिक बरकाती, नसीम उर-रहमान सहित संभल व सराय तरीन की अन्य प्रबुद्ध व साहित्यिक हस्तियां, विद्यालय के शिक्षक व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सम्भल मे समाजवादी पार्टी को झटका कई ने थामा बसपा का दामन

उत्तम भारत संवाददाता

संभल: बहुजन समाज पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हाजी रफत उल्ला उर्फछिद्दा नेता के आवास पर बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के दिशा निर्देश पर एक दिवसीय जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद पश्चिमी उ0 प्र0 प्रभारी गिरीश चन्द्र ने बूथ व सैक्टर गठन के साथ ही चुनाव आयोग द्वारा कराये जा रहे सर पर चर्चा की व विस्तार से समझाया व आवश्यक दिशा निर्देश दिये और समाजवादी पार्टी छोड़कर आये लोगों को सदस्यता दिलायी। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह एडवोकेट तथा संचालन जिला प्रभारी कुमरपाल सिंह ने किया। इस दौरान मण्डल कोआर्डिनेटर हरद्वारी लाल गौतम, नेता साजिद सैफी, पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार, जिला सचिव रामबहादुर सिंह, मदनपाल सिंह, जसवीरसिंह, संजय गौतम, सुभाष त्यागी, किशोरी लाल गौतम, खाजिद पीरजादा, रविशंकर भारती, थान सिंह,, हरपाल सिंह आदि मौजूद रहे। समाजवादी पार्टी छोड़कर आये दिनेश यादव एडवोकेट, पंकज यादव एडवोकेट, शिशुपाल सिंह यादव को मुख्य अतिथ ने माला पहनाकर स्वागत किया। जिला प्रभारी ओम प्रकाश राव ने मीटिंग मे आये सभी लोगों का आभार प्रकट किया।

निरीक्षण कर जिलाधिकारी ने देखा एसआईआर और बीएलओ गणना प्रपत्र का कार्य

उत्तम भारत संवाददाता

संभल। एस.आई.आर और बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र का कार्य शुरू हो गया है। कार्य की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी ने निरीक्षण करते हुए जानकारियां की।

जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा विकासखण्ड बनिया खेड़ा के प्राथमिक विद्यालय मौलागढ़ द्वितीय में विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर) के कार्यों एवं बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र के वितरण की प्रगति को लेकर निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि 11 नवंबर तक गणना प्रपत्र के वितरण का कार्य शतप्रतिशत कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ मनदीप सिंह को लगातार तीसरी बार आईएमए एएमएस का नेशनल अवार्ड के लिये चुना गया

उत्तम भारत संवाददाता

सहारनपुर। जिला चिकित्सालय के बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मनदीप सिंह जो कि इस वक्त उत्तर प्रदेश आईएमए एएमएस के प्रदेश अध्यक्ष है उन्हें इस अवार्ड से सम्मानित करने के लिए चुना गया है। डॉ मनदीप सिंह को आईएमए एएमएस का नेशनल अवार्ड पिछले वर्षों में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया जायेगा। यह अवार्ड चंडीगढ़ में आयोजित होने वाली आएएमए एएमएस की नेशनल कांफ्रेंस में दिया जाएगा। सहारनपुर के आईएमए के अध्यक्ष डॉ प्रवीण शर्मा और सचिव डॉ नीरज आर्या ने कहा कि यह पूरे उत्तर प्रदेश आईएमए और सहारनपुर आईएमए के लिए गर्व की बात है की लगातार तीसरी बार ये अवार्ड सहारनपुर ने जीता है इसके लिए आईएमए के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने डॉ मनदीप को बधाई दी।

रेलवे लाईन के विस्तार को गांव गांव पीएम को पत्र लिखने का अभियान जारी

उत्तम भारत संवाददाता

संभल। तहसील क्षेत्र के गांव गैलुआ में अधिवक्ता व समाजसेवी चौ रविराज चाहल के आवास पर एक बैठक आयोजित की गयी और बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संभल से गजरौला रेल लाइन विस्ताकिरण की मांग की। इसके उपरांत अधिवक्ता व समाजसेवी चौ रविराज चाहल द्वारा गांव गांव भ्रमण कर ग्राम प्रधानों से माननीय प्रधानमंत्री महोदय के नाम पत्र लिखवाये। इस प्रकार लगभग 10 गांव का भ्रमण कर ग्राम प्रधानों से पत्र लिखवाया गए। और संभल गजरौला रेल लाइन विस्ताकिरण के लिए रेल बजट मंजूर किए जाने की मांग की गई। इस दौरान बोलते हुए गांव चंदावली के ग्राम प्रधान रामसरन सिंह ने कहा कि संभल से गजरौला रेल लाइन विस्तारिकरण की मांग हमारी बहुत पुरानी मांग है। जो आज तक पूर्ण नहीं हो सकी है। बोलते हुए समाजसेवी व चौ रविराज चाहल ने कहा कि हम पिछले कई वर्षों से धरना, प्रदर्शन व ज्ञापन आदि के माध्यम से अपनी बात भारत सरकार तक पहुंचाने आ रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य हमारी मांग आज तक पूर्ण नहीं हो सकी। हम लगातार लोगों के बीच में जाकर लोगों को जागृत कर रहे हैं कि वह उचित माध्यम से अपनी बात माननीय प्रधानमंत्री महोदय व रेल मंत्री तक पहुंचाएं जिसके फलस्वरूप लोग अपनी बात को भारत सरकार तक पहुंचा रहे हैं आज भी हमारे द्वारा कुछ गांव में भ्रमण कर ग्राम प्रधानों से प्रधानमंत्री के नाम पत्र लिखवा कर मेल कराये गये हैं। इस दौरान चौ रविराज चाहल, रामसरन सिंह, बबिता देवी, शीला देवी, कैलाश सिंह, गजेंद्र सिंह, धीरज चौधरी, बिट्टू सिंह, अंकुर धारीवाल, दुर्गेश कुमार, खिलेन्द्र सिंह, बंसी, मा भूप सिंह, महावीर सिंह, आदि रहे।

एचौड़ा कम्बोह मे श्री कल्कि महोत्सव की तैयारी तेज़

उत्तम भारत संवाददाता

संभल। श्री कल्कि महोत्सव 2025 के निर्विघ्न आयोजन की कामना से श्री कल्कि महोत्सव से पूर्व श्री कल्कि धाम में सुंदरकांड का आयोजन किया गया। मानस परिवार मोदीनगर के द्वारा आहूत सुंदरकांड में बोलते हुए श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम जी ने कहा कि मैं श्री कल्कि महोत्सव 2025 के लिए सभी संतों को लगातार आमंत्रित कर रहा हूं। संपूर्ण संत समाज श्री कल्कि महोत्सव में आयोजित होने वाली श्री कल्कि कथा को लेकर अत्यंत उत्साहित हैं। श्री कल्कि महोत्सव में आयोजित होने वाली प्रथम श्री कल्कि कथा की सबसे बड़ी विशेषता यह भी है कि यह सनातन शिरोमणि जगद्गुरु रामानंदाचार्य पूज्य स्वामी रामभद्राचार्य जी के श्रीमुख से प्रस्फुटित होगी। पूज्य आचार्य प्रमोद कुमार जी ने कहा कि श्री कल्कि महोत्सव में आयोजित होने वाली प्रथम श्री कल्कि कथा के साथ साथ अखंड मनोरथ सिद्धी महायज्ञ भी आयोजित किया जाएगा जिसमें सवा करोड़ आहुतियां दी जायेंगी। सुंदरकांड पाठ के उपरांत सभी ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर लवकुश शर्मा, सुधीर चाहल, बिजेंद्र त्यागी, रामकिशोर त्यागी, यशवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

महिला थाना, जनपद सहारनपुर – मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

उत्तम भारत संवाददाता

सहारनपुर। महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान ÷मिशन शक्ति फेज 5.0÷ के तहत महिला थाना, जनपद सहारनपुर की एंटी रोमियो टीम द्वारा क्षेत्र के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों – हकीकतनगर चौक, मल्हीपुर रोड, दिल्ली रोड, कोर्ट रोड आदि पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। टीम द्वारा महिलाओं को डिजिटल अरेस्टिंग से जुड़ी झूठी अफवाहों, महिला सशक्तिकरण, एवं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं व बाल कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। उन्हें अपने अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया तथा साइबर फ्रॉड और साइबर अपराधों से बचाव हेतु उपयोगी सुझाव भी दिए गए। टीम ने उपस्थित महिलाओं को ऑपरेशन नशा मुक्ति के प्रति भी जागरूक किया तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर महिलाओं को मिशन शक्ति केंद्र की भूमिका व कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। साथ ही महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई 1090 - वूमेन पावर लाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 108 - एंबुलेंस सेवा, 112 - पुलिस आपातकालीन सेवा

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं के नाम एवं नंबर दर्ज किए गए, तथा पंपलेट वितरित कर मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण संदेश प्रसारित किया गया। महिला थाना मिशन शक्ति टीम का संदेश:

÷महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए महिला थाना सहारनपुर सदैव तत्पर है।÷

नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओरअभियान में थाना मण्डी पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

उत्तम भारत संवाददाता

सहारनपुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर द्वारा मादक पदार्थों/नशे के अवैध कारोबार, प्रतिबन्धित दवाओं की तस्करी/बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के लिए ठोस एवं समन्वित कार्यवाही हेतु परिक्षेत्र सहारनपुर के तीनो जनपदो में ÷ऑपरेशन सवेरा÷-÷नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर÷ अभियान चलाया जा रहा है की कड़ी में प्रभारी निरीक्षक रोजन्त त्यागी के कुशल नेतृत्व में थाना मण्डी पुलिस द्वारा आज मुखबिर की सूचना पर थाना मण्डी पुलिस टीम द्वारा चैकिंग व गश्त के दौरान दो शातिर नशा तस्कर करन पुत्र हरिया निवासी आर्य नगर चौक, लाल मंदिर के पीछे थाना जटवाला पुल जनपद हरिद्वार व नदीम उर्फ साहिल पुत्र जहांगीर निवासी गली नंबर 2 लिंक रोड थाना कोतवाली नगर जनपद सहारनपुर को पुराना कलसिया रोड पर कब्रिस्तान के पास से गिरफ्तार किया गया । जिसके कब्जे से कुल 400 ग्राम अवैध चरस व चोरी की मोटरसाइकिल (सम्बन्धित मु0अ0सं0 37/24 धारा 379 आईपीसी थाना जनकपुरी) बरामद हुई । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना मण्डी पर मु0अ0स0 469/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट व 411 बीएनएस पंजीकृत किया गया है । अभियुक्तगण द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के संबंध में FORWARD AND BACKWARD लिंको की जाँच की जा रही है। गिरफ्तार नशा तस्कर करन का अपराधिक इतिहास भी है जिसमें एक मु0अ0स0 469/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट व 411 बीएनएस थाना मण्डी सहारनपुर व दूसरा मु0अ0सं0 37/24 धारा 379 आईपीसी थाना जनकपुरी सहारनपुर में दर्ज है। वहीं दूसरे अपराधी नदीम का अपराधिक इतिहास इस प्रकार है मु0अ0सं0 37/24 धारा 379 आईपीसी थाना जनकपुरी,मु0अ0सं0 66/08 धारा 307 भा0द0वि0 थाना कोतवाली नगर सहारनपुर , मु0अ0सं0 67/08 धारा 25 आर्मस एक्ट थाना कोतवाली नगर सहारनपुर, मु0अ0सं0 59/08 धारा 457,380,411 भा0द0वि0 थाना कोतवाली नगर सहारनपुर, मु0अ0सं0 156/08 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना कोतवाली नगर सहारनपुर, मु0अ0सं0 157/14 धारा 379, 511 भा0द0वि0 थाना सदर बाजार सहारनपुर, मु0अ0सं0 156/23 धारा 457,380,411 भा0द0वि0 थाना कोतवाली नगर सहारनपुर, मु0अ0सं0 167/23 धारा 3/25 आर्मस एक्ट थाना कोतवाली नगर सहारनपुर, मु0अ0स0 469/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट व 411 बीएनएस थाना मण्डी में दर्ज हैं।

उधर थाना तितावी पुलिस द्वारा भी मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले दो शातिर तस्करों को किया गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 किलो 662 ग्राम डोडा पोस्त चूर्ण बरामद किया है। थानाध्यक्ष तितावी पवन कुमार के नेतृत्व में थाना तितावी पुलिस द्वारा भी कार्यवाही के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले दो शातिर नशा तस्कर को छतैला पुल से गिरफ्तार किया गया ।

जिसके कब्जे से 04 किलोग्राम 662 ग्राम डोडा चूर्ण बरामद किया गया। पुलिस द्वारा हसीन पुत्र आशू निवासी ग्राम छतैला थाना तितावी, मुजफ्फरनगर,आलम पुत्र इकबालव नि0 ग्राम छतैला थाना तितावी, मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हिमाचल प्रदेश में गोशालाओं के संचालन के लिए मंदिरों को जिम्मेदार बनाया जाए: पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार

धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने रविवार को राज्य सरकार से अनुरोध किया कि एक कानून बनाकर राज्य के प्रमुख मंदिरों के लिए गोशालाओं का संचालन अनिवार्य किया जाए।

यहां जारी एक बयान में पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमार ने बताया कि जनसंख्या और वाहनों में तेजी से वृद्धि के साथ साथ सड़कों पर आवारा पशु एक बड़ी चिंता का विषय बन गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कदम आवारा पशुओं की बढ़ती समस्या से निपटने में मदद करेगा, जो ''लगातार सड़क दुर्घटनाओं और जानमाल के नुकसान का कारण बन रहे हैं''।

हिमाचल प्रदेश के मंदिरों की महत्वपूर्ण संपत्ति पर प्रकाश डालते हुए कुमार ने कहा कि छह प्रमुख मंदिर माता चिंतपूर्णी, माता नैना देवी, माता ज्वालामुखी, माता चामुंडा देवी, माता ब्रजेश्वरी देवी (कांगड़ा) और बाबा बालक नाथ जी के पास सामूहिक रूप से लगभग 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति है, जिसमें 85 करोड़ रुपये नकद, 300 करोड़ रुपये सावधि जमा, 500 करोड़ रुपये सोना और 200 करोड़ रुपये की चांदी शामिल हैं।

कुमार ने कहा, ''राज्य में सरकार के नियंत्रण में 36 मंदिर हैं और सभी के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति है। अगर हर बड़े मंदिर को गोशाला चलाने की कानूनी जिम्मेदारी दे दी जाए तो हिमाचल प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन सकता है जहां सड़कों पर कोई आवारा पशु नहीं घूमेगा।''

उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से ''इस विचार को एक ऐतिहासिक पहल के रूप में लागू करने का साहसिक कदम'' उठाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''इससे न केवल आवारा पशुओं की समस्या का समाधान होगा बल्कि हिंदू धर्म में गोरक्षा के मूल्यों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा इस तरह के नेक काम से मंदिरों का आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान बढ़ेगा।''

स्मार्ट मीटर लगाने का काम अधूरा नालियों में लटके बिजली के तारों से खतरा

उत्तम भारत संवाददाता

संभल। उपनगरी सरायतरीन के मोहल्ला नवादा वार्ड नंबर 13 में पुराने मीटर हटाकर नए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। इसी के तहत नई आर्मीड केबल डालने का कार्य चल रहा है, लेकिन विभाग की लापरवाही से यह काम अधूरा छोड़ दिया गया है।

करीब दो हफ्तों से नालियों में बिजली के तार लटके पड़े हैं, जिससे लोगों की जान को बड़ा खतरा बना हुआ है। बारिश या पानी भर जाने की स्थिति में करंट फैलने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि मीटर लगाने वाले कर्मचारी अपने मीटर जोड़ने के लिए अतिरिक्त पैसे मांग रहे हैं, और जब भुगतान नहीं किया जाता तो तारों को यूँ ही खुला छोड़ देते हैं। इससे गलियों में चलना भी मुश्किल हो गया है। लोगों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण किया जाए और जल्द से जल्द तारों को सुरक्षित तरीके से जोड़ा जाए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।

पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सचिन चौधरी के खिलाफ रचा जा रहा है बदनाम करने का षडयंत्र

*** मुरादाबाद मण्डल के अमरोहा, सम्भल समेत कई जिलों मे दी कांग्रेस संगठन को नई उर्जा**

उत्तम भारत संवाददाता

संभल। कांग्रेस का झण्डा उठाकर नई उर्जा प्रदान करने वाले पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अमरोहा सचिव चौधरी इन दिनों विवादों का सामना कर रहे हैं। जिस तरह के कटाक्ष उकने उपर लगाये जा रहे हैं उसको लेकर कांग्रेस को सोचने और अमरोह व आसपास के जनपदों मे संगठन को लेकर समीक्षा की ज़रूरत है।

दरअसल प्रदेश मे महासचिव रहने के दौरान सचिव चौधरी ने मुरादाबाद मण्डल के विभिन्न जनपदों मे कांग्रेस को खड़ा करने मे अहम भूमिका निभाई। अमरोहा ही नहीं बल्कि मुरादाबाद और सम्भल मे भी कांग्रेस को मज़बूत करने का काम किया। अमरोहा से वह लोकसभा का चुनाव लड़े और इसके बाद पूर्व सांसद दानिश अली की एण्ट्री कांग्रेस मे हुई। अमरोहा मे दानिश अली को हार का सामना करना पड़ा। सचिन चौधरी को लोकसभा के टिकट की कुरबानी देनी पड़ी। आज सचिन चौधरी के पैर अमरोहा ही नहीं बल्कि मुरादाबाद और सम्भल मे बेहद मज़बूत हो चुके है, जिस कारण सचिन चौधरी को अपनी ही पार्टी के लोगों का सामना करना पड़ रहा है। हर दिन सचिन के खिलाफ साजिश होती है और सीधे पार्टी से निकालने की मुहिम चल पड़ती है। जबकि साजिश इस तरह की है कि मकसद सचिन चौधरी को परेशान करना व जनता मे भ्रामक प्रचार कर पार्टी की नज़र मे छवि खराब करके बाहर का रास्ता दिखाने की है। विरोधी यदि अपने मकसद मे कामयाब होते हैं और सचिन को कांग्रेस से बाहर का रास्ता दिखाया जाता है कि तो मुरादाबाद मण्डल मे कांग्रेस की स्थिति खराब हो सकती है। क्योंकि सचिन एक सेक्यूलर छवि और बिरादरी मे काफी पकड़ वाले कद्दावर नेताओं मे से एक माने जाते हैं। सचिन एक बेबाक बोलने वालों मे से एक हैं जो विरोधी पार्टी के नेताओं की सुनकर मैदान छोड़कर भागते नहीं बल्कि मुंह तोड़ जवाब भी देते है। यह तमाम मानक सचिन की लोकप्रियता को बनाये हुए है जिस कारण आज सचिन को कांग्रेस से बाहर निकालने की साजिश नीचे से उपर तक हो रही है। ऐसे मे कांग्रेस हाई कमान को विचार करने और सच्चाई से पर्दा उठाकर सटीक फैसला लेने की ज़रूरत है। सम्भल के कांग्रेसी भी सचिन के साथ हो रहे षडयंत्र को लेकर खासा परेशान है जिनके सब्र का बांध जल्द टूट सकता है।

एच.आर. इंटर कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स को दी गई ट्रैफिक नियमों और स्वच्छता की जानकारी

उत्तम भारत संवाददाता

सहारनपुर। नगर के एच.आर. इंटर कॉलेज में चल रहे 86 यूपी बटालियन एनसीसी के विशेष 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन आज कैडेट्स को ट्रैफिक नियमों, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें भारतीय सेना द्वारा प्रयुक्त प्रमुख राइफल की कार्यप्रणाली तथा उसे खोलने और जोड़ने का अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर धीरज शर्मा और शुभम राठी ने कैडेट्स को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। उन्होंने बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाने, दोपहिया वाहन पर हेलमेट पहनने तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने की अनिवार्यता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने ट्रैफिक पुलिस द्वारा किए जाने वाले चालानों की प्रक्रिया और उनके उद्देश्य की विस्तृत जानकारी दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंगोह से आए डॉ. अक्षय कुमार और स्टाफ नर्स प्रियंका राणा ने कैडेट्स को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी और उन्हें व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर हवलदार जगसीर सिंह ने कैडेट्स को भारतीय सेना द्वारा प्रयोग की जाने वाली राइफल को खोलने और जोड़ने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। शिविर में आज कैप्टन गौरव मिश्रा, कैप्टन अखिलेश श्रीवास्तव और लेफ्टिनेंट आकाश जैन ने कैडेट्स को पब्लिक स्पीकिंग की बारीकियों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में सूबेदार मेजर नीरज चौहान, सूबेदार संजय भट्ट, गुरनाम सिंह, राजेंद्र सिंह, अनिल जोशी, जैनेश कुमार, अरुण शर्मा, सुहेल अहमद, नवीन गुप्ता एवं परविंदर चौधरी उपस्थित रहे।

P-03:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 8:09 PM Page 1

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पूर्वोत्तर राज्यों के सीपीए इंडिया सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

● इस दो दिवसीय सम्मेलन में आठ पूर्वोत्तर राज्यों के पीठासीन अधिकारी और विधायक भाग लेंगे

लिशा शर्मा

उत्तम भारत, नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सोमवार को कोहिमा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-तृतीय के 22वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में आठ पूर्वोत्तर राज्यों के पीठासीन अधिकारी और विधायक भाग लेंगे। इस सम्मेलन में नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और नगालैंड विधानसभा के अध्यक्ष एवं सीपीए भारत क्षेत्र जोन-तृतीय के अध्यक्ष शारिंगेन लोंगकुमेर शामिल होंगे। सम्मेलन का विषय नीति, प्रगति और जनताः परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में विधानमंडल है और उप-विषय विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में

विधानमंडलों की भूमिका और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में हाल में हुई बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के आलोक में जलवायु परिवर्तन हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सीपीए भारत क्षेत्र तृतीय ने क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने, संसदीय सर्वोत्तम चलन को बढ़ावा देने और पूर्वोत्तर के लिए एक्ट ईस्ट नीति एवं बुनियादी ढांचे के विकास जैसे विशिष्ट क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसकी प्रमुख उपलब्धियों में व्यापार और सहयोग के लिए भारत-आसियान दृष्टिकोण में पूर्वोत्तर क्षेत्र को शामिल करना और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने, व्यापारिक चौकियों को बढ़ाने एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान का आह्वान करना शामिल है। यह क्षेत्र संसदीय प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने और प्रौद्योगिकियों के अधिक उपयोग के माध्यम से उन्हें अधिक सुलभ और समावेशी बनाने पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जैसा कि राष्ट्रीय ई-विधान ऐप्लीकेशन (नेवा) के कार्यान्वयन, डिजिटलीकरण कार्यक्रम और सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी में देखा गया है।

दिल्ली में वर्षांत तक खुलेंगे 187 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर, घर-घर पहुंचेगी प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा

दीया शर्मा

उत्तम भारत, नई दिल्ली। दिल्लीवासियों के लिए सरकार ने एक और बड़ी राहत की घोषणा की है। राजधानी में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार 31 दिसंबर तक 187 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने जा रही है। इन केंद्रों के शुरू हो जाने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में ऐसे कुल 355 आरोग्य मंदिर संचालित होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण व सहज स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली के प्रत्येक वार्ड और मोहल्ले तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि लोगों को अब सामान्य जांच या प्राथमिक उपचार के लिए बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इन आरोग्य मंदिरों में अनुभवी चिकित्सकों की टीम तैनात रहेगी ताकि मरीजों को तत्पर

और समुचित इलाज मिल सके। इससे सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में भार कम होने की उम्मीद है। नए खोले जा रहे आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामान्य ओपीडी सेवा के साथ-साथ बाहरी प्रयोगशाला जांच, मुफ्त दवाइयों का वितरण और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसी के साथ गर्भावस्था और प्रसव से संबंधित सेवाएं, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल, किशोर और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार नियोजन तथा प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं भी इन केंद्रों पर दी जाएंगी। इसके अतिरिक्त वृद्धजनों की देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य जांच तथा कान, नाक और गले की बीमारियों के लिए अलग व्यवस्था की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सरकार का उद्देश्य राजधानी में प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था को इतना मजबूत करना है कि नागरिक अपने घरों के पास ही आवश्यक चिकित्सीय सहायता प्राप्त कर सकें। इसके लिए नए भवनों के निर्माण, चिकित्सकीय उपकरणों की आपूर्ति और दवा वितरण प्रणाली को दुरुस्त करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर न केवल स्वास्थ्य सेवाओं के सुलभ केंद्र बनेंगे, बल्कि यह सरकार की उस नीति का हिस्सा हैं जिसके तहत घर-घर स्वास्थ्य का लक्ष्य रखा गया है। सरकार इस दिशा में समयबद्ध कार्ययोजना पर अमल कर रही है ताकि हर नागरिक को मानक स्वास्थ्य सेवा का अधिकार मिल सके।

पुलिस ने चाकूबाजी की दो जुड़ी वारदातें सुलझाईं, सात को पकड़ा

नई दिल्ली। पूर्वी जिला पुलिस ने तेज कार्रवाई करते हुए थाना मांडवली और थाना मधु विहार क्षेत्र में हुई दो आपस में जुड़ी चाकूबाजी की वारदातों का खुलासा कर सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि दोनों हमले बदले की रंजिश में किए गए थे। आरोपितों में मुख्य साजिशकर्ता सुहैल सहित यूसुफ, रिजवान और चार अन्य किशोर शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से दो चाकू, एक स्कूटी, एक मोटरसाइकिल और वारदात में इस्तेमाल हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि ये सभी आरोपित वारदात के बाद बिजनौर (उप्र) भागने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें अर्थला से दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक आठ नवंबर की रात करीब 10:56 बजे थाना मांडवली में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई कि तालाब चौक, मांडवली के पास 5-6 लोगों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि घायल युवक किस्सू उर्फ कृष्णा और उसका दोस्त मोहित पर हमला किया गया था। कृष्णा के बाएं पैर में चाकू से चोट आई थी और उसे तुरंत अस्पताल भेजा गया। कुछ ही देर बाद रात 11:15 बजे थाना मधु विहार थाने में अस्पताल से एक और चाकूबाजी की सूचना मिली, जिसमें यश उर्फ पम्मा नामक युवक के सीने में कई वार किए गए थे। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि दोनों हमले एक ही गैंग ने कुछ ही समय के अंतराल में किए थे और दोनों घटनाओं के पीछे पुरानी रंजिश थी।

पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धनिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीन टीमों का गठन किया। पुलिस ने स्थानीय स्रोतों से सूचना एकत्र की। सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और रातभर कई ठिकानों पर छापेमारी की। सभी आरोपित मांडवली के रहने वाले थे, लेकिन वहां से फरार मिले। अंततः पुलिस ने छापा मारकर सभी सातों को तब गिरफ्तार किया जब वे बिजनौर भागने की तैयारी कर रहे थे।

छह वर्षीय बच्चे के अपहरण की गुत्थी सुलझी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले के सुभाष प्लेस थाना पुलिस ने 6 वर्षीय बच्चे के अपहरण की गुत्थी सुलझाते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपित ने बच्चे का अपहरण व्यक्तिगत रंजिश के चलते किया था और उसे घायल अवस्था में रेलवे लाइन के पास झाड़ियों में फेंक दिया था। बच्चे को बाद में सुरक्षित बरामद कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उत्तर पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने रविवार को बताया कि चार नवंबर की सुबह करीब 3:18 बजे सुभाष प्लेस थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई कि एक छह वर्षीय बच्चा लापता है। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि उसका बेटा 3 नवंबर की शाम करीब 7 बजे पास की दुकान पर गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश किया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इस पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर तेजपाल सिंह के नेतृत्व में दो टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और बच्चे की तस्वीरें स्थानीय पुलिसकर्मियों व आस-पास के थानों में साझा की गईं। खोज के दौरान पुलिस को बच्चा रेलवे लाइन के पास झाड़ियों में घायल अवस्था में मिला। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना के आधार पर पुलिस ने शकूर बस्ती से आरोपित मोहम्मद सामेम उर्फ बित्रा (23) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपित ने बच्चे के अपहरण और हमले की बात स्वीकार की। उसने बताया कि उसने यह हरकत व्यक्तिगत रंजिश के कारण की थी।

महिला अधिवक्ता से बार-बार दुष्कर्म: 51 वर्षीय वकील की अग्रिम जमानत रद्द, न्यायिक अधिकारियों की जाँच के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक 51 वर्षीय अधिवक्ता की अग्रिम जमानत रद्द कर दी है, जिस पर एक 27 वर्षीय महिला वकील के साथ बार-बार दुष्कर्म करने, मारपीट करने और दो न्यायिक अधिकारियों के माध्यम से पीड़िता पर दबाव बनाने का गंभीर आरोप है। न्यायालय ने इस मामले में आरोपित की मदद करने वाले दोनों न्यायिक अधिकारियों के विरुद्ध प्रशासनिक जाँच का भी सख्त आदेश दिया है।

जमानत रद्द करने का निर्णय और जाँच के आदेश

न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने साकेत सत्र अदालत द्वारा आरोपित अधिवक्ता को दी गई अग्रिम जमानत को रद्द करने का निर्णय सुनाया। पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए यह टिप्पणी की कि जब मुकदमे को प्रभावित करने या गवाहों पर दबाव डालने का प्रयास किया जाता है, तो जमानत तत्काल वापस ले ली जानी चाहिए। आरोपित अधिवक्ता को अब एक सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उच्च न्यायालय ने उन दो संबंधित न्यायिक अधिकारियों के आचरण की प्रशासनिक जाँच का आदेश दिया, जिन पर आरोप है कि उन्होंने आरोपित अधिवक्ता के कहने पर पीड़िता पर अपना मामला

कमजोर करने या वापस लेने का दबाव डाला। पीठ ने स्पष्ट किया कि अभियोक्ता के संपर्क में रहे संबंधित न्यायिक अधिकारियों के आचरण की प्रशासनिक जाँच आवश्यक है।

घटनाक्रम और शिकायतकर्ता के आरोप

यह गंभीर मामला तब प्रकाश में आया जब दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने एक न्यायिक अधिकारी संजीव कुमार सिंह को निलंबित करने और उनके तथा एक अन्य जिला न्यायाधीश के विरुद्ध अनुशासनात्मक जाँच शुरू करने का निर्णय लिया। शिकायतकर्ता महिला अधिवक्ता ने जून 2025 में नेब सराय पुलिस स्टेशन में 51 वर्षीय वकील के विरुद्ध दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और मारपीट के आरोप में एक प्राथमिकी (ऋक्क) दर्ज कराई थी। महिला का आरोप है कि आरोपित ने विवाह का झांसा देकर लगभग पाँच वर्षों तक उसके साथ कई बार जबरदस्ती की, जिसके परिणामस्वरूप वह गर्भवती भी हो गई।

आरोपित द्वारा दबाव बनाने का प्रयास

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपित अधिवक्ता महिला को गर्भपात के लिए एक चिकित्सालय भी ले गया था और बाद में दक्षिण दिल्ली के एक कंट्री क्लब में उसके साथ मारपीट की। मारपीट की यह घटना सीसीटीवी फुटेज में आंशिक रूप से कैद भी हुई है। सत्र अदालत द्वारा जुलाई में अग्रिम जमानत दिए जाने के बाद भी, शिकायतकर्ता ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर करते हुए जमानत रद्द करने की माँग की। महिला ने आरोप लगाया कि जमानत मिलने के बावजूद आरोपित लगातार व्हाट्सएप संदेशों और फोन कॉल के माध्यम से उसे धमकियाँ दे रहा था और प्रभावित करने के प्रयास कर रहा था।

न्यायिक अधिकारी की भूमिका पर संदेह

उच्च न्यायालय की पीठ ने उक्त तथ्यों पर ध्यान देते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि न्यायिक अधिकारियों में से एक ने शिकायतकर्ता के साथ शिकायत वापस लेने के एवज में आर्थिक समझौते और नौकरी के प्रस्ताव पर चर्चा की थी। न्यायालय ने इस प्रकार के हस्तक्षेप को मुकदमे की निष्पक्षता को प्रभावित करने वाला मानते हुए, आरोपित की अग्रिम जमानत को तत्काल प्रभाव से खारिज कर दिया।

घरेलू नौकरानी ने उड़ाए लाखों के सोने के गहने, गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले के अशोक विहार थाना पुलिस ने एक घर में हुई बड़ी चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक महिला चोर और एक ज्वेलर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के सोने के गहनों में से एक सोने का लॉकेट और एक जोड़ी सोने की बालियां बरामद की हैं। गिरफ्तार महिला आरोपित घर में नौकरानी का काम करती थी और ज्वेलर के साथ मिलकर चोरी के गहनों को बेचकर आसान पैसे कमाने की फिराक में थी। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने रविवार को बताया कि अशोक विहार फेज-1 के रहने वाले शिकायतकर्ता निपुन नरूला ने बताया कि 10 अक्तूबर को उनकी मां ने देखा कि उनके दो सोने के कंगन गायब हैं। पहले उन्हें लगा कि शायद कहीं रखकर भूल गई हों, लेकिन जब 25 अक्तूबर की रात दिवाली के मौके पर घर की पूरी जांच की गई तो पता चला कि 10 सोने के सिक्के, एक मंगलसूत्र, एक सोने की चेन के साथ लॉकेट और एक नेकलेस भी गायब है। निपुन ने बताया कि उनके घर में चार घरेलू सहायिकाएं काम करती हैं। इनमें से एक नौकरानी रानी नूर बानो है, जो जहांगीरपुरी इलाके की रहने वाली है। उसने 31 अक्टूबर से अचानक काम पर आना बंद कर दिया और फोन भी बंद कर लिया। शक होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि शिकायत के आधार पर थाना अशोक विहार में मामला दर्ज किया गया और इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार की अगुवाई में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और मुखबिरों को सक्रिय किया गया। इस बीच पुलिस को सुराग मिला कि आरोपित महिला नूर बानो गाजियाबाद के फरुखनगर स्थित असलतपुर में छिपी हुई है। छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने चोरी की वारदात कबूल की और बताया कि उसने चोरी किए गए गहनों को जहांगीरपुरी निवासी ज्वेलर हसन अली को बेच दिया था। पुलिस ने महिला की निशानदेही पर छापेमारी कर ज्वेलर हसन अली को भी गिरफ्तार कर लिया और उसकी निशानदेही पर चोरी के एक लॉकेट और एक जोड़ी सोने की बालियां बरामद कर लीं। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपित आसानी से पैसे कमाने और आलीशान जीवनशैली बनाए रखने के लिए इस तरह की वारदातें करने लगे थे। फिलहाल आरोपित महिला का पति, जो चोरी में शामिल था, फरार है। उसकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

एमसीडी उपचुनाव: आप ने मारी बाजी, 12 प्रत्याशियों की सूची जारी कर भाजपा-कांग्रेस को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। आगामी दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनावों के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर अन्य प्रमुख दलों, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस से पहले अपनी चुनावी रणनीति को स्पष्ट कर दिया है। आप ने 12 वार्डों के लिए अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है, जबकि भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

उम्मीदवारों की घोषणा और चुनावी रणनीति

आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने रविवार को 12 वार्डों के उम्मीदवारों की सूची जारी करने की घोषणा की। पार्टी ने स्थानीय मुद्दों और जनसंपर्क को आधार बनाते हुए उम्मीदवारों का चयन किया है, जिसका लक्ष्य एमसीडी में अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत करना है। सूची में जिन प्रमुख इलाकों के उम्मीदवारों को शामिल किया गया है, उनमें चांदनी महल, द्वारका बी, मुंडका और नारायणा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस घोषणा के साथ ही आम

विनोद नगर (वार्ड 198): गीता रावत

आदमी पार्टी ने उपचुनाव के लिए अपनी तैयारी और तत्परता को दर्शाया है।

घोषित प्रत्याशियों का विवरण

आम आदमी पार्टी द्वारा घोषित 12 वार्डों के उम्मीदवारों का विवरण निम्नलिखित है:

दक्षिण पुरी (वार्ड 164): राम स्वरूप कनौजिया

संगम विहार (वार्ड 163): अनुज शर्मा

ग्रेटर कैलाश (वार्ड 173): ईशना गुप्ता

विनोद नगर (वार्ड 198): गीता रावत

शालीमार बाग (वार्ड 56): बबीता अहलावत

अशोक विहार (वार्ड 65): सीमा विकास गोयल

चांदनी चौक (वार्ड 74): हर्ष शर्मा

चांदनी महल (वार्ड 76): मुद्दसिर उस्मान कुरैशी

द्वारका (वार्ड 120): राजबाला सेहरावत

मुंडका (वार्ड 35): अनिल लाकड़ा

नरेला (वार्ड 139): राजन अरोड़ा

दिचाऊं कलां (वार्ड 128): केशव चौहान

अन्य दलों की चुप्पी

जहां एक ओर आम आदमी पार्टी ने तेजी दिखाते हुए अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतार दिया है, वहीं दूसरी ओर भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक इन उपचुनावों के लिए अपनी प्रत्याशी सूची जारी नहीं की है। आप की इस पहल ने एमसीडी उपचुनावों के लिए राजनीतिक सरगर्मियों को बढ़ा दिया है और अब सबकी निगाहें भाजपा और कांग्रेस पर टिकी हैं कि वे कब और किन उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारते हैं।

दमघोंटू हवा से राजधानी दिल्ली को अभी राहत के आसार नहीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को प्रदूषण से दमघोंटू हुई हवा से अभी राहत मिलने के आसार नहीं हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक रविवार को दिल्ली के 11 स्थानों का सूचकांक 400 के पार यानी गंभीर स्थिति में रहा। दिल्ली के पूरे वायुमंडल पर प्रदूषण की एक परत छाई हुई है। इसके चलते लोगों को अलग-अलग स्वास्थ्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यूं तो दिल्ली के लोग 14 अक्तूबर से ही प्रदूषित हवा में सांस ले रहे हैं लेकिन, पिछले चार दिनों में प्रदूषण के स्तर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। सुबह और शाम के समय खासतौर पर हवा की रफ्तार बेहद कम हो जा रही है। वहीं, तापमान भी सामान्य से नीचे बना हुआ है। इसके चलते प्रदूषक कणों का विसर्जन बेहद धीमा हो रहा है। प्रदूषित हवा के चलते लोगों को गले और नाक में खराश, आंख में जलन, खांसी और सांस लेने में दिक्कत जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सीपीसीबी के मुताबिक रविवार को दिल्ली का औसत वायु

गुणवत्ता सूचकांक 370 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को अति खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले यह सूचकांक 361 के अंक पर रहा था। यानी 24 घंटे के अंदर इसमें नौ अंकों का इजाफा हुआ है। सुबह आठ बजे दिल्ली का सूचकांक 390 के अंक तक पहुंच गया था। खासतौर पर दोपहर के समय खिली हुई धूप और हवा की गति बढ़ने के चलते प्रदूषक कणों का विसर्जन थोड़ा तेज हुआ। इससे प्रदूषण के स्तर में भी मामूली सुधार हुआ। शाम चार बजे भी दिल्ली के 11 इलाकों का सूचकांक 400 के पार यानी गंभीर श्रेणी में बना हुआ था। हवा में सामान्य से तीन गुना ज्यादा प्रदूषण दिल्ली की हवा में अभी सामान्य से तीन गुना ज्यादा प्रदूषण मौजूद है। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम 10 का स्तर 100 से और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। रविवार शाम चार बजे दिल्ली-एनसीआर की हवा में पीएम 10 का औसत स्तर 316 और पीएम 2.5 का औसत स्तर 189 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर रहा। यानी दिल्ली-एनसीआर की हवा में मानकों से तीन गुना ज्यादा प्रदूषक कण मौजूद हैं। पांच फीसदी रही पराली की हिस्सेदारी दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी इस बार पहले के वर्षों की तुलना में काफी कम देखने को मिल रही है।

समाचार

दिल्ली में वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली में रविवार सुबह वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी रही और समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया है। बोर्ड के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 24 निगरानी केंद्रों ने वायु गुणवत्ता को गंभीर श्रेणी में बताया है जबकि केंद्रों ने एक्यूआई 300 से अधिक दर्ज किया है जोकि वायु गुणवत्ता को बहुत खराब श्रेणी में दर्शाता है। सीपीसीबी के मानकों अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से 2.7 डिग्री अधिक है जबकि सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 79 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार हल्की धुंध के साथ अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

पुलिस ने भगोड़े बदमाश को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की वेस्टर्न रेंज-कक्क की टीम ने एक वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो थाना के.एन. काटजू मार्ग के आर्म्स एक्ट के मामले में भगोड़ा था। आरोपित की पहचान जहांगीरपुरी निवासी बंटी (28) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने रविवार को बताया कि बंटी वर्ष 2021 में आर्म्स एक्ट के मामले में फरार चल रहा था। 25 अक्टूबर को रोहिणी कोर्ट ने उसे भगोड़ा किया था। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक, वह बेल पर बाहर आने के बाद लगातार ठिकाने बदलता रहा ताकि गिरफ्तारी से बच सके। वह ट्रक ड्राइवर के रूप में काम करता था और अक्सर दिल्ली से बाहर चला जाता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि वांछित अपराधी बंटी मकसूदाबाद स्थित रणाजी एन्क्लेव में आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने रणाजी एन्क्लेव में जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि आरोपित के ऊपर पहले से पांच मामले दर्ज है।

निगम दोगुना कर सकता है पार्किंग शुल्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण के बीच नगर निगम पार्किंग शुल्क में बढ़ोतरी कर सकता है। मौजूदा समय में निगम का पार्किंग शुल्क 20 रुपये प्रति घंटा (चार पहिया वाहन) और 10 रुपये प्रति घंटा (दो पहिया वाहन) के लिए है। अब इसे दोगुना किया जा सकता है। निगम के अधिकारियों के अनुसार वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के दिशा-निर्देशों के तहत दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर पार्किंग शुल्क बढ़ाने का प्रावधान शामिल किया गया है। इन दिशा-निर्देशों के तहत पार्किंग शुल्क को ग्रेप के चरणों के तहत दो से चार गुना तक बढ़ोतरी की जा सकती है। डेढ़ साल से ठुकराया जा रहा प्रस्ताव निगम के सदन की बैठक में दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर कई बार पार्किंग शुल्क प्रस्ताव पेश किया गया। कई पार्षदों ने बताया कि बीते डेढ़ साल में सदन की दस से अधिक बैठकें हुईं, लेकिन पार्किंग शुल्क में वृद्धि करने से जुड़े प्रस्ताव को मंजूर नहीं किया गया। उपचुनाव के कारण फंसा पेच निगम के जनप्रतिधियों का मानना है कि 30 नवंबर को 12 निगम वार्डों के उपचुनाव के लिए मतदान होने हैं। इसे देखते हुए पार्किंग शुल्क के प्रस्ताव की स्वीकृति पर इससे पहले फैसला मुश्किल लग रहा है। बढ़ोतरी के पक्ष में पर्यावरण के लिए काम करने वाले पर्यावरण के लिए काम करने वाले एक संगठन से जुड़े रजनीश सरीन ने बताया कि सर्दियों के दौरान कुछ सीमित समय तक ग्रेप के नियमों के मद्देनजर पार्किंग शुल्क में वृद्धि जरूरी है। इस दौरान लोगों को अधिक से अधिक सार्वजनिक वाहनों से सफर करना चाहिए।

बच्चे को अगवा कर मारपीट करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। सुभाष प्लेस इलाके में रंजिश के चलते छह साल के बच्चे को अगवा कर उसके साथ मारपीट करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शकूरबस्ती निवासी मोहम्मद समीम के रूप में हुई है। पुलिस ने बच्चे को भी रेलवे लाइन के पास झाड़ियों में घायल अवस्था में बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक, गत चार नवंबर को पीसीआर कॉल आई, जिसमें सुभाष प्लेस इलाके से छह साल के एक बच्चे को अगवा किए जाने की सूचना पुलिस को दी गई। बच्चे की मां ने कहा कि उसका बेटा तीन नवंबर की शाम करीब सात बजे पास की एक दुकान पर गया था, लेकिन घर नहीं लौटा। उसे शक था कि किसी ने उसका अपहरण कर लिया है। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आस-पास की गलियों और दुकानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साथ ही लापता बच्चे की तस्वीर स्थानीय पुलिस और पड़ोसी थानों में प्रसारित की गईं। सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

वन्यजीवों की खुराक में गुड़, गन्ना, अखरोट शामिल

नई दिल्ली। राजधानी में बदलते मौसम के साथ ही राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में रहने वाले वन्यजीवों की खुराक बदल गई है। वन्यजीवों को गर्म खाद्य पदार्थ दिए जा रहे हैं। शाकाहारी वन्यजीवों की खुराक में गुड़, गन्ना, अखरोट, मूंगफली, शहद, हल्दी शामिल किए गए हैं। वहीं, मांसाहारी वन्यजीवों की खुराक बढ़ा दी है। शेर, बाघ, तेंदुआ समेत कई जानवरों को प्रतिदिन 12 किलोग्राम मांस खाने में दिया जा रहा है। ऐसे में वन्यजीवों को हाई प्रोटीन और न्यूट्रिशन से भरपूर डाइट दी जा रही है। इसके अलावा आने वाले दिनों में रहन-सहन में भी बदलाव किया जाएगा। वन्यजीवों के बाड़ों में हीटर लगाए जाएंगे। चिड़ियाघर प्रबंधन का कहना है कि शेर और बाघ के खानपान का भी काफी ध्यान रखना पड़ता है। वहीं, सर्दी जैसे-जैसे बढ़ेगी, वैसे ही जानवरों के बाड़ों को गर्म रखने के लिए पुआल और घास का इस्तेमाल किया जाएगा। अजगर के लिए पुआल से बनी चटाई बिछाई गई है। हिरण और बंदर समेत अन्य जीवों को भी खाने के साथ गुड़ दिया जा रहा है। हाथी को गन्ना, राई, हल्दी, लौंग व सरसों के तेल में बनी खिचड़ी दी जा रही है।

घर के सामने वकील पर जानलेवा हमला, दो नामजद

नई दिल्ली। मानसरोवर पार्क इलाके में एक एडवोकेट पर दो पड़ोसियों ने घर के सामने जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित आशीष राणा की शिकायत पर आरोपी हिमांशु और उसके साले प्रदीप के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना उस समय हुई जब आशीष डॉक्टर से दवा लेकर लौट रहे थे। आरोपियों ने रास्ता रोककर गाली-गलौज की और प्रदीप ने उनके चेहरे पर घूंसा मार दिया, जिससे होंठ फट गए और दांत टूट गए। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लापता दो बच्चों को ढूंढकर परिजनों से मिलवाया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सुलेमान नगर से लापता दो नाबालिगों को ढूंढकर सुरक्षित परिवारों को सौंप दिया है। दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे और घर से नाराज होकर निकले थे। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने उनकी लोकेशन ट्रेस की और करण विहार इलाके से दोनों को बरामद किया।

P-04:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 8:43 PM Page 1

विश्व कप फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली वर्मा का गुरुग्राम में सम्मान समारोह

● विधायक मुकेश शर्मा एवं जिला प्रशासन ने किया सम्मानित

गुरुग्राम। महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर भारत को 52 रनों से ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली भारतीय क्रिकेट टीम की खिलाड़ी शेफाली वर्मा का आज विधायक मुकेश शर्मा एवं जिला प्रशासन की ओर से गुरुग्राम में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर निगम गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा भी मौजूद रही। फाइनल मैच में शेफाली वर्मा ने 87 रन बनाए और गेंदबाजी में भी 2 अहम विकेट लिए। उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने यह ऐतिहासिक जीत हासिल की।सम्मान समारोह के दौरान विधायक मुकेश शर्मा ने शेफाली वर्मा को शॉल, स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शेफाली ने हरियाणा सहित पूरे देश का नाम दुनिया में रोशन किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल खेल की नहीं, बल्कि सपनों को सच करने की मिसाल है। मुकेश शर्मा ने कहा कि शेफाली जैसी बेटियाँ आज नए भारत का चेहरा हैं। उन्होंने साबित किया है कि मेहनत और हिम्मत के आगे कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। यह युवाओं और खासकर बेटियों के लिए प्रेरणा का संदेश है कि लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, दृढ़ संकल्प के साथ उसे प्राप्त किया जा सकता है। सम्मान ग्रहण करते हुए शेफाली वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की मिट्टी ने उन्हें हौसला, जज्बा और जीतने की ताकत दी है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल मेरा नहीं, पूरे देश और उन सभी लोगों का है जिन्होंने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर गुरुग्राम के एसडीएम परमजीत चहल, सीटीएम सपना यादव, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी बिजेंद्र कुमार तथा गुरुग्राम क्रिकेट एसोसिएशन के काउंसलर अनूप सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एटक की 2 दिवसीय बैठक में श्रमिकों की समस्याओं पर हुई चर्चा

गुरुग्राम। श्रमिक संगठन ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) की राष्ट्रीय परिषद की 2 दिवसीय बैठक का समापन राष्ट्रीय अध्यक्ष कामरेड रामेंद्र कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हो गया, जिसमें संगठन से जुड़े पदाधिकारियों, सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। राष्ट्रीय महासचिव कामरेड अमरजीत कौर ने आर्थिक, राजनीतिक, पूर्व में हुए कार्यों से संबंधित रिपोर्ट पेश प्रस्तुत की। हरियाणा की ओर से बैठक में शामिल हुए राज्य महासचिव अनिल पंवार ने रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने भवन निर्माण मजदूरों की मागों, रोडवेज कर्मचारी यों की मागों, रिटायर कर्मचारी की मांगों, औद्योगिक क्षेत्र के मजदूरों की मागों को प्रमुखता से उठाया। उनका कहना है कि प्रदेश सरकार मजदूरों व कर्मचारियों के जीवन को बर्बाद कर रही है। भवन निर्माण साइटों को ही बन्द किया हुआ है। वेलफेयर कल्याण बोर्ड से श्रमिकों को मिलने वाले लाभ भी रोक दिए गए हैं। रोडवेज कर्मचारियों की मागों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। उनका कहना है कि मिनियम वेजिज एडवाइजरी बोर्ड का गठन किया है, जिसमें एटक ने 26 हजार रुपए मासिक मिनियन वेजिज की मांग की है। ठेकेदारी प्रथा पर रोक नहीं लग पाई है, वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों को पक्का नहीं किया गया है। एटक ने पत्रकारवार्ता कर सरकार को ज्ञापन भी दिया है। पूरे प्रदेश में जिला कार्यालयों पर धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन दिए जाएंगे। आंदोलनों को तेज किया जाएगा। बैठक में कामरेड बेचू गिरी, पहल सिंह तंवर, कुलदीप सिंह आदि शामिल रहे।

गुरुग्राम में नेबरहुड कैंसर उपचार केंद्र का मनीषा कोइराला ने किया उद्घाटन

● कैंसर मरीज को संवेदनशील देखभाल जरूरी

गुरुग्राम। उत्तर भारत में उन्नत कैंसर उपचार की पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए नेबरहुड कैंसर सेंटर्स ने एम.ओ.सी. कैंसर केयर एंड रिसर्च सेंटर की रविवार से शुरूआत हुई। इसका उद्घाटन फिल्म अभिनेत्री एवं कैंसर सर्वाइवर मनीषा कोइराला ने किया। गुरुग्राम में नेबरहुड कैंसर सेंटर्स का यह पहला कैंसर उपचार केंद्र है। इस अवसर पर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के कैंसर विशेषज्ञ, स्वास्थ्यकर्मी और समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।इस अवसर पर अभिनेत्री एवं कैंसर सर्वाइवर मनीषा कोईराला ने कहा कि मैं इस महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा बनकर स्वयं को सम्मानित महसूस कर रही हूं। एक कैंसर सर्वाइवर होने के नाते मैं जानती हूं कि विशेषज्ञता और संवेदनशील देखभाल तक समय पर पहुंचना कितना आवश्यक है। एम.ओ.सी. जैसे सेंटर्स यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उपचार न केवल सुलभ हो, बल्कि मानवीय संवेदना के साथ उपलब्ध हो। यह सचमुच हजारों परिवारों के लिए आशा की नई किरण है।

पुलिस ने गोली चलाकर जानलेवा हमला करने के मामले में दो नाबालिग काबू

गुरुग्राम। पिता के लाईसेंसी पिस्टल से 11वीं कक्षा में पढड्डे वाले एक नाबालिग छात्र ने अपने सहपाठी को गोली मार दी। इस घटना में छात्र घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने रविवार को बताया कि इस मामले में दो नाबालिग छात्रों को काबू किया गया है।

जानकारी के अनुसार 8/9 नवंबर 2025 की देर रात पुलिस थाना सदर गुरुग्राम की पुलिस टीम को एक सूचना मिली। बताया गया कि सेक्टर 48 में एक लडके को गोली मार दी गई है। सूचना पाकर पुलिस थाना सदर की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। घायल छात्रा को परिवार वाले द्वारा मेदांता हॉस्पिटल ले जा चुके थे। पुलिस टीम द्वारा पुलिस की सीन-ऑफ-क्राइम, फॉरेंसिक एक्सपर्ट, फिंगरप्रिंट की टीमों तथा थाना प्रबन्धक को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान घटनास्थल से एक पिस्टल, एक मैगजीन, पांच जिंदा कारतूस व एक खाली खोल कारतूस तथा कमरे के अंदर रखे बॉक्स से एक मैगजीन व 65 जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस घटना में घायल लडके की मां ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसका लडका 11वीं क्लास में पढ़ता है। आठ नवंबर को उसके स्कूल के दोस्त का फोन आया कि उससे उन्हें मिलना है। छात्र ने पहले तो जाने से मना कर दिया, लेकिन वह अपनी मां के कहने से मिलने चला गया। खेडकी दौला टोल के पास वे मिले। घायल छात्र की मां ने पुलिस को बताया कि करीब दो महीने पहले उसके लडके की अपने दोस्त के साथ कुछ कहासुनी हो गई थी। वह उसके बेटे को अपने घर पर ले गया। अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर उसके बेटे को जान से मारने की नीयत से गोली मार दी। इस शिकायत पर पुलिस थाना सदर में केस दर्ज किया गया। वारदात को अंजाम देने में संलिप्त दो नाबालिगों को घटना के कुछ घंटों बाद ही रविवार को काबू कर लिया गया। नाबालिग आरोपियों से प्रारंभिक पुलिस पूछताछ में पता चला है कि कि ये तीनों दोस्त (पीड़ित व दो नाबालिग आरोपी) एक ही स्कूल में 11वीं कक्षा के छात्र है। दो महीने पहले आरोपी (गोली मारने वाला) का पीड़ित से झगड़ा हो गया था, जिसकी रंजिश रखते हुए उसने आठ नवंबर की रात को करीब नौ बजे आरोपी (गोली चलाने वाला) ने पहले पीड़ित को बुलाया। फिर रास्ते में इन्होंने खाना पीना किया। फिर ये अपने एक अन्य दोस्त को लेने गए। उसके बाद ये तीनों आरोपी (गोली मारने वाला) के किराए के मकान सेक्टर-48 गुरुग्राम पर गए। जहां पर आरोपी ने अपने पिता के लाईसेंसी पिस्टल से गोली मारने की वारदात को अंजाम दिया।

आत्मनिर्भरता से पूरा होगा विकसित भारत-2047 का सपना : रामपाल यादव

● राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने किया कार्यकताओं का मार्गदर्शन
● किसान व एससी मोर्चा द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन सफल

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा एवं एससी मोर्चा गुरूग्राम महानगर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को तावडू में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। गुरूग्राम महानगर किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित भारद्वाज व एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष कुलदीप चौहान के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान नेता, समाजसेवी, बुद्धिजीवी वर्ग तथा पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे किसान मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रामपाल यादव का भाजपा के गुरूग्राम महानगर जिलाध्यक्ष अजीत सिंह, जिला प्रभारी रामकुमार बोहरा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अमित भारद्वाज, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप चौहान ने फूलमालाओं से व पगड़ी बांधकर स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार किसानों, दलितों एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होने कहा कि आत्मनिर्भरता से ही विकसित भारत-2047 का सपना पूरा होगा। इस संकल्प की सिद्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा आत्मनिर्भरता को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया गया है। आत्मनिर्भर भारत अभियानह्न का उद्देश्य देश को हर क्षेत्र में स्वावलंबी बनाना है- चाहे वह उद्योग हो, कृषि, रक्षा, विज्ञान या शिक्षा हो। सरकार द्वारा मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में अनेक ठोस कदम उठाए हैं। इन योजनाओं ने देश में नवाचार, उत्पादन, रोजगार और उद्यमिता को नई ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है।

किसान समृद्ध तो देश भी बनेगा समृद्ध : अमित भारद्वाज

सम्मेलन में भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष अमित भारद्वाज ने कहा कि आत्मनिर्भरता ही वह शक्ति है जो भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर करेगी। भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहां का किसान समृद्ध होगा तो देश भी समृद्ध होगा। केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक उत्थान की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष कुलदीप चौहान ने भी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने संगठन को और मजबूत करने तथा आगामी अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष समयपाल सरपंच, विमला राघव, भूपेंद्र पलासोली, हरीश नंदा व राकेश यादव, जिला महामंत्री धर्मेन्द्र यादव, जिला सचिव वाई के चौहान, विक्रम ठेकेदार, सतराज जून, रामअवतार वशिष्ठ व नरेश चौहान, जिला कोषाध्यक्ष रिंकू शर्मा, प्रवक्ता पवन भारद्वाज, आईटी प्रमुख रणधीर ठाकुर, रणधीर सरपंच, गजराज राघव, दीपक घोडारोप, कपिल शर्मा, चन्द्रशेखर कौशिक, महेश चौहान नरहेड़ा आदि समेत सैंकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक का हुआ आयोजन

गुरुग्राम। सेवानिवृत बिजलीकर्मियों का प्रतिनिधित्व करने वाली हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक का आयोजन महरौली रोड स्थित बिजली निगम के रेस्ट हाउस में सेवानिवृत सीए रतनलाल गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें एसोसिएशन से जुड़े सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। भक्ति संगीत व योगाभ्यास के साथ बैठक की शुरूआत हुई। एसोसिएशन के महासचिव बनवारी लाल शर्मा का कहना है कि लंबे समय से लंबित पड़ी मांगों पर सरकार का ध्यान नहीं है, जिसको लेकर सदस्यों में रोष है। पेंशनरों की 65,70 व 75 आयु वर्ग में 5 प्रतिशत पेंशन वृद्धि की जाए, फैमिली पेंशनरों को एलटीसी दिया जाए, कैशलेस मेडिकल सुविधा दी जाए, विभिन्न कोर्टों में लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा कराया जाए। उन्होंने जीवन प्रमाण पत्र, एलटीसी, मेडिकल बिल, नोशनल इंक्रीमेंट कोर्ट केसो के फैसले आदि पर चर्चा की। प्रधान राजन शर्मा ने सदस्यों को संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया और कहा कि वे अपने अधिकारों की लड़ाई जारी रखेंगे। बैठक को आरएल छौकर, दलजीत सिंह, वीबी चौधरी, पंडित जीवन लाल शर्मा, सुभाष दूरेजा, डा. अश्वनी कालरा, दुर्गा प्रसाद शर्मा, देवराज आदि ने संबोधित किया। बैठक में राम किशन बांगिया, मेहर चंद शर्मा तिगरा, किशन चंद, राम मेहर, ओम प्रकाश सोलंकी, हर प्रसाद रूप नारायण, करण सिंह, राम सहाय, जगदीश प्रसाद माथुर, जय हिंद, धनी राम, ओम प्रकाश, श्याम लाल, किशोरी लाल, प्रेम सिंह, राजेंद्र प्रसाद, श्रीभगवान सैनी आदि मौजूद रहे।

मोबाइल खरीदकर दुकानदार को पेमेंट के नाम पर चूना लगाने वाले काबू

● आरोपियों के कब्जा से झांसा देकर खरीदे गए दो मोबाइल समेत तीन मोबाइल बरामद

गुरुग्राम। बादशाहपुर थाना क्षेत्र में एक दुकान से मोबाइल खरीदकर फर्जी यूपीआई ऐप से पेमेंट कम्प्लीट दिखा दी। दुकानदार की शिकायत पर पुलिस ने दंपती सहित तीन आरोपियों को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने रविवार को बताया कि आरोपियं के पास से खरीदे गए दो मोबाइल समेत तीन मोबाइल बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार छह नवंबर 2025 को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना बादशाहपुर में एक लिखित शिकायत दी कि 27 अक्टूबर 2025 को बादशाहपुर में स्थित उसकी मोबाइल की दुकान से एक महिला ने फोन खरीदा। फर्जी यूपीआई ऐप के माध्यम से पेमेंट हुई दिखाकर उसके साथ धोखाधड़ी की। पीड़ित दुकानदार की इस शिकायत पर पुलिस थाना बादशाहपुर में केस दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में तीन आरोपियों को बादशाहपुर से काबू किया। आरोपियों की पहचान सोनू (उम्र-29 वर्ष) व काजल (दोनों निवासी सेक्टर-8 फरीदाबाद) व मोहम्मद सादेक (उम्र-34 वर्ष) निवासी गांव चंदीपुर जिला मालदा (पश्चिम-बंगाल) के रूप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपी सोनू व उसकी पत्नी, आरोपी मोहम्मद सादेक बादशाहपुर गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि मोबाइल खरीदने की इस वारदात सहित गुरुग्राम से फर्जी ऐप के माध्यम से ही अन्य एक और फोन इसी तरह से लिया था। उनसे पूछताछ में पता चला है कि आरोपी सोनू व काजल दोनों आपस मे पति-पत्नी है। गुरुग्राम में दिहाड़ी मजदूरी का काम करते है। ये फर्जी ऐप के माध्यम से पेमेंट करने की धोखाधडी करते है। आरोपित महिला काजल मोबाइल फोन की शॉप पर फोन खरीदती है व फर्जी ऐप के माध्यम से फोन खरीदकर उसकी पेमेंट करती है उस समय आरोपी सोनू दुकान के बाहर खड़ा रहता है। फर्जी ऐप के माध्यम से फोन खरीदने के बाद ये दोनों फोन लेकर भाग जाते है। इनके द्वारा फर्जी ऐप के माध्यम से पेमेन्ट पूरी हो जाने का झांसा देकर खरीदा गया मोबाइल फोन इन्होंने आरोपी मोहम्मद सादेक को 12 हजार रुपए में बेचा था। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जा से तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए है।

ब्रह्माकुमारीज के 3 दिवसीय राष्ट्रीय महिला सम्मेलन का हुआ समापन

● अधिकार के साथ अपनी जिम्मेदारी को समझना भी बेहद जरूरी : रेणु भाटिया

गुरुग्राम। महिलाओं को अधिकार के साथ अपनी जिम्मेदारी को भी निभाना जरूरी है। हमें महिला सशक्तिकरण का सही अर्थ समझना होगा। केवल आर्थिक एवं सामाजिक विकास ही सशक्तिकरण नहीं है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण के बिना सुरक्षित रहना मुश्किल है। उक्त विचार हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने धार्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज के बिलासपुर क्षेत्र स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में आध्यात्मिकता से नारी सुरक्षा विषय पर आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय महिला सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उनका कहना है कि जब वह संस्था से जुड़ी तब उन्हें कैंसर था। राजयोग के अभ्यास से उन्हें कैंसर के उपचार में काफी मदद मिली। शरीर की सुरक्षा से पहले हमें अपने अंतर्मन की सुरक्षा का विचार करना होगा। फैशन डिजाइनर मिसेज इंटरनेशनल 2025 सलोनी मल्होत्रा ने कहा कि राजयोग ही सुरक्षा का आधार है।

राजयोग हमारी आंतरिक शक्ति को बढ़ाता है। श्रीराम सोसाइटी ऑफ रियल एजुकेशन की निदेशक एवं अध्यक्ष डॉ. अमृता ज्योति ने कहा कि जीवन में असली आनंद, शांति और संतुष्टता से ही मिलता हैं। आनंद की कमी का असली कारण आध्यात्मिक जागृति न होना है। पालम विहार सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके उर्मिल ने कहा कि परिवार, समाज एवं विश्व को सुखी बनाने के लिए सबसे पहले हमें स्वयं को शक्तिशाली बनाना है। स्व परिवर्तन ही विश्व परिवर्तन का आधार है। आयोजन को डा. मंजू गुप्ता ने भी संबोधित किया और राजयोग से जीवन में आए परिवर्तन के अनुभवों को साझा किया। बीके लक्ष्मी ने राजयोग अभ्यास कराया। कार्यक्रम में पैनल डिस्कशन के माध्यम से अनेक विषयों पर चर्चा हुई। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के सदस्यों का सहयोग रहा।

समाचार

नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

गुरुग्राम। समाज के वंचित एवं प्रवासी बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लेंसबस ने आई लाईट ग्लोबल फाउण्डेशन के सहयोग से डीएलएफ फेस वन क्षेत्र में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने ने अपने नेत्रों की जांच कराई और उन्हें निशुल्क दवाईयां भी दी गई। संस्था के नवनीत ग्रोवर व प्रतिनिधि खरबंदा का कहना है कि शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रवासी परिवारों के बच्चों को नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और दृष्टि-संबंधी जागरूकता बढ़ाना था। शिविर में आए बच्चों के नेत्रों की जांच कर उन्हें नेत्र सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी गई और जिन बच्चों की नजर कमजोर पाई गई, उन्हें चश्मे दिए गए। उनका कहना है कि समाज के हर बच्चे तक बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना आवश्यक है। यह पहल सामुदायिक सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिन्दू जागो, घर, बेटी अस्तित्व बचाओ यात्रा का हुआ शुभारंभ

गुरुग्राम। हिंदू राष्ट्र के संकल्प को लेकर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री द्वारा जहां दिल्ली से लेकर वृंदावन तक पदयात्रा शुरू की हुई है, वहीं अब बेटियों के अस्तित्व को बचाने व हिंदूओं को जागृत करने के लिए श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी के शिष्य यति परमात्मानंद गिरी महाराज ने हरिद्वार के

मां गंगा के तट से यात्रा शुरू की है। यह यात्रा देवभूमि उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित एनसीआर क्षेत्र के गांव गांव तक जाएगी। नरसिंहानंद गिरी महाराज का कहना है कि सत्ता के लालच में देश की राजनीति अपना मार्ग भटक चुकी है। कुछ धर्मगुरुओं का भी ध्यान अब सनातन धर्म की रक्षा के संकल्प से भटक गया है। ऐसा लगता है कि सनातन धर्म और संपूर्ण मानवता का विनाश आ चुका है। यदि हिंदू जागृत नहीं हुआ तो उन्हें अनेक संकटों का सामना करना पड़ेगा। यति परमात्मानंद गिरी महाराज का कहना है कि वह एक लाख हिंदुओं को संकल्प दिलवाकर अपने गुरु के दर्शन करेंगे। इस अवसर पर श्रीमहंत यति रणसिंहानंद, यति अभयानंद, यति धमार्नंद, अनिल यादव, डॉ योगेंद्र योगी, बृजमोहन सिंह, मोहित बजरंगी, अंकुर जावला आदि मौजूद रहे।

लोकतंत्र और विरासत के संरक्षण के लिए निकाली जा रही है एक कदम गांधी के साथ पदयात्रा

गुरुग्राम। सद्भावना, संविधान, लोकतंत्र और विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से गांधीवादी संगठन सर्व सेवा संघ द्वारा वाराणसी से 2 अक्टूबर को शुरू की गई एक कदम गांधी के साथ पदयात्रा कानपुर देहात के सिकंदरा कस्बा क्षेत्र पहुंची, जहां पदयात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। यह पदयात्रा 26 नवंबर यानि कि संविधान दिवस को दिल्ली राजघाट पहुंचेगी। गुरुग्राम के गांधीवादी नेता सतीश मराठा का कहना है कि इस पदयात्रा में सर्व सेवा संघ, गांधीवादी संगठन और विभिन्न लोकतांत्रिक संगठन शामिल हैं। यह यात्रा देश की वर्तमान समस्याओं और चुनौतियों के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है। उनका कहना

है कि वर्ष 1960-61 में वाराणसी में 14 एकड़ भूमि पर बनाए गए गांधी आश्रम को यूपी सरकार व रेलवे विभाग द्वारा गैरकानूनी व तानाशाही के बल पर पुलिस बल की मौजूदगी में 22 जुलाई 2023 को कब्जा कर लिया गया और 12 अगस्त को बुलडोजरों की मदद से गिरा दिया गया था। सरकार की इस बर्बरतापूर्ण कार्यवाही के विरोध में यह पदयात्रा निकाली जा रही है।

गुरुग्राम पुलिस ने ऑटो में पकड़ा 20 किलो से अधिक अवैध गांजा

-पुलिस ने ऑटो रिक्शा सहित एक आरोपी को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम। स्थानीय पुलिस ने अवैध गांजे के साथ एक ऑटो सहित एक आरोपी को काबू किया है। अपराध शाखा फरुखनगर की टीम द्वारा सेक्टर-44/45 गुरुग्राम से आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान विमल कुमार (उम्र-44 वर्ष) निवासी गांव तरारई, जिला औरैया (उत्तर-प्रदेश) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार एक सीएनजी ऑटो को लेकर ड्राइवर जा रहा था। पुलिस ने उसे रुकवाकर तलाशी ली। इस दौरान खुलासा हुआ कि वह ऑटो चालक ऑटो में अवैध रूप से गांजा लेकर जा रहा है। आरोपी के कब्जा से सीएनजी ऑटो रिक्शा में रखा 20 किलो 700 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। उसके खिलाफ थाना सेक्टर गुरुग्राम में एनडीपीएस अधिनियम की सम्बन्धित धाराओं के तहत केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने रविवार को बताया कि आरोपी को अदालत में पेश करके तीन दिन के पुलिस हिरासत रिमांड पर लिया गया है। पुलिस हिरासत रिमांड के दौरान पूछताछ में खुलासा हुआ है कि उसने यह गांजा गुरुग्राम से किसी व्यक्ति से एक लाख रुपए में खरीदा था। मुनाफा कमाने के इरादे से गांजा को छोटी-छोटी मात्रा में बेच रहा था। इसी दौरान पुलिस ने उसे गांजा सहित काबू कर लिया।

P-05:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 9:39 PM Page 1

अमरोहा में 11 नवम्बर को होगी महिला जनसुनवाई

उत्तम भारत संवाददाता

अमरोहा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा. अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान 11 नवम्बर (मंगलवार) को विकास भवन सभागार, अमरोहा में महिला जनसुनवाई करेंगी।जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जानकारी दी कि आयोग द्वारा प्रदेशभर में महिलाओं के उत्पीड़न की रोकथाम, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने तथा आवेदिकाओं की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनपदवार जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद अमरोहा में भी यह कार्यक्रम आयोजित होगा। जनसुनवाई पूर्वान्ह 11:00 बजे से आरंभ होगी, जिसमें अध्यक्ष के साथ जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, महिला थाना प्रभारी एवं संबंधित क्षेत्राधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा प्रस्तुत नए प्रार्थना पत्रों की सुनवाई की जाएगी तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, चौहान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, अमरोहा में छात्राओं के साथ ÷शक्ति संवाद÷ कार्यक्रम में भी शामिल होंगी, जिसमें बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाएगा। जिला प्रशासन ने जनपद की महिलाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएँ एवं शिकायतें प्रस्तुत करें, जिससे उनका निस्तारण आयोग के माध्यम से कराया जा सके।

एकता, अखंडता और आत्मनिर्भरता का संदेश लेकर निकली यूनिटी मार्च

*** सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर हजारों लोगों ने लिया सहभाग**

उत्तम भारत संवाददाता

कोसीकलां। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष में रविवार को नगर में यूनिटी मार्च (पदयात्रा) का भव्य आयोजन किया गया। तिरंगे झंडों और देशभक्ति नारों के साथ निकली इस यात्रा में हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। एक भारत, आत्मनिर्भर भारत' की थीम पर आयोजित इस पदयात्रा का उद्देश्य देश में एकता, अखंडता और आत्मनिर्भरता के भाव को सुदृढ़ करना रहा। यात्रा का शुभारंभ बठैनगेट स्थित डॉ. अंबेडकर पार्क से हुआ, जो गांव हुलवाना स्थित शहीद रामवीर सिंह बैनीवाल पार्क तक निकाली गई।

आगामी राजनैतिक खींचतान के बीच, रविवार उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के नेतृत्व में भव्य 'राष्ट्रीय एकता यात्रा' निकाली गई। यह पदयात्रा सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित की गई, जिसमें हजारों की संख्या में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया यह यात्रापटेल की जयंती के बहाने निकाली गई इस यात्रा ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भाजपा छाता सीट पर अपनी मजबूत पकड़ बरकरार रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। अन्य वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस मजबूत भारत की नींव रखी, उसे सशक्त बनाना हर नागरिक का कर्तव्य है। कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, विधानसभा संयोजक धर्मवीर अग्रवाल, मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, भाजपा ओबीसी मोर्चा ब्रज प्रदेश संयोजक डॉ. अमर सिंह पौनिया तथा तरुण सेठ ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। मार्च में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, समाजसेवी संस्थाओं के सदस्य और स्कूली बच्चे शामिल हुए। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्र एकता के नारे लगाते हुए देशभक्ति का माहौल बना दिया। यात्रा के समापन पर शहीद रामवीर सिंह बैनीवाल पार्क में आयोजित सभा में वक्ताओं ने सरदार पटेल के अखंड भारत के सपने और राष्ट्र एकता के प्रति उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर, मथुरा में मनाया गया राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस

उत्तम भारत संवाददाता

मथुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय मथुरा के तत्वावधान में आज राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर, मथुरा में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेन्द्र प्रसाद, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा ने बालकिशोर अपचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 9 नवम्बर को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए निष्पक्ष, न्यायसंगत एवं सुलभ न्याय प्रक्रिया सुनिश्चित करना तथा विधिक जागरूकता बढ़ाना है। विशिष्ट अतिथि विकास कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी, मथुरा ने कहा कि भारत में प्रत्येक वर्ष 9 नवम्बर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। विनेश कुमार सनवाल, पी.एल.वी. एवं सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि ÷न्याय का अधिकार हर नागरिक का है और अब यह अधिकार आपके पास, बिना किसी शुल्क के !÷ उन्होंने कहा कि इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य समाज के कमजोर तबकों में विधिक जागरूकता फैलाना एवं उन्हें यह विश्वास दिलाना है कि प्रत्येक व्यक्ति निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकारी है। कार्यक्रम में उमा शंकर शर्मा, पी.एल.वी. ने बालकिशोर अपचारियों को उनके मौलिक अधिकारों एवं विधिक सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन दीपक गोस्वामी, पी.एल.वी. द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रभाकर सिंह, अधीक्षक, राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर मथुरा; राजेश वर्मा, अधीक्षक, राजकीय शिशु सदन, केओमकार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राजस्थान की भीलवाड़ा जेल में तैनात कांस्टेबल की गोली लगने से मौतः पुलिस

जयपुर। भीलवाड़ा जिला जेल में तैनात गोली लगने से एक पुलिस कांस्टेबल की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि जेल परिसर के अंदर वॉच टावर पर तैनात कांस्टेबल रामकिशोर मोडिवाल (37) ने शनिवार देर रात अपनी सर्विस राइफल से खुद को कथित तौर पर गोली मार ली। वह राजस्थान सशस्त्र बल (आरएसी) की 13वीं बटालियन के कांस्टेबल थे।

जेल अधीक्षक शैलेंद्र सिंह फौजदार ने कहा, 'अपनी पाली खत्म होने से ठीक पहले, उन्होंने अपनी सर्विस राइफल से सीने में गोली मार ली। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।'

पुलिस ने कहा कि घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटना का पता उस समय चला जब एक अन्य कांस्टेबल बाबूलाल उनकी जगह पर ड्यूटी पर आए और उन्हें खून से लथपथ पाकर तुरंत जेल प्रशासन को सूचित किया।

कोतवाली थाने और फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) की टीम घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। शव की वीडियोग्राफी की गई और बाद में पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल के शवगृह में रख दिया गया। रामकिशोर के बड़े भाई नानूराम ने रविवार सुबह कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें मौत को संदिग्ध बताया गया है।

जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए प्रचार का आज आखिरी दिन

हैदराबाद। तेलंगाना की जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर चुनाव प्रचार रविवार शाम पांच बजे समाप्त हो जाएगा।

मतदान 11 नवंबर को होना है और मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधायक मगंती गोपीनाथ का इस साल जून में दिल का दौरा पड़ने से निधन होने के कारण यह उपचुनाव आवश्यक हो गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दीपक रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारा है, जबकि गोपीनाथ की पत्नी सुनीता बीआरएस की उम्मीदवार हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस के उम्मीदवार नवीन यादव हैं, जिन्हें असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) का भी समर्थन प्राप्त है।

इस उपचुनाव का महत्व इस बात से देखा जा सकता है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी कई दिनों तक इस निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार कर रहे हैं, जो किसी मुख्यमंत्री के लिए उपचुनाव में ऐसा करने का अभूतपूर्व उदाहरण है।

न केवल मुख्यमंत्री बल्कि सत्तारूढ़ कांग्रेस ने भी अपने सभी मंत्रियों को चुनाव प्रचार में लगा दिया है।

केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार और के. टी. रामा राव सहित बीआरएस के वरिष्ठ नेता भी अपने पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में लगभग रोजाना निर्वाचन क्षेत्र में पदयात्रा, रोड शो और नुक्कड़ सभाएं कर रहे हैं।

प्रशासन ने मतदान वाले इलाकों में नौ नवंबर शाम छह बजे से मतदान वाले दिन शाम छह बजे तक शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि यह आदेश 14 नवंबर सुबह छह बजे से मतगणना की प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेगा।

जम्मू में आतंकवाद रोधी अभियान, कई जगहों पर छापेमारी जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी संगठनों के खिलाफ जारी कार्रवाई का जम्मू के विभिन्न इलाकों में विस्तार करते हुए पाकिस्तान से सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों एवं उनके 'ओवरग्राउंड वर्कर्स' (ओजीडब्ल्यू) को निशाना बनाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

कश्मीर के संदर्भ में ओजीडब्ल्यू का मतलब उन व्यक्तियों से है जो आतंकवादियों को साजो-सामान उपलब्ध कराते हैं एवं उन्हें गुप्त गतिविधियां चलाने में मदद करते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि रामबन, कठुआ और राजौरी जिलों में कई जगहों पर व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी है।

जम्मू के डोडा जिले में बड़े पैमाने पर जारी आतंकवाद-रोधी अभियान के बीच शनिवार को कई संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। यह खुफिया जानकारी मिलने के बाद तलाश अभियान तेज कर दिया गया कि ऊंचाई वाले इलाकों में सक्रिय आतंकवादी सर्दियों के लिए मैदानी इलाकों में सुरक्षित ठिकानों की खोज कर रहे हैं।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने एवं शांति बनाए रखने के लिए अपने प्रयास जारी रखे हैं तथा रामबन जिले के बनिहाल एवं गूल इलाकों में कई स्थानों पर व्यापक घेराबंदी और तलाश अभियान चलाया है।

प्रवक्ता ने बताया कि यह अभियान रामबन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अरुण गुप्ता की निगरानी में सुव्यवस्थित तरीके से चलाया गया और इसका उद्देश्य पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों के रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों के इतिहास की पुष्टि करना और संवेदनशील क्षेत्रों के आसपास सुरक्षा कड़ी करना है।

उन्होंने बताया कि अभियानों के दौरान पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर स्थित आतंकवादियों के रिश्तेदारों एवं ज्ञात सहयोगियों और ओजीडब्ल्यू के घरों की तलाशी ली गई।

प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस दलों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई परिसरों की गहन तलाशी ली कि कोई राष्ट्र-विरोधी या गैरकानूनी गतिविधियां संचालित तो नहीं हो रही हैं।

उन्होंने बताया कि पुलिस, सेना, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और एसओजी (विशेष अभियान समूह) इकाइयों के संयुक्त दलों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट के साथ मिलकर जिले के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में अभियान चलाया।

प्रवक्ता ने बताया कि ये अभियान आम जनता को किसी भी तरह की असुविधा पहुंचाए बिना, संगठित तरीके से चलाये गये।

उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए जारी निवारक और खुफिया-आधारित कदमों का हिस्सा हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस हर राष्ट्र-विरोधी नेटवर्क को बेअसर करने और सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आम जनता से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने और अपने क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों या व्यक्तियों के बारे में हर महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने का अनुरोध किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ और राजौरी जिलों में भी इसी तरह के तलाशी अभियान जारी है।

चेन्नई मेट्रो ने प्रतिरोपण के लिए 21 मिनट में पहुंचाए फेफड़े

चेन्नई। चेन्नई मेट्रो ने एक जीवन रक्षक अंग मीनाम्बक्कम मेट्रो स्टेशन से एजी-डीएमएस मेट्रो स्टेशन तक 21 मिनट में पहुंचाया। चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड ने यह जानकारी दी।

चेन्नई मेट्रो ने एक बयान में कहा कि आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) के दिशानिर्देशों के अनुसार मेट्रो रेलवे (कैरिज और टिकट) संशोधन नियम, 2023 में हाल में किए गए संशोधनों के कारण यह संभव हो पाया है।

बयान में कहा गया है कि अंग पहुंचाने वाली टीम बेंगलुरु से एयर एम्बुलेंस द्वारा चेन्नई हवाई अड्डे पहुंची और आठ नवंबर को दोपहर दो बजकर सात मिनट पर मीनाम्बक्कम मेट्रो स्टेशन पहुंची।

चेन्नई मेट्रो के बयान में कहा गया है, ''चेन्नई मेट्रो रेल अधिकारियों और स्टेशन कर्मचारियों के सहयोग और समन्वय से, टीम मेट्रो ट्रेन में सवार हुई और सात स्टेशन को पार करते हुए दोपहर दो बजकर 28 मिनट पर एजी-डीएमएस मेट्रो स्टेशन सुरक्षित रूप से पहुंच गई।''

इसमें कहा गया है कि मेडिकल टीम तुरंत एम्बुलेंस से ग्रीम्स रोड स्थित अपोलो अस्पताल रवाना हो गई, जहां फेफड़े के प्रतिरोपण की प्रक्रिया होनी थी।

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि केंद्र सरकार की 'एक राष्ट्र एक अंग' नीति ने प्रतिरोपण के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक अंगों को साझा करना संभव बनाया है।

सुंदरराजन ने मानव अंग ऊतक परिवहन अधिनियम (टीओटीए), 1994 के दायरे में राज्य की सीमाओं के पार अंगों को साझा करना संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और तमिलनाडु एवं कर्नाटक के चिकित्सकों को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए बधाई दी।

एसपी देहात ने सनातन हिंदू एकता पदयात्रा के विश्राम स्थल का लिया जायजा

उत्तम भारत संवाददाता

छाता। पंडित धीरेंद्र शास्त्री की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा का विश्राम 14 नवंबर को छाता में राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गुप्ता रेजिडेंसी पर होगा। इसे लेकर एसपी देहात ने विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

एसपी देहात सुरेश चंद रावत ने वेकमैट कंपनी के समाने होने वाली दोपहर की भोजन व्यवस्था और गुप्ता रेजिडेंसी ठहराव व्यवस्था के साथ भोजन के लिए खुदी गई भट्टियों, पर्याप्त ईंधन, जल, विश्राम आदि के साथ महिलाओ की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि जो व्यवस्थाएं अपूर्ण है, उन्हे जल्दी पूर्ण की जाए। कही भी किसी भी प्रकार की कोई कमी न रहे। उप जिलाधिकारी वैभव गुप्ता ने कहा कि प्रशासन की तरफ से हर संभव सहयोग भक्तों के लिए किया जा रहा है जहां जैसी जरूरत है वहां वैसे इंतजाम किए जा रहे हैं। इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकार भूषण वर्मा, कोतवाली प्रभारी कमलेश सिंह, कस्बा इंचार्ज राहुल चौधरी, यात्रा प्रभारी रवि द्विवेदी, सतीश जादौन, नंदकिशोर कुमार, रामवीर डॉक्टर आदि व्यवस्था में जुटे हुए हैं।

सैन्य अभ्यास के दौरान मिसाइल का टुकड़ा गांव के पास गिरा, कोई हताहत नहीं

जयपुर। पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में नियमित सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान मिसाइल का टुकड़ा रेंज की सीमा से बाहर एक गांव के पास जा गिरा। अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान होने की कोई खबर नहीं मिली है।

सैन्य सूत्रों के अनुसार घटना राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित रेंज में उस समय हुई जब सैन्य अभ्यास के दौरान दागी गई एक मिसाइल कथित तौर पर अपने निर्धारित लक्ष्य से भटक गई और जैसलमेर के लाठी इलाके के पास भादरिया गांव से लगभग 500 मीटर दूर जा गिरी।

मिसाइल का टुकड़ा गिरने पर जोरदार धमाका हुआ जिसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई। लाठी के थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने कहा, 'यह फील्ड फायरिंग रेंज में ही गिरी। नियमित अभ्यास के दौरान यह घटना हुई।'

घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस के साथ सेना और वायुसेना की टीम घटनास्थल पर पहुंचीं और इलाके की घेराबंदी कर दी।

अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल के टुकड़े बरामद कर फायरिंग रेंज में ले जाए गए हैं।

शोधार्थी के खिलाफ जातिवादी टिप्पणी करने के आरोप में केरल विश्वविद्यालय की प्रोफेसर पर मामला दर्ज

तिरुवनंतपुरम। केरल विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग की प्रमुख पर एक शोधार्थी के खिलाफ जातिवादी टिप्पणी करने और उसकी थीसिस पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

श्रीकार्यम पुलिस ने विश्वविद्यालय के करियावट्टोम परिसर में संस्कृत विभाग की प्रमुख और प्राच्य अध्ययन संकाय की डीन सी.एन. विजयकुमारी के खिलाफ मामला दर्ज किया। यह मामला वंचियूर निवासी और विभाग के शोधार्थी विपिन विजयन की शिकायत पर दर्ज किया गया।

शनिवार देर रात दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, विजयकुमारी ने 15 अक्टूबर को विजयन की मौखिक परीक्षा के बाद उनकी थीसिस पर हस्ताक्षर करने से कथित तौर पर इनकार कर दिया था।

प्राथमिकी में कहा गया है कि बाद में जब विजयन ने विजयकुमारी से दोबारा संपर्क कर हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया ताकि उनकी पीएचडी प्रक्रिया पूरी हो सके तो आरोपी ने अन्य शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति में कथित तौर पर जातिवादी टिप्पणी की। इसमें कहा गया है कि शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब विजयन ने 2015 में विजयकुमारी के निरीक्षण में करियावट्टोम परिसर में एम.फिल. की पढ़ाई शुरू की थी वह तभी से इसी प्रकार की जाति-आधारित टिप्पणियां कर रही हैं।

प्राथमिकी में कहा गया है कि विजयकुमारी ने शिकायतकर्ता से कथित तौर पर कहा था कि निचली जातियों के लोग संस्कृत नहीं सीख सकते और इन लोगों के उनके कमरे में आने पर वह उसे पानी से साफ करेंगी।

पुलिस ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(आर) और 3(1)(एस) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह धारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के किसी सदस्य को सार्वजनिक रूप से जानबूझकर जातिसूचक नाम लेकर अपमानित करने और अपशब्द कहने के अपराध से संबंधित है।

अधिकारियों ने बताया कि ये अपराध गैर-जमानती हैं और प्रोफेसर की गिरफ्तारी पर फैसला लेने से पहले विस्तृत जांच की जाएगी।

विजयकुमारी ने किसी भी प्रकार की जातिवादी टिप्पणी करने से इनकार किया है और दावा किया है कि उन्होंने थीसिस पर हस्ताक्षर करने से इसलिए इनकार कर दिया था क्योंकि शोधकर्ता को संस्कृत का पर्याप्त ज्ञान नहीं था और उनके काम में कई खामियां थीं।

सुरीर पुलिस ने पकड़ा अवैध तमंचा सहित शातिर

उत्तम भारत संवाददाता

मथुरा। थाना सुरीर पुलिस एक आरोपित के कब्जे से अवैध तमंचा व 2 जिन्दा कारतूस बरामद करते हुए उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है।

थाना प्रभारी सुरीर अजय कुमार ने रविवार पूर्वान्ह कराहरी नहर पुल से करीब 100 मीटर हरनोल की ओर थाना सुरीर मथुरा से योगेश पुत्र ऊदल निवासी ग्राम ढोकलावास थाना सुरीर मथुरा उम्र करीब 33 वर्ष को एक अवैध तमंचा व 02 जिन्दा कारतूस .315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त उपरोक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना सुरीर पर मु0अ0सं0 280/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई ।

बीएसएफ महानिदेशक ने जम्मू मैराथन का नेतृत्व किया, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली ऐसी पहल

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने रविवार को हरी झंडी दिखाकर जम्मू मैराथन की शुरुआत की। यह आयोजन 'ऑपेरशन सिंदूर' के बाद बल द्वारा किया जाने वाला पहला बड़ा सार्वजनिक आयोजन बन गया है।

सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बीएसएफ जम्मू फ्रंटियर द्वारा इस मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों, सुरक्षा कर्मियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में शारीरिक फिटनेस और नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देना है।

बीएसएफ के अनुसार, देश भर से 6,000 से अधिक लोगों ने इस मैराथन के लिए अलग-अलग श्रेणियों की दौड़ में पंजीकरण कराया जिसमें 42 किलोमीटर, 21 किमी और 10 किमी की दौड़ के अलावा पांच किमी की दौड़ भी शामिल है। कुछ विदेशियों ने भी मैराथन में हिस्सा लिया है।

बीएसएफ के महानिदेशक ने संवाददाताओं को बताया, 'यह पहली बार है कि बीएसएफ शारीरिक फिटनेस और नशामुक्त भारत को बढ़ावा देने के लिए जम्मू में मैराथन का आयोजन कर रहा है। जब हम फिटनेस के प्रति जागरूक होते हैं तो स्वाभाविक रूप से इसका हमारे राष्ट्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रधानमंत्री की 'फिट इंडिया' (स्वस्थ भारत) पहल तभी पूरी होगी जब हर नागरिक एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाएगा'।

'ऑपरेशन सिंदूर' में बीएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन की व्यापक रूप से सराहना की गई जिसके कारण जनता का सेना के प्रति विश्वास मजबूत हुआ।

उन्होंने कहा, 'कई युवा बीएसएफ में शामिल हो रहे हैं और यह सफल मैराथन छोटा लेकिन सार्थक उदाहरण है कि कैसे यह बल देश को नशामुक्त बनाने के अपने मिशन में जनता से जुड़ा हुआ है।'

बीएसएफ प्रमुख ने कहा कि सेना में शामिल होने के लिए नागरिकों की बढ़ती रुचि बल में बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'हम और भी अधिक समर्पण और जोश के साथ देश की सुरक्षा करते रहेंगे।'

केन्या के कई धावक भी मैराथन में शामिल हुए, उन्हें इस जगह पर यात्रा करने का अवसर प्रदान करने के लिए भी उन्होंने बीएसएफ की सराहना की।

एक प्रतिभागी ने कहा, 'मैं उत्साहित हूं क्योंकि यह बीएसएफ की यह एक अच्छी पहल हैज यह जम्मू की मेरी पहली यात्रा है और मौसम अच्छा है, माहौल शांतिपूर्ण है और सब कुछ ठीक है।'

संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज में वक्ताओं ने दिया बहुमूल्य ज्ञान

उत्तम भारत संवाददाता

मथुरा। संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल द्वारा संतोष मैमोरियल आडिटोरियम में 'चिकित्सा में अंतःविषय प्रशिक्षणः आवश्यकता और व्यवहार्यता' विषय को लेकर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आए वक्ताओं ने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा वितरण में अंतःविषय सहयोग और एकीकृत दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला और चिकित्सा क्षेत्र में व्यापक रोगी देखभाल और नवाचार सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न चिकित्सा विषयों के संयोजन की व्यवहार्यता और आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्वागत भाषण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एमबी चेट्टी ने उत्साहवर्धक और उत्साहपूर्ण शब्दों में कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सहायक प्राध्यापक डॉ. आकांक्षा ने कार्यक्रम के सभी गणमान्य अतिथियों का संक्षिप्त परिचय दिया। मुख्य अतिथि, आईपीएस (सेवानिवृत्त), अनुप्रयुक्त विधि के प्रकांड विद्वान डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने अंतःविषय चिकित्सा पद्धति के नैतिक और कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डाला और स्वास्थ्य सेवा में अनुप्रयुक्त कानून के महत्व पर बल दिया। विशिष्ट वक्ता, पद्मश्री पुरस्कार विजेता, पूर्व निदेशक और सीईओ, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान, डॉ. राजेश कुमार ग्रोवर ने चिकित्सा विज्ञान के उभरते परिदृश्य और बेहतर स्वास्थ्य सेवा परिणामों के लिए आयुर्वेदिक और आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के एकीकरण की आवश्यकता पर एक गहन व्याख्यान दिया। आयुर्वेद के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों और छात्रों ने इसके बाद हुई संवादात्मक चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कोई राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं, संगमेश्वर मंदिर का राजस्व बढ़ाः तमिलनाडु हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग

चेन्नई। तमिलनाडु हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने इरोड जिले के भवानी स्थित संगमेश्वर मंदिर के प्रशासन में किसी भी तरह के राजनीतिक हस्तक्षेप से रविवार को इनकार करते हुए कहा कि दुकानों की पारदर्शी नीलामी की गई जिससे मंदिर को अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है।

भवानी नगर में कावेरी, भवानी और रहस्यमयी अमुधा नदियों के संगम पर स्थित इस मंदिर का प्रबंधन हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग (एचआर एवं सीई) द्वारा किया जाता है और यहां साल भर हजारों श्रद्धालु आते हैं।

हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने कुछ वर्गों द्वारा लगाए गए मंदिर की दुकानों की नीलामी में अनियमितताओं के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, ''मंदिर को बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के दुकानों की पारदर्शी नीलामी के माध्यम से पिछले वर्ष की तुलना में अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। नीलामी के कारण मंदिर को राजस्व का कोई नुकसान नहीं हुआ है।''

मंदिर के सहायक आयुक्त/कार्यकारी अधिकारी ने यहां एक बयान में कहा कि ये आरोप ''राजनीतिक और गुप्त उद्देश्यों से लगाए गए हैं तथा ये झूठे हैं।''

अस्थायी रूप से बनाई गई दुकानों की सार्वजनिक नीलामी से मंदिर को राजस्व का नुकसान होने के आरोप का खंडन करते हुए अधिकारी ने कहा कि भवानी अरुलमिगु संगमेश्वर मंदिर में 4,950 वर्ग फुट की जमीन अस्थायी दुकानें बनाने के बाद नीलाम की गई।

कुल क्षेत्रफल में से 1,800 वर्ग फुट भूमि को पार्किंग स्थल के रूप में उपयोग करने की अनुमति दी गई और 3,150 वर्ग फुट भूमि को अस्थायी दुकानें बनाने के लिए आवंटित किया गया।

अधिकारी ने बताया कि इस आशय का एक प्रस्ताव मंदिर न्यासी मंडल द्वारा पारित किया गया।

कोलकाता में सीईएससी ट्रांसफार्मर में आग लगी

कोलकाता। कोलकाता के चांदनी चौक इलाके में रविवार सुबह सीईएससी (कलकत्ता इलेक्ट्रिक सप्लाई कॉर्पोरेशन) के एक ट्रांसफार्मर में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 100 केवीए ट्रांसफार्मर में सुबह करीब 7.45 बजे आग लगी। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की चार गाड़ियां मौके पर भेजी गईं।

झारखंड के पलामू में 'झूठे' मामले में व्यक्ति को गिरफ्तार करने के आरोप में पुलिस अधिकारी निलंबित

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू जिले में एक व्यक्ति को ÷झूठे मामले÷ में गिरफ्तार करने के आरोप में पुलिस के एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि मनातू थाने के उप-निरीक्षक अनिश राज को ÷कर्तव्य में लापरवाही बरतने, मनमानी करने और अनुशासनहीनता÷ के कारण निलंबित किया गया है।

एसपी रीष्मा रमेशन ने कहा, ÷पर्याप्त और ठोस साक्ष्य एकत्र किए बिना, उप-निरीक्षक ने 13 सितंबर को व्यक्ति को जल्दबाजी में गिरफ्तार कर लिया था।÷

उन्होंने कहा कि 21 सितंबर को लेस्लीगंज के एसडीपीओ मनोज कुमार झा ने अपनी निगरानी रिपोर्ट में इसे ÷झूठा÷ मामला बताया था।

P-06:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 6:25 PM Page 1

सम्पादकीय

बिहार चुनाव सीटों पर एक नजर

बिहार चुनाव में बीजेपी और जेडीयू 243 विधान सभा में आपस में 101 सीट में लड़ना ही नीतीश कुमार के विजय का पथ बन चुका था 6 नवंबर के दिन हुए मतदान में जेडीयू को सबसे ज्यादा सीट मिलने की संभावना है तो एनडीए में 101 सीट पर लड़ रही बीजेपी की सरकार कैसे बनेगी सीट तो सभी लेना चाह रहें हैं लेकिन जीत कितने पर होगी ऐ एक प्रश्न चिंह है एन डी ए को मिलकर नीतीश कुमार को खुशी मन से मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान करना चाहिए था यही गलती बीजे पीं से हुई जिसका फायदा जे डी यू व महागठबंधन को मिलता दिख रहा है जब भी यदि केंद्र में अपने दम पर बहुमत ना हो तो घटक दल को साथ लेकर चलना चाहिए यदि बीजेपीं को नीतीश कुमार को इस चुनाव में मुख्य मंत्री का उम्मीदवार नहीं ही घोषित करना था तो सभी सीट पर लड़ना चाहिए और अपने ही ओर से मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान करना चाहिए रिकॉर्ड मतदान ऐ दिखाता है कि सभी ने नीतीश कुमार के पक्ष में ज्यादा मतदान किए हैं नहीं भरोसा है तो 14 नवंबर के दिन मतगणना में देख लीजियेगा कि कौन सरकार बना सकती है जेडीयू सबसे बड़े दल के रूप में आएगी उधर महागठबंधन में भी आपस में सीटों में खींचातानी चल रही है जिससे आरजेडी भी आसंजस में है आरजेडी में चुनाव को तेजस्वी को लेकर परिवार के अंदर ही बगाबत हो गई और तेज प्रताप यादव जो उनके भाई हैं एक अलग ही पार्टी बना ली इन सब के बीच जनसुराज पार्टी चुनाव प्रचार में पार्टियों के मंत्री पड्ड आरोप लगा रहें हैं लेकिन जब मालूम था ऐ क्राइम किया है तो अभी चुनाव में क्यों बता रहें है पहले बताना चाहिए और खुद पहले अपने को भी देखना चाहिए एक कहावत है बुरा बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥ यह संत कबीर दास का एक प्रसिद्ध दोहा है जिसका अर्थ है कि जब मैं दुनिया में दूसरों की बुराई खोजने चला, तो कोई बुरा व्यक्ति नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने अंदर झाँका और अपने मन को टटोला, तो मुझे पता चला कि मुझसे बुरा कोई नहीं है अतः पहले खुद को भी देखना चाहिए बिहार में माफियाओ के बल पर आज भी सरकार बनती है ऐ किसी से छिपा नहीं है और बिहार में सत्ता में रहने के लाठी का दबदबा भी चाहिए नहीं तो कोई भी पार्टी को तोड़ कर इधर से उधर चला जायेगा प्रशांत किशोर जी को चाहिए आरोप या प्रत्यारोप से बच कर जनता के लिए कुछ करना चाहिए गलत गलत ही होता है जब यहाँ से सजा नहीं मिलता तो ऊपरवाला छोड़ नहीं देगा समय का इंतजार करिये अभी राज खोलने से जनता के बीच में ऐ संदेश जाता है कि पहले इतना दिन से कहाँ थे और अभी चुनाव के बीच करने का मतलब है सत्ता पाना जो कुछ ही सीट 3-4 से ज्यादा नहीं मिलने वाली है चुनाव जितने के लिए काम करना होता है और जब काम करेंगे और जनता जरूर जीता देगी और जब जीत कर सरकार बन जाएगी तो जाँच करा देना अतः इन सब के राज खोलने से जनता को मिलेगा क्या? जनता की सेवा करो और किसी के व्यक्तिगत आरोप से बचना चाहिए जब हम दूसरों में दोष ढूंढने निकलते हैं, तो हमें बहुत सारे लोग बुरे लग सकते हैं, लेकिन यह एक ऊपरी और भ्रामक सोच है इससे जनता को क्या मिलेगा फैसला तो अदालत में होता है।

विशेष

एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस दक्षिण भारत की गति व आधुनिकता का अध्याय

-विनोद कुमार सिंह-

दक्षिण भारत के लिए 8 नवंबर 2025 का दिन ऐतिहासिक बन जायेगा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जब एक साथ चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का उद्घाटन करेंगे। इन्हीं चार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में से एक है- एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, जो केरल और कर्नाटक के बीच आधुनिकता, गति और सुविधा का सेतु बनकर उभरी है। यह न केवल एक परिवहन परियोजना है, बल्कि नया भारत, तेज भारत की भावना का सशक्त प्रतीक है। आज का यह दिन दक्षिण भारत के यात्रियों को एक शानदार सौगात स्वरूप मिलेगी। केरल की सांस्कृतिक राजधानी एनार्कुलम को कर्नाटक की तकनीकी राजधानी बेंगलुरु से जोड़ने वाली यह वंदे भारत ट्रेन अब दोनों राज्यों के बीच यात्रा को तेज, सुरक्षित और आरामदायक बना चुकी है। यह ट्रेन कुल 8 घंटे 40 मिनट में लगभग 575 किलोमीटर की दूरी तय करती है-जो पहले सामान्य एक्सप्रेस ट्रेनों से लगभग 2 घंटे कम है। इस ट्रेन के शुरू होने से न केवल दोनों राज्यों के बीच संपर्क मजबूत होगा बल्कि व्यापार, पर्यटन और सामाजिक रिश्तों को भी एक नई गति मिलेगी। एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस प्रतिदिन दोनों दिशाओं में चलेगी। इस तरह यात्रियों को वन डे ट्रिप का लाभ मिलता है - एक ही दिन में आना-जाना संभव है, जिससे व्यापारिक यात्राओं और छोटी पारिवारिक यात्राओं में भारी सुविधा मिलती है। यह वंदे भारत एक्सप्रेस सात प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी-कोयंबटूर, तिरुपुर, इरोड, सलेम, पालक्काड, थ्रिस्सूर और अंत में एनार्कुलम। सर्वविदित रहे ये सभी स्टेशन न केवल औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं बल्कि सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से दक्षिण भारत की धड़कन हैं। यह सलेम और इरोड -कृषि और लघु उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है। वंदे भारत ट्रेन के संचालन से इन शहरों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई दिशा मिलेगी। छोटे और मध्यम उद्योगों के उत्पाद अब तेजी से बाजार तक पहुँच पाएंगे। एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस में भारतीय रेल की नवीनतम तकनीक का समावेश किया गया है। वंदे भारत ट्रेन में यात्रियों को आराम दायक सीटें जो लंबी यात्रा को थकानरहित बनाती हैं। इसमें स्वचालित दरवाजे और जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली-बायो-वैक्यूमशौचालय- स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण है। इन सभी विशेषताओं के साथ यह ट्रेन पारंपरिक एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में अधिक कुशल, सुरक्षित और समयनिष्ठ बन चुकी है। एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह भारतीय तकनीक और इंजीनियरिंग से निर्मित है। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री(आई सी एफ)में इस ट्रेन का निर्माण हुआ है, जो मेक इन इंडियाऔर आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करती है। वंदे भारत ट्रेन का यह संस्करण अधिक ऊर्जा-सक्षम है। पर्यावरण-अनुकूल और रखरखाव में सस्ता है। इसका एरोडायनामिक डिजाइन गति और स्थिरता दोनों को संतुलित करता है। केरल के हरित सौंदर्य और कर्नाटक की आधुनिकता को जोड़ने वाली यह ट्रेन दक्षिण भारत के पर्यटन मानचित्र में नया अध्याय जोड़ रही है। भारत की आईटी राजधानी, जहाँ हर वर्ष लाखों पेशेवर और पर्यटक पहुँचते हैं। इस ट्रेन के माध्यम से पर्यटकों को अब कम समय में इन शहरों के बीच यात्रा का अवसर मिलेगा। धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक यात्राएँ अधिक सुलभ होंगी। बेंगलुरु के आईटी सेक्टर, कोयंबटूर के टेक्सटाइल उद्योग और एनार्कुलम के पोर्ट-आधारित व्यापार को अब एक तेज, सटीक और समयबद्ध परिवहन माध्यम मिल गया है। यह ट्रेन छोटे और मध्यम व्यापारियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी। ट्रांसपोर्ट की लागत कम होगी और व्यापारिक नेटवर्क मजबूत बनेगा। रेल मंत्रालय का उद्देश्य है कि वंदे भारत जैसी हाई-टेक ट्रेनों के माध्यम से देश के सभी प्रमुख शहरों को जोड़ा जाए। इससे यात्रा का समय घटेगा, ऊर्जा की खपत कम होगी और यात्रियों का अनुभव विश्वस्तरीय बनेगा। अब तक देश में 80 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, जिनमें से कई दक्षिण भारत में भी हैं। एनार्कुलम-बेंगलुरु मार्ग पर इस नई ट्रेन के जुड़ने से दक्षिण भारत में वंदे भारत नेटवर्क और भी सशक्त हो गया है। आधुनिक भारत की प्रगति की पटरियों पर -एनार्कुलम- बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस सिर्फ एक ट्रेन नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता और विकास यात्रा का जीवंत प्रतीक है। यह यात्रा को तेज ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और आनंददायक बनाती है।

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली: मौतों का भयावह यथार्थ

-ललित गर्ग-

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14, 000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ सफलता का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को प्रदर्शन की प्रतियोगिता बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है।

एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया। आज की शिक्षा बच्चों को केवल जानकार बना रही है, ज्ञानी नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा प्रतियोगिता का उद्योग पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं। साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में होलिस्टिक लर्निंग, जॉयफुल एजुकेशन, रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निदेशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे।

शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है? महात्मा गांधी ने कहा था-शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे। परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि तनाव से कैसे निपटें, असफलता को कैसे स्वीकारें या भावनाओं को कैसे व्यक्त करें। जिन्हें हम टॉपर कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी।

देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता। यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं? शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण पराजय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-सच्ची शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे। समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तित्व महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता नहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14, 000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निस्संदेह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

दो टूक : रेल सुरक्षा: सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम?

-योगेश कुमार गोयल-

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी ह्यघोषणापत्रह्ण सरीखा बनाकर रख दिया है। बिलासपुर के लालखदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी कागज पर कवच से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं।

बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, दोषियों पर कार्रवाई होगी, मुआवजा दिया जाएगा, जांच समिति गठित की गई है, और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल ह्यप्रतिक्रिया देने वाला तंत्रह्ण बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है? भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं।

इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से ह्यकवचह्ण सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।

यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटनां के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या वंदे भारत उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है।

भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50, 000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1, 548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50, 000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनिश्चित कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी।

बहरहाल, अब समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां हादसे के बाद कार्रवाई ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनिश्चित करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं, असंवेदनशीलता की प्रतीक बनी रहेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

अंग्रेजो के दौर के भूमि कानूनों की वजह केस बढ़ने से सुप्रीम ने दिए निर्देश

-कांतिलाल मांडोत-

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी करते हुए विधि आयोग से अध्ययन कर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। देश मे अंग्रेजो के जमाने के भूमि कानून आज के समय मे अपेक्षा मुजब ठीक नही है। अदालत ने केस की जिरह पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सम्पति खरीदना आघात जैसा है। आज कोई भी व्यक्ति पुष्तैनी जमीन मालिक पर अपना हक अदा कर सकता है। गांवो में दबंगों द्वारा अक्सर ऐसी घटना प्रकाश में आती है कि जूठी चिट्ठी बनाकर उस पर एक दो दबंगो के हस्ताक्षर कराकर जमीन का मालिकाना हक अदा करने जैसे मामले सामने आ रहे है। कोर्ट में ब्लोकचेन आधारित भूमि स्वामित्व प्रणाली विकसित करने के लिए जोर दिया। कोर्ट ने संस्थागत सुधार की भी जरूरत पर जोर दिया। देश मे अंग्रेजो द्वारा बनाया गया तीन सौ वर्ष पुराना कानून की समीक्षा कर विधि आयोग ऐसे घटिया कानूनों को बंद कर भूमि कानूनों में सरलीकरण और भूमाफियागिरी पर सरकार सख्त रवैया अपनाने पर चर्चा करने की जरुरत है। कोर्ट ने कहा कि 66 प्रतिशत विवाद सम्पत्ति से जुड़े है। भारी मात्रा में भूमि विवादों के लिए मौजूदा सिस्टम मुख्य जिम्मेदार बताते हुए विधि मंत्रालय को अध्ययन करने का निर्देशन दिया। देश मे गांवो में सम्पति को लेकर परिवार में झगड़े होते है। उसमें एक दो की जान भी चली जाती है। यह हम देख रहे है। कोर्ट ने कहा कि पुराना कानूनी ढांचा उपेक्षित करने वाला है। क्योंकि दस्तावेज, अतिक्रमण, बिचौलियों की भूमिका आदि असमय चिंता बढ़ाने वाले है। कानूनों में बदलाव करने की जरुरत है। आज अनेक सम्भावना से मुह मोड़ने का समय नही है। सरकार ने डिजिटल इंडिया, लैंड रिकार्ड मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम के अच्छे कार्यो की समीक्षा की गई। भारत में भू-अचल सम्पत्ति का कारोबार तथा उसके कानूनी अभिलेख आदि वर्षों से विवादों, मुकदमों और अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं। हालाँकि कई आधुनिक सुधार हुए हैं, फिर भी एक बड़ी चुनौती यह है कि अधिकांश कानून अभी भी ब्रिटिश राज के समय में बने हैं। इस पृष्ठभूमि में 7 नवंबर 2025 को एससी ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है जिसमें इन पुराने ढर्रे के कानूनों की अक्षमता पर प्रकाश डाला गया है तथा सम्पत्ति पंजीकरण प्रणाली में आधुनिक टेक्नोलॉजी की उपयोगिता जरूरी बताया। विशेष रूप से ब्लॉकचेन को अपनाने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने नोट किया है कि देश की संपत्ति लेन-देन व्यवस्था अभी भी लगभग एक शताब्दी पुराने ब्रिटिश-कालीन कानूनों पर आधारित है। उन कानूनों का स्वरुप, प्रक्रियाएँ एवं अवधारणाएँ उस समय के सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी माहौल के अनुरूप थीं, लेकिन आज के डिजिटल, तेजी से बदलते और बड़े पैमाने के लेन-देनों के युग में वो पर्याप्त नहीं हैं।

अदालत ने कहा है कि पंजीकरण और स्वामित्व के बीच एक बड़ी समस्या है। उदाहरण के लिए, एक विक्रय-घोषणा को पंजीकृत करना यह नहीं सुनिश्चित करता कि विक्रेता के पास सचमुच उस संपत्ति का माकेर्टेबल टाइटल हो। पंजीकरण केवल उस दस्तावेज का सार्वजनिक अभिलेख बनाता है, लेकिन स्वामित्व की पुष्टि नहीं करता। इसका परिणाम यह हुआ है कि संपत्ति खरीदने वाला व्यक्ति लंबे समय तक पुराने दस्तावेजों की श्रृंखला खंगालता है। कभी-कभी 30 साल से भी अधिक पुरानी लेन-देनों तक-यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई छुपा हुआ बंधक, दावा, एनकम्ब्रेंस न हो।

कोर्ट के संज्ञान में आया है कि अनुमानित रूप से कहा है कि सम्पत्ति विवाद भारत में लगभग 66 % नागरिक दीवानी मुकदमों का हिस्सा हैं। यह स्थिति सिर्फ व्यक्तिगत स्तर पर नहीं प्रतिकूल है बल्कि न्यायपालिका, पंजीकरण अधिकारी, संपत्ति खंड तथा निवेश माहौल के लिए भी बोझ बन रही है। संपत्ति लेन-देनों में अक्सर नकली दस्तावेज, गलत पंजीकरण, संदिग्ध वृद्धि आदि की शिकायतें आई हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पुराने ढांचे में मध्यस्थों की भूमिका, देरी, जटिलता और पारदर्शिता की कमी प्रमुख कमजोरियाँ हैं। कोर्ट ने कहा है कि जमाना बदला है। पंजीकरण-प्रणाली को भी बदलना होगा। व्यवहार में इसे सम्पत्ति क्रय आसान नहीं, बल्कि जैसाकि लोग कह रहे हैं ट्रॉमेटिक कहा गया है। विशेष रूप से, एससी ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को कहा है कि ब्लॉकचेन-प्रौद्योगिकी को अपनाया जाए ताकि पंजीक

P-07:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 6:28 PM Page 1

श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा से निकाली गई शोभा यात्रा

उत्तम भारत संवाददाता

चांदपुर। श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा द्वारा हर साल की भांति साल भी श्री गुरु नानक के 556 वें प्रकाश उत्सव पर धनौरा रोड स्थित गुरुद्वारे में भजन कीर्तन किया गया। और इसके पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया। सिख समाज और नगर के समस्त जनता द्वारा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया गया।

बाद में गुरुद्वारा में सिख समाज के लोगों द्वारा गुरु नानक के 5 56 वे प्रकाश उत्सव पर एक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा गुरुद्वारे से प्रारंभ होकर मंडी कोटला में बाजार ढाली बाजार शंकर मूर्ति बाजार बजरिया होते हुए बिजनौर बाईपास से सिलाना रोड होते हुए गुरुद्वारा पर आकर संपन्न हुई। इस शोभा यात्रा में विभिन्न प्रकार के बंद और कई प्रकार की झांकियां को सजाई गई और राजस्थानी ऊंटो पर छोटे-छोटे बच्चे सिख समाज के शोभा यात्रा के प्रारंभ में चल रहे थे।

शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण सिख समाज का अखाड़ा जिसमें अखाड़ा के कलाकारों द्वारा विभिन्न प्रकार की कलाओं का प्रदर्शन किया गया । शोभा यात्रा में विभिन्न प्रकार के डीजे द्वारा गुरु नानक वाणी को प्रस्तुत किया ।

सिख समाज की महिलाओं द्वारा गुरु नानक की झांकी के आगे अपने गुरु नानक के लिए स्वच्छ अभियान भी चलाया गया ।

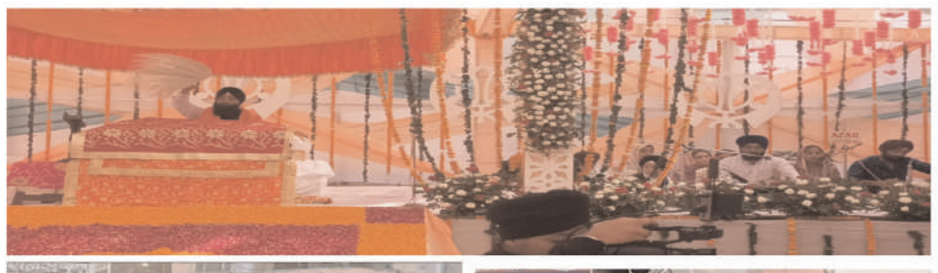

शोभा यात्रा का नगर के बाजार में कई जगह स्वागत किया गया और प्रसाद वितरण किया गया इस शोभा यात्रा में नगर के आसपास के क्षेत्र के सिख समाज की महिला और पुरुष अधिक संख्या में उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन सरदार अच्छन सिंह सरदार परविंदर सिंह रॉकी विक्की सिंह वह समस्त सिख समाज द्वारा अपना सहयोग दिया गया ।

क्षेत्राधिकारी ने कोतवाली परिसर का किया आकस्मिक निरीक्षण

उत्तम भारत संवाददाता

नहटौर। क्षेत्राधिकारी (सीओ) अभय कुमार पांडेय ने नहटौर थाना कोतवाली परिसर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने महिला हेल्प डेस्क कार्यालय का विशेष रूप से जायजा लिया और संबंधित महिला आरक्षी से महिलाओं से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान, सीओ ने महिलाओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनने और उनके तत्काल निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालय में दर्ज मुकदमों से संबंधित जानकारी भी ली और थानाध्यक्ष को आवश्यक निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, आयोजित समाधान दिवस पर जनमानस की समस्याएं सुनी गईं। सीओ ने

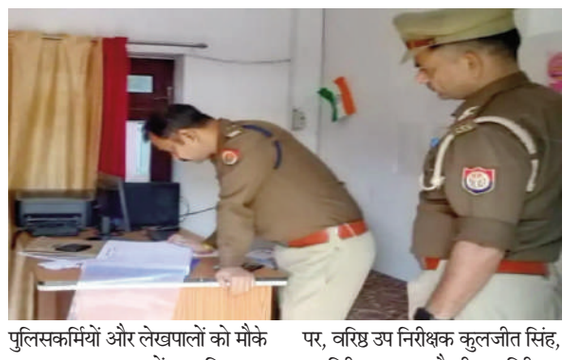

पुलिसकर्मियों और लेखपालों को मौके पर जाकर समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए। थानाध्यक्ष धीरज नागर ने बताया कि समाधान दिवस पर कुल चार शिकायतें प्राप्त हुई, जो सभी राजस्व विभाग से संबंधित थीं। इन शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित पुलिसकर्मियों और लेखपालों को मौके पर भेजा गया है। इस अवसर पर, वरिष्ठ उप निरीक्षक कुलजीत सिंह, उप निरीक्षक सागर चौधरी, उप निरीक्षक संयम यादव, उप निरीक्षक सोनू निगम और उप निरीक्षक हरिप्रकाश को यातायात सप्ताह के तहत जनमानस की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से, बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों के चालान करने के निर्देश दिए गए।

मात्र पांच शिकायतें दर्ज

उत्तम भारत संवाददाता

अफजलगढ़। थाना दिवस पर मात्र पांच शिकायतें दर्ज की गई। जिससे साफ जाहिर है कि शिकायत कर्ताओं को अब थाना दिवस पर विश्वास नहीं रहा है। उनका भरोसा उठ गया है। थाना दिवस की अध्यक्षता थाना अध्यक्ष राम प्रताप सिंह ने की तथा संचालन कस्बा इंचार्ज प्रवीण कुमार ने किया। थाना अध्यक्ष ने कहा कि थाना दिवस के मौके पर केवल पांच शिकायत आई और एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। बाकी शिकायत संबंधित अधिकारियों को सौंप दी गई।

थाना अध्यक्ष ने कहा कि सभी फरियादियों की गंभीरता से सुना

जाएगा। उन्होंने कहा जमीनों से संबंधित कार्य लेखपालों से गंभीरता से कराया जाएगा, उन्होंने कहा क्षेत्र में सभी लोग प्रेम के साथ रहे। उन्होंने कहा कि अशांति फैलाने वालों के साथ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्राम प्रधानों से कहा कि छोटी-मोटी बातों को अपने यहां बैठकर निपटाए, फिर भी अगर कोई न माने तो उसकी सूचना पुलिस को दें। पुलिस कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगी। उन्होंने कहा कि गन्ने के ट्रक ओवरलोड न चले। उन्होंने कहा गन्ने के ओवरलोड ट्रकों से यातायात बाधित होती है।

भूतपूर्व सैनिक संगठन के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन

उत्तम भारत संवाददाता

बिजनौर। भूतपूर्व सैनिक संगठन के वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि कर्नल हर्ष निधि बी एस एम बिजनौर के अध्यक्ष आने पर पूर्व सैनिकों व अर्द्ध सैनिकों सहित उनके परिजनों ने उनका आभार वियक्त किया फिर सभी आश्रितों की विभिन्न महत्व पूर्ण समस्याओं पर किया मंथन

भूतपूर्व सैनिक संगठन के वार्षिक सम्मेलन में पूर्व सैनिकों व अर्द्ध सैनिकों सहित उनके परिजनों तथा आश्रितों की विभिन्न महत्व पूर्ण समस्याओं पर मंथन किया गया। रविवार को ग्राम कादराबाद स्थित बीएसए इंटर कालिज के सभागार में आयोजित भूतपूर्व सैनिक तथा अर्द्धसैनिक कल्याण समिति के वार्षिक सम्मेलन में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। सम्मेलन के दौरान सबसे पहले सैन्य जीवन पर विस्तृत रूप देश के मजबूत गणतंत्र तथा न्याय पालिका पर भरोसा जताते हुये दो मिनट का मौन रखकर शहीद

सैनिकों को श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। इसके बाद वक्ताओं ने सीएसडी कैंटीन तथा सीएचएस स्वास्थ्य सुविधा के लाभ से वंचित गौरव सेनानियों तथा वीर नारियों को ये आवश्यक सुविधायें मुहैया कराने की जरूरत पर जोर देते हुये इस दिशा में सकारात्मक प्रयास करने का आवाहन किया। वक्ताओं ने देश के विकास में तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुये पॉलीटैक्निक सहित गुणवत्तायुक्त षिक्षा मुहैया कराने की मांग की।षिक्षा मुहैया कराने की मांग की।तीन साल पहले सैनिक स्कूल स्वीकृत हो जाने के बाद भी स्थापित नहीं होने पर अफसोस जाहीर करते हुये प्रशासन द्वारा इस दिशा में सकारात्मक तथा ठोस कदम उठाये जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये वक्ताओं ने कहा कि सैनिक की मृत्यु के बाद फैमिली पेंशन अवमुक्त होने में लम्बा समय लगता है। इस दौरान आश्रित परिवार को भरण-पोषण करने में काफी अत्यधिक कठिनाईयां के दौर से गुजरना पडता है। वक्ताओं ने बैक प्रबंधन द्वारा पारीवारिक तथा अन्य पेंशनपडता है। वक्ताओं ने बैक प्रबंधन : द्वारा पारीवारिक तथा अन्य पेंशन सम्बंधी समस्याओं पर ध्यान दिये जाने पर विशेष बल दिया। सम्मेलन को भूतपूर्व सैनिक लोकेंद्र सिंह,कैप्टन अनिल कुमार गुप्ता, डा कर्नल हर्ष निधि, कर्नल बीबी ध्यानी, वेटरन टीकम सिंह, कैप्टन रघुवीर सिंह बिष्ट के अलावा सूबेदार मेजर पूरण सिंह असवाल,ग्राम प्रधान केलाश चंद, सरदार मलकीत सिंह,डॉ नीलम, डी एस पी सर्वजीत कौरने सम्बोधित किया।

वहीं बच्चों ने मनमोहक निर्त्य करके सबका मन मोह लिया।इसपर मुख्य अतिथि मेजर हर्ष निधि शहीद सेनानी वीर नारियोंऔर बच्चो को प्रोत्साहित करने के लिए पुरुस्कार वितरण किये

पीआईओ मिनरल्स पानी की बोतल में मरी हुई मकड़ी की वीडियो हो रही वायरल

* ग्राहकों ने जान से खिलवाड़ करने के लगाए गम्भीर आरोप

उत्तम भारत संवाददाता

नगीना। पीओ (पियो) कम्पनी की मिनरल्स पानी की 20 रुपये वाली बोतल खरीदने पर बोतल के के अंदर मरी हुई मकड़ी सड़ने से रेलवे फाटक के निकट हिंदुस्तान कन्फेक्शनरी दुकान पर हंगामा करते हुए राहगीर ग्राहकों बर ने जान से खिलवाड़ करने के गंभीर आरोप लगाए। कोतवाली रोड रेलवे फाटक के पास स्थित हिंदुस्तान कन्फेक्शनरी दुकान स से एक 20 रुपये वाली पीओ (पियो) कम्पनी की पानी की बोतल के अंदर मरी हुई मकड़ी सड़ने वाली एक वीडियो बड़ी के तेजी से वायरल हो रही है। उधर कन्फेक्शनरी के आस पास के ग्राहकों व लोगों में बोतल के अंदर मरी हुई मकड़ी मिलने से हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार बोतल को खरीदने क्ष वाले ग्राहक ने दुकानदार

से इस बोतल के इन बारे में पूछा तो उसने अपना पल्ला झाड़ते हुए सीधा कंपनी की कमी बताते हुए अपना ने पीछा छुड़ाया। इस पर मीडियाकर्मियों ने तपीओ (पियो) कम्पनी के मालिक नगीना मेडिकल के संचालक पवन कटारिया से

इस मामले में जानकारी की। तो उन्होंने सीधा दू टोक में कहा कि जिसने यह शिकायत की हैं। उसे डीएम साहब ने बुलाया है और 7 से 8 बजे रात को ही उसके साथ मीटिंग होगी। तभी हम आपको पूरी जानकारी दे सकेगें। समाचार भेजे जाने तक इस मामले में शिकायतकर्ता ग्राहक की और से कोई शिकायत नहीं की गई थी।

मछली कारोबारी पर हमला , सिर पर तमंचे की बट मार किया लहूलुहान

उत्तम भारत संवाददाता

नौगावां सादात। कार सवार बदमाशों ने धोखे से तालाब पर बुलाने के बाद मछली कारोबारी पर जानलेवा हमला कर दिया। खींचते हुए जबरन कार में बिठाने का प्रयास किया। विरोध कर तमंचे की बट से सिर पर वार कर दिया। हमले में मछली कारोबारी लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। लोगों को जमा होते देख बदमाश कार में बैठकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले में अज्ञात हमलवारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना थाना क्षेत्र के गांव जाजरू की है। यहां मोहम्मद शरीफ का परिवार रहता है। उनका बेटा असलम पेशे से मछली कारोबारी है। गांव में ही वह एक तालाब में मछली पालन करता है। शनिवार दोपहर करीब पौने दो बजे असलम के मोबाइल पर एक अंजान नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने व्यक्ति ने मछली की खरीद-फरोख्त के सिलसिले में मिलने के लिए गांव आने की बात कही। इसके बाद असलम गांव के बाहर निकल अपने तालाब पर आ गया। आरोप के मुताबिक दोपहर में करीब ढाई बजे कार में सवार होकर चार लोग उनसे मिलने के लिए तालाब पर आए। उन्होंने असलम से कहा कि तुमसे कुछ जरूरी बात करनी है, कार में बैठ जाओ और बात बब्ली प्रधान के घर पर बैठकर होगी। असलम ने साथ में कार में बैठने से मना कर दिया और उनकी कार के पीछे अपनी बाइक से चलने लगा। आरोप है कि जंगल में सरकारी कुएं के पास कार सवार बदमाश बीच रास्ते में रुक गए और असलम को रोकते हुए अचानक लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उसी दौरान सिर पर तमंचे की बट से भी वार किया। हमले में गंभीर घायल असलम लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। शोर सुनकर खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर आ गए, जिन्हें जमा होते देख हमलावर कार में बैठ धमकी देते हुए भाग निकले। सीओ अवधभान भदौरिया ने बताया कि मामले में अज्ञात हमलवारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार कर चालान किया जाएगा।

शोपियां ज़िले में लगातार दूसरे दिन भी आतंकी तंत्र पर अपनी कार्रवाई जारी

शोपियां। सुरक्षा बलों और पुलिस ने शनिवार को दक्षिण कश्मीर के शोपियां ज़िले में लगातार दूसरे दिन भी आतंकी तंत्र पर अपनी कार्रवाई जारी रखी। आतंकवादी गतिविधियों से कथित रूप से जुड़े व्यक्तियों के संबंध में कई आवासीय परिसरों की तलाशी ली गई जिनमें ओवरग्राउंड वर्कर पाकिस्तान से संचालित जम्मू और कश्मीर के नागरिक और गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम यूएपीए के तहत गिरफ्तार किए गए लोग शामिल हैं जो वर्तमान में ज़मानत पर बाहर हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह अभियान आतंकवाद को किसी भी प्रकार का समर्थन प्रदान करने वाले नेटवर्क की पहचान करने और उन्हें नष्ट करने के निरंतर प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा कि 8 अक्टूबर को कई स्थानों पर तलाशी ली गई और अनुवर्ती कार्रवाई के तहत आज भी जारी रही।

गुजरात के गांधीनगर से आईएसआईएस के 3 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, हमले की योजना बना रहे थे

गांधीनगर। गुजरात एटीएस ने राज्य के पाटनगर गांधीनगर के अडालज से आतंकी गतिविधियों में शामिल तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपितों के आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े होने की बात सामने आई है।

एटीएस टीम को आतंकी गतिविधियों में शामिल कुछ संदिग्ध लोगों की सक्रियता की खुफिया सूचना मिली थी, जिसके बाद से इनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। एटीएस टीम ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गुजरात एटीएस की तरफ से आज दोपहर 1:00 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विस्तार से इस बारे में जानकारी दी जाएगी। आरोपितों की देश में कई जगहों पर हमले की योजना थी। हथियारों के आदान-प्रदान की मंशा से इनके गुजरात पहुंचने और देश में कई जगहों पर हमले की योजना का पता चला है। ये संदिग्ध आतंकी किन स्थानों पर हमले की योजना बना रहे थे, इसकी गहन जाँच शुरू कर दी गई है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई

उत्तम भारत संवाददाता

नहटौर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक नहटौर ब्लॉक डबाकर हाल में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया।

रविवार को आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ भानु प्रकाश वर्मा ने संगठन में निष्क्रिय सदस्यों को सक्रियता के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने फरवरी में होने वाले सम्मेलन की रणनीति बनाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख राकेश चौधरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकार को अधिकारों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए ओर अपने अधिकारों का सही उपयोग कर समाज

में लोगो की मदद करे। बैठक को ओर कई वक्ताओं ने भी संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता डॉ भानु प्रताप वर्मा जिलाध्यक्ष एवं संचालन जितेंद्र सिंह जिला महामंत्री ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा की गई। इस अवसर पर डॉ नरेश पाल सिंह, धर्मेंद्र सिंह ढाका, विनय कौशिक, कौशल शर्मा, पंकज कुमार शर्मा, डॉक्टर प्रदीप कुमार दुबे, गुणवंत सिंह राठौड़, बबलू सिंह चौहान, अनुज कुमार, धर्मवीर सिंह दिवाकर, नरेश गौतम, सुनील नारायण, मुकेश कुमार, संजय शर्मा, विपिन कुमार, मोहित चौहान, अवनीश कुमार शर्मा, पवन चौधरी, हेमेंद्र सिंह, राहुल चौधरी, कर्मेंद्र सिंह, दानिश, अनवार अहमद, महकार सिंह तोमर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम प्रभारी देवेंद्र चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों में आई तेजी

उत्तम भारत संवाददाता

अमरोहा। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा की तिथि घोषणा के साथ ही जिले स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। डीआईओएस ने कालेज प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए हैं अगर डेस्क-बेंच आदि की कमी है तो इसकी डिमांड को प्रस्तुत किया जाए। कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर संसाधन की उपलब्धता के साथ ही विद्यार्थियों की बेहतर तैयारी पर फोकस करें। हाईस्कूल व इंटर की कक्षाओं का कोर्स समय से पूरा कराकर पूरे पाठ्यक्रम का रिवीजन करा लें। जिन विषयों में छात्र कमजोर हैं, उसके लिए अतिरिक्त कक्षाओं का भी आवश्कतानुसार प्रबंध किया जाए। शिक्षण कार्य में किसी स्तर पर कोई लापरवाही न बरती जाए।

बिहार विधानसभा चुनाव: प्रचार के आखिरी दिन तमाम दिग्गज और दल झोकेंगे ताकत, 11 नवंबर को मतदान, शुक्रवार को नतीजे

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन रविवार को तमाम राजनीतिक दिग्गज और दल अपनी पूरी ताकत झोंकेंगे।विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को मतदान होगा। उससे पहले आज शाम चुनाव प्रचार थम जाएगा।

दो चरणों में पूरा होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण का मतदान 11 नवंबर को सुबह 7 बजे से होगा।इसके लिए चुनाव प्रचार आज शाम थम जाएगा। इस चरण में पश्चिम और पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, कैमूर, रोहतास, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया, नवादा एवं जमुई जिलों के कुल 122 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा और इसके लिए 45,399 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। बिहार में पहले चरण में 121 सीटों पर

तीसरी ताकत के रूप में जनसुराज पार्टी भी अलग-अलग सीटों पर उभरती दिख रही है। 14 नवंबर को मतों की गिनती होगी और नतीजे घोषित किए जाएंगे।

दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा।कुल 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के चुनाव में मुख्य मुकाबला राजग गठबंधन और विपक्षी गठबंधन के बीच है।हालांकि 6 नवंबर को रिकॉर्ड 65.6 प्रतिशत मतदान हुआ था।इसे देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि दूसरे चरण में भी अधिक से अधिक संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा, नव केरल सर्वेक्षण में माकपा कार्यकर्ता शामिल हुए तो विपक्ष विरोध करेगा

कोच्चि। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने रविवार को कहा कि यदि राज्य सरकार का नव केरल सर्वेक्षण मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) कार्यकर्ताओं की मदद से कराया जाता है, तो कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) इसका विरोध करेगा।

पत्रकारों से बातचीत में सतीशन ने कहा कि हाल में माकपा प्रदेश समिति के एक पत्र में कहा गया है कि स्वेच्छा से काम करने के इच्छुक एलडीएफ से जुड़े लोगों को सर्वेक्षण टीम में शामिल किया जाना चाहिए, जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यह एक राजनीतिक कवायद है। उन्होंने कहा, 'यह आगामी चुनावों से पहले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और माकपा के लिए सरकारी खर्च पर की जा रही कवायद है। हम इसका कड़ा विरोध करेंगे।'

सतीशन ने कहा कि एलडीएफ या माकपा अपने स्तर पर राजनीतिक सर्वेक्षण कराने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन जनता के पैसे और सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करके ऐसा करना अस्वीकार्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल पहले से ही भारी कर्ज में डूबा हुआ है और सरकार के खजाने में कोई पैसा नहीं बचा है। उन्होंने कहा, 'यह एक निंदनीय कृत्य है। चुनाव से ठीक पहले इस तरह के सर्वेक्षण की क्या ज़रूरत है?' इससे पहले, राज्य सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कार्यान्वित विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों पर जनता की प्रतिक्रिया जानने के लिए नव केरल सर्वेक्षण की घोषणा की थी।

बिजली का करंट लगने से दो भाइयों की मौत, ग्रामीणों का मुआवजे को लेकर प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में रविवार सुबह जमीन पर पड़े बिजली के तार की चपेट में आने से दो भाइयों की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

इस हादसे के बाद स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया और बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की।

पुलिस के अनुसार यह घटना पीपलू थाना क्षेत्र के बलखंडिया गांव में उस समय हुई जब रामनारायण (35) और हरलाल (26) अपने खेतों की ओर जा रहे थे। पीपलू के थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने कहा, 'दोनों भाई सूखे नहर मार्ग से जा रहे थे तभी उनका पैर बिजली के टूटे हुए तार पर पड़ गया और उन्हें करंट लग गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।' घटना के बाद, गुस्साए ग्रामीणों ने शवों को घटनास्थल पर रखा और प्रत्येक पीड़ित के परिजन के लिए 50 लाख रुपये के मुआवजे और एक-एक आश्रित को संविदा पर सरकारी नौकरी की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

शादी की खुशी भी नहीं मना सका परिवार , दूल्हे की हार्ट अटैक से मौत

उत्तम भारत संवाददाता

अमरोहा। बैंक्वेट हाल में शादी के बाद परिवार के लोग नई-नवेली दुल्हन के घर आने की खुशी भी नहीं मना सके कि दूल्हे की हार्ट अटैक से मौत हो गई। दूल्हे की मौत से परिवार में मचे कोहराम के बीच हर किसी की आंख नम हो गई। गमगीन माहौल में शव को सुपुर्दे खाक करने की तैयारी की जा रही है। वहीं शहर निवासी अधिवक्ता की भी हार्ट अटैक से मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। शहर के मोहल्ला नौगजा निवासी 42 वर्षीय गुड्डू उर्फ परवेज आलम जामा मस्जिद रोड पर किताबों की दुकान चलाता था। परिवार में तीन भाइयों में सबसे छोटे बुकसेलर के अलावा एक भाई पप्पू हैं। बड़े भाई असलम समेत मां-बात का

पहले ही देहांत हो चुका है। मोहल्ला बड़ा दरबार के रहने वाले बाबू की बेटी सायमा के साथ बुकसेलर का निकाह हुआ था। शनिवार रात मोहल्ला नल नई बस्ती में एक बैंक्वेट हाल में बारात गई थी। रविवार को बैंक्वेट हाल में वलीमा था। दुल्हन को विदा कर रात करीब एक बजे बारात घर लौटी। रात दो बजे अचानक परवेज की तबियत बिगड़ गई। घबराए परिवार के लोग पहले नजदीकी अस्पताल फिर जोया रोड पर एक और अस्पताल में दिखाने के बाद मुरादाबाद ले गए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद परवेज को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने मौत की वजह हार्ट अटैक बताई। परवेज की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गमगीन माहौल के बीच मृतक के शव को सुपुर्दे खाक करने की तैयारी है। वहीं, दूसरी घटना मोहल्ला नौबतखाना की है। यहां पेशे से अधिवक्ता 54 वर्षीय मुस्ते हसन खां का परिवार रहता है। वह सदर तहसील में प्रेक्टिस करते थे। दो दिन से उनकी तबियत खराब चल रही थी। परिजन मुरादाबाद के निजी अस्पताल में उपचार करा रहे थे। रविवार रात करीब एक बजे हार्ट अटैक से अधिवक्ता की मौत हो गई। उनकी मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

बिहार विस चुनाव : सुशासन मॉडल फिर करेगा कमाल, नीतीश का गुड गवर्नेंस कार्ड मारेगा बाजी!

पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर सुशासन बाबू के नाम की गूंज है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जीत का दांव इस बार उनके सुशासन और बृहद कल्याणकारी योजनाओं पर टिका है। पहले चरण के मतदान में रिकॉर्ड 65.08 प्रतिशत मतदान ने चुनावी परिदृश्य को नया आयाम दिया है और यही रिकॉर्ड वोटिंग खासकर महिलाओं की बढ़ी हिस्सेदारी नीतीश के योजना-आधारित संदेश को मजबूती दे सकती है। मतदान में महिलाओं की बढ़ी भागीदारी और विकास योजनाओं की गूंज से एनडीए खेमे का उत्साह बढ़ा है। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या नीतीश का यह सुशासन मंत्र एक बार फिर बिहार की सियासी बिसात पलट देगा?

महिला मतदाता बनेंगी गेम चेंजर, नीतीश के पक्ष मे रुझान

चुनाव में उभरती सबसे बड़ी कहानी महिलाओं की बढ़ी भागीदारी है। पोलिंग रिपोर्ट्स और विश्लेषणों के मुताबिक महिलाओं की तादाद में बढ़ोत्तरी से उन योजनाओं का असर दिख रहा है जिनका लाभ सीधे महिलाओं को मिलता है। जैसे- स्वरोजगार, पेंशन और महिला-विशेष भत्ते, जीविका दीदी योजना। राजनीतिक रणनीतिकारों का कहना है कि अगर महिलाओं की पसंद सुशासन और योजनाओं की तरफ झुकी है तो यह नीतीश के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। वहीं, विपक्ष यह तर्क देता है कि रिकॉर्ड वोटिंग बदलाव की चाह भी दर्शाती है, इसलिए अंतिम तस्वीर सीटों के हिसाब से साफ होगी।

अब असली परीक्षा संगठन और प्रत्याशियों की छवि की

हालांकि सुशासन का दांव मजबूत है, पर विपक्ष ने भी तेजी से चुनावी हमले तेज किए हैं-भ्रष्टाचार, गुटबाजी और कुछ जिलों में सुरक्षा घटनाओं को उठाकर। पहले चरण में कुछ जगहों पर तनातनी और विवाद भी दर्ज किए गए, जिससे यह भी दिखता है कि चुनाव केवल योजनाओं का मुकाबला नहीं बल्कि जमीन पर दलों की संगठनात्मक लड़ाई भी है। जनता के फैसले में स्थानीय घटनाएं और प्रत्याशियों की छवि भी असर डालेंगी। जब योजनाओं का लाभ घर-घर पहुंचता है, जैसे- पेंशन, रोजगार, महिला भत्ते तो वोटर पर उसका सीधा असर दिखता है।

P-08:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 10:18 PM Page 1

भारत के मुसलमानों की न नागरिकता खतरे में, न मताधिकार: मुख्तार अब्बास नकवी

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि भारत के किसी भी मुसलमान की न नागरिकता खतरे में है, न मताधिकार।

वे कोयला ग्राम पंचायत के ग्राम मिलक विचौला में आयोजित स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहे थे।

नकवी ने कहा कि कुछ ÷छद्म सेक्युलर ताकतें÷ मुसलमानों में भय फैलाकर वोटों की फसल काटना चाहती हैं। इन दलों ने मुसलमानों को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सशक्त नहीं किया। उन्होंने कहा कि वैध मतदाताओं की सुरक्षा और अवैध मतदाताओं की समीक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए नकवी ने कहा कि ÷वोट चोरी÷ की साजिशें और ÷परिवारतंत्र की राजनीति÷ अब जनता के सामने बेनकाब हो चुकी हैं। बिहार में बंपर वोटिंग ने यह साबित कर दिया कि जनता लोकतंत्र के पक्ष में खड़ी है।

उन्होंने कहा कि सत्ता कोई जन्मसिद्ध अधिकार नहीं, बल्कि जनादेश का उपहार है, और भाजपा सुशासन के मिशन के साथ आगे बढ़ रही है। मुसलमानों को भी ÷भाजपा हराओ÷ की मानसिकता से बाहर निकलकर अपने वोट की ताकत को सशक्तिकरण का माध्यम बनाना होगा।

रामपुर प्रवास के दौरान नकवी ने रामपुर निवासी चिरंजीव गुड्डू की माता जी के निधन पर उनके घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी और कई पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी ने थाना अजीमनगर का निरीक्षण कर क्षेत्र में की पैदल गश्त

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र द्वारा शनिवार की रात थाना अजीमनगर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान निरीक्षण के दौरान कार्यालय, मालखाना, भोजनालय, हवालात, कम्प्यूटर कक्ष आदि एवं थाना परिसर की साफ-सफाई व थाना कार्यालयों पर बने अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, मालखाना रजिस्टर, विवेचना रजिस्टर, फ्लाई शीट आदि एवं उनके रख रखाव, साफ-सफाई, उनमें अंकित की जाने वाली प्रविष्टियों को चैक किया गया, साथ ही थाना परिसर में बने मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण कर

सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए।

निरीक्षण उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना अजीमनगर क्षेत्रान्तर्गत आमजन मानस में सुरक्षा भावना जाग्रत करने के एवं कानून एवं शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत मुख्य मार्गो एवं बाज़ार क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर आमजन से संवाद स्थापित किया गया। पुलिस को जनता से सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखते हुए सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृति योजना परीक्षा में जनपद के 1560 विद्यार्थियों ने किया प्रतिभाग

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल ने रविवार को बताया कि जनपद में राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृति योजना परीक्षा-2026 सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी उ0प्र0 प्रयागराज के निर्देशों के अनुपालन में जनपद के 7 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि परीक्षा में 2209 पंजीकृत छात्र/छात्राओं के सापेक्ष जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से 1560 छात्र/छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया और परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं सूचिता पूर्ण सम्पादित कराया गया।

हवन पूजन कर किया गया श्री राम कथा का समापन

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। श्रीराम कथा प्रसार समिति के तत्वावधान में आयोजित कथा व्यास राजेन्द्र तिवारी ने समापन अवसर पर कहा कि ÷सोई पावन सोई सुभग शरीरा, जे तनु पाई भजहिं रघुवीरा।÷ वही शरीर सुन्दर और पवित्र है जिसके द्वारा भगवान की कथा श्रवण की जाय, पूजा की जाय कीर्तन किया जाय। सत्कर्म किया जाए। जैसे शरीर की सेवा की जाती है वैसे ही भगवान की सेवा-पूजा करनी चाहिए। ÷सेवहिं लखन सीय रघुवीरहिं। जिमि अविवेकी पुरुष शरीरहि। जिस तरह से हम अविवेकी पुरुष शरीर की सेवा करते है वैसे ही भगवान की कथा श्रवण

एवं सेवा करनी चाहिए। हवन-पूजन मुख्य यजमान शोभित सक्सेना पत्नी ज्योति सक्सेना ने किया। हवन-पूजन प्रयागराज के पंडित अतुल मिश्र ने कराया। कथा में प्रदीप राजपूत, सुनील वैश्य विनोद शर्मा, गौरव वार्ष्णेय, सीताराम शर्मा, दीपक गुप्ता, नीलम वैश्य, सलोनी राजपूत, करुणा शर्मा, सुनील कौशिक, राजीव मित्तल, अजय सक्सेना, प्रतिभा शर्मा, सुमन सक्सेना, गीता गुप्ता, रीना, विनय गुप्ता, दीनानाथ, अशोक सक्सेना आदि उपस्थिति रहे।

एसपी (जीआरपी) के साथ एसपी ने रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण) प्रशिक्षण निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा रविवार को पुलिस अधीक्षक जी.आर.पी.मुरादाबाद एवं पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र के साथ रिजर्व पुलिस लाइन पर चल रहे रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर का भ्रमण/निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण) द्वारा आरक्षी आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिला प्रशिक्षु आरक्षियों से संवाद स्थापित किया गया तथा उनके प्रशिक्षण अनुभव, समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना गया। प्रशिक्षणाधीन महिला आरक्षियों को पुलिस सेवा के उद्देश्यों, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं नागरिकों के प्रति व्यवहारिक संवेदनशीलता से सम्बन्धित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान

किए गए।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस लाइन में आयोजित तीन नवीन कानून जागरूकता अभियानों में सक्रिय सहभागिता हेतु उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला प्रशिक्षु आरक्षियों को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन्स एवं क्षेत्राधिकारी शाहबाद सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण) द्वारा महिला आरक्षियों को प्रेरित करते हुए कहा गया कि—÷प्रशिक्षण काल ही वह आधार है, जो एक संवेदनशील, अनुशासित और जनसेवी पुलिस बल का निर्माण करता है। आप सभी को नारी शक्ति के रूप में समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा बनना है।÷

विधिक सेवा दिवस पर पूरे जिले में जागरूकता की गूंज, परा विधिक स्वयं सेवक बने जनसेवा के वाहक

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। विधिक सेवा दिवस के अवसर पर शनिवार को जिलेभर में जागरूकता कार्यक्रमों की धूम रही। परा विधिक स्वयं सेवकों ने गांव-गांव, कस्बों और स्कूलों में जाकर आमजन को उनके कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। सभी के लिए न्याय के संकल्प के साथ आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सरकारी सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना रहा।

जिले में विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में रैलियाँ निकाली गईं, नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए और कई स्थानों पर कानूनी साक्षरता शिविर लगाए गए। स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता, वरिष्ठ नागरिक संरक्षण अधिनियम, महिला सुरक्षा कानून, बाल अधिकार, नशा मुक्ति, घरेलू हिंसा निरोधक कानून आदि की जानकारी दी।

सचिव कुलदीप सिंह ने बताया कि विधिक सेवा दिवस के वल औपचारिकता नहीं, बल्कि यह समाज में न्याय की भावना को जन-जन तक पहुँचाने का एक आंदोलन है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से आमजन को यह बताया जा रहा है कि न्याय पाना कोई विशेषाधिकार नहीं बल्कि मौलिक अधिकार है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या सामाजिक कारणों से न्याय से वंचित न रह जाए।

कुलदीप सिंह ने यह भी कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं का उद्देश्य गरीब, श्रमिक, महिला, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक और असहाय वर्गों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी को कानूनी मदद की आवश्यकता हो, तो वह निःसंकोच जिला विधिक सेवा प्राधिकरण या परा विधिक स्वयं सेवकों से संपर्क करें।

परा विधिक स्वयं सेवकों ने बताया कि वे आने वाले दिनों में भी घर-घर जाकर कानूनी जागरूकता फैलाने का कार्य जारी रखेंगे ताकि हर नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रह सके।

जिलेभर में विधिक सेवा दिवस का यह आयोजन एक सामाजिक उत्सव के रूप में देखा गया, जहाँ न्याय, समानता और सेवा की भावना लोगों के बीच सजीव रूप में प्रकट हुई।

छह ओवरलोड वाहन किए गए सीज

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर खनन, ओवरलोड और अनधिकृत रूप से संचालित वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग द्वारा अभियान चलाते हुए चेकिंग की कार्रवाई की गयी।

यात्री कर अधिकारी होरी लाल वर्मा ने बताया कि 08 व 09 नवम्बर को रामपुर-स्वार मार्ग तथा दड़ियाल टांडा मार्ग पर संचालित डंपरों/ट्रकों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई की गयी। उन्होंने बताया कि ऐसे डंपर व ट्रक जिन पर नम्बर प्लेट लगी नहीं पायी गयी और 06 वाहन ओवरलोड पाए

जाने पर उनके विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई करते हुए सीज किये गये। इसके साथ ही अनधिकृत रूप से संचालित यात्री वाहनों, जिन यात्री वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, टैक्स आदि समाप्त हो गये थे, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए 07 वाहनों को यात्रीकर अधिकारी द्वारा सीज किया गया। उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

बूथ स्तर पर वोट बढ़ाने के लिए एसएआर की बैठक, जिला पंचायत अध्यक्ष ने दिया जोर

उत्तम भारत संवाददाता

स्वार। विधानसभा क्षेत्र स्वार के सेक्टर छपरी में रविवार को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मंडल के सेक्टर संयोजक, बूथ अध्यक्ष और अन्य प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्य अतिथि रहे ख्यालीराम लोधी ने मौजूद सभी सेक्टर प्रभारी, संयोजक और बूथ अध्यक्षों को संबोधित करते हुए कहा कि वे बीएलओ के साथ मिलकर काम करें और 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी पात्र नागरिकों के वोट बनवाना सुनिश्चित करें। लोधी ने एसएआर के नियमों का सख्ती से पालन करने पर बल दिया और निर्देश दिए कि बीएलओ द्वारा भरे गए एसएआर फॉर्म की एक सेकंड कॉपी सभी कार्यकर्ता अपने पास सुरक्षित रखें। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पात्र मतदाता का वोट छटना नहीं चाहिए। बैठक में मौजूद मंडल के महामंत्री अमित कुमार सक्सेना, हरीश कुमार, अनूप कुमार, पूर्व प्रधान अर्जुन सैनी, बबलू, अनिकेत, हरदयाल, सुधीर कुमार, परवेज कुमार, अनिल कुमार, लक्ष्मण सैनी और लक्ष्मण सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटवाई एवं पंजाबनगर में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का किया निरीक्षण

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटवई एवं पंजाब नगर में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स एवं अन्य कर्मचारी मौजूद मिले।

चिकित्सालय परिसर में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पायी गयी, जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी ने परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई कराये जाने हेतु चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में अधिक से अधिक रोगियों

के आने हेतु पर्याप्त मात्रा में प्रचार-प्रसार कराया जाए, जिससे अधिक से अधिक आम जनमानस को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक एवं उपस्थित स्टाफ को निर्देशित किया कि चिकित्सालय में आने वाले रोगियों और उनके तीमारदारों के साथ चिकित्सा कर्मियों द्वारा मधुर व्यवहार करते हुए चिकित्सीय कार्य संपादित किये जायें और निरीक्षण में पायी गयी कमियों पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

तुरैहा समाज की मांगों को भी पूरा करें भाजपा सरकार: कमल तुरैहा

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। शहर के सराय गेट स्थित बाबा तुरैहा रामस्वरूप की समाधि माता सन्तोषी के मन्दिर पर रविवार को तुरैहा मछुआ समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए समाज के जिलाध्यक्ष कमल कुमार तुरैहा ने कहां की आज समाज में पिछड़ेपन का प्रमुख कारण केवल अशिक्षा है जो अपने बच्चों को शिक्षा से दूर कर रहे है वही लोग आज परेशान भी है। जब तक समाज का प्रत्येक परिवार शिक्षा के महत्व को नही समझेगा, तब तक समाज का शोषण होता रहेगा इसलिए अब समय की यही पुकार है समाज का हर बच्चा उच्च शिक्षा प्राप्त करें चाहे इसके लिए एक रोटी कम खाना पड़े, अन्य खर्चे कम करना पड़े लेकिन शत-प्रतिशत शिक्षा दिलाये। उन्होंने बताया की समाज के वरिष्ठ समाज सेवी व राजनीति में मजबूत समाज के नेता समाज हित व सेवार्थ कार्य में कोई महत्व नही देते है अगर वह इस ओर ध्यान दे तो समाज की गरीब बेटियों की शादी-ब्याह व बच्चों की पढाई करा सकते है जो समाजसेवा

के साथ-साथ पुण्य का कार्य भी है। बैठक का संचालन करते हुए तुरैहा मछुआ समाज के जिलामन्त्री रामसिंह तुरैहा एडवोकेट ने कहां की अब तुरैहा समुदाय ने हर चुनाव में भाजपा को समर्थन किया था क्योंकि देश को उन्नतिशील व शक्तिशाली बनाने में केवल भाजपा सरकार ही एक मात्र विकल्प है लेकिन अभी तक समाज की किसी भी मांग को प्रदेश सरकार ने पूरा नही किया, जिसके समाज के लोगों में मायूसी है। कमल तुरैहा ने कहां की समाज को भी भाजपा के संगठन में उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए जिसकी मांग हम उच्च पदाधिकारियों से लगातार करते रहे है लेकिन आजतक इस पर किसी ने ध्यान नही दिया। उन्होंने कहां की तुरैहा मछुआ समाज भी जल्द समाज के युवा वर्ग को समाज के युवा वर्ग को संगठन में लाकर विस्तार करेगी। जिससे संगठन और मजबूत हो सके। इस मौकें पर बैठक में जिलामन्त्री रामसिंह तुरैहा एडवोकेट, कामरेड मेवीराम तुरैहा, डॉ0 रमेश चन्द्र, राम गोपाल पंडित, रामपाल, कमल कुमार मुन्ना, राम प्रकाश, राजेश कुमार तुरैहा, भुवनेश चन्द्र तोमर एडवोकेट, रामकिशोर, विनोद कुमार सभासद, मुरारी लाल, अर्जुन कुमार तुरैहा, प्रीतम सिंह, राम प्रसाद तुरैहा, नीरज तुरैहा, पवन कुमार, दिनेश कुमार, प्रदीप कुमार, रवि कुमार, दिलीप कुमार, अरविन्द कुमार, प्रीतम, राहुल सिंह आदि उपस्थित रहें।

यातायात नियमों के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति सजग करने के उद्देश्य से शहर में यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने राहगीरों, स्कूली छात्रों और वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी तथा उन्हें दूसरों को भी नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने बिना हेलमेट बाइक चला रहे युवाओं को रोककर उन्हें समझाया कि सड़क पर लापरवाही एक पल की गलती नहीं, बल्कि पूरी जिंदगी की कीमत बन सकती है। साथ ही सीट बेल्ट के महत्व, स्पीड लिमिट का पालन, मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसी बातों पर विशेष बल दिया गया।

कई स्थानों पर यातायात पुलिस द्वारा बैनर, पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया गया। बच्चों को 'सड़क सुरक्षा शपथ' दिलाई गई ताकि वे स्वयं भी और अपने परिवार को भी यातायात के नियमों का महत्व समझा सकें।

यातायात प्रभारी नवनीत कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाना है। सड़क सुरक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है। अगर हम सभी नियमों का पालन करें तो न सिर्फ हादसे कम होंगे बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था भी अनुशासित बनेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि आगामी दिनों में शहर के विभिन्न स्कूलों, बाजारों और चौराहों पर इस तरह के जनजागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएंगे, ताकि हर व्यक्ति सुरक्षित यात्रा - सुरक्षित जीवन के संकल्प को साकार कर सके।

क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के दृष्टिगत एक विशेष अभियान

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश शासन के आदेश के क्रम में पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र के निर्देशन में रविवार को जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के दृष्टिगत एक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत थाना प्रभारियों एवं पुलिस टीमों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत स्थित धार्मिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों, बाजारों एवं अन्य प्रतिष्ठानों पर लगे मानक-विरुद्ध लाउडस्पीकरों का सर्वेक्षण कर उन्हें उतरवाया गया। इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा संबंधित संस्थानों के *प्रबंधकों, धर्मगुरुओं एवं आमजन को ध्वनि प्रदूषण अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा यह भी अवगत कराया गया कि निर्धारित ध्वनि सीमा से अधिक ध्वनि उत्पन्न करना या अनुमति के बिना लाउडस्पीकर का प्रयोग करना अपराध की श्रेणी में आता है। कार्यवाही के दौरान जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में अनेक स्थानों से मानक-विरुद्ध लाउडस्पीकरों

को हटवाकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। पुलिस द्वारा लोगों से अपील की गई कि वे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में ध्वनि सीमा का पालन करें तथा शान्ति एवं सौहार्द के वातावरण को बनाए रखने में सहयोग करें। पुलिस द्वारा यह अभियान आगामी दिनों में भी सतत रूप से संचालित किया जाएगा ताकि जनपद को ध्वनि प्रदूषण-मुक्त बनाया जा सके।

सीएमओ ने ग्राम पंचायत अनवा में मधुमक्खी यूनिट का किया निरीक्षण

उत्तम भारत संवाददाता

रामपुर। मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चन्द्र ने रविवार को अधीक्षक राजकीय उद्यान अजय कुमार विकास खण्ड शाहबाद की ग्राम पंचायत अनवा में मधुमक्खी यूनिट, ग्राम पंचायत ढ़किया में मनरेगा योजनान्तर्गत कराये गये कार्यों व विकास खण्ड कार्यालय शाहबाद का निरीक्षण किया। मधुमक्खी यूनिट के निरीक्षण के दौरान अधीक्षक, राजकीय उद्यान ने बताया कि पालक नितिन कुमार द्वारा 300 मौनवंश व ग्राम ओशी के धर्मवीर सिंह द्वारा 250 मौनवंश के साथ मधुमक्खी पालन किया जा रहा है। मधुमक्खी पालकों को भारत सरकार द्वारा विकसित मधु क्रांति पोर्टल पर उद्यान विभाग द्वारा पंजीकरण करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण करने से मधुमक्खी पालकों की संख्या व उत्पाद के आकड़े का पता लगाया जा सकता है, साथ ही भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र भी निर्गत किया जाता है और मधुमक्खी पालकों का बीमा भी किया जाता है, जिसके लिए इन मधुमक्खी पालकों के मौन वंश का सत्यापन अधीक्षक राजकीय उद्यान द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन से विभिन्न प्रकार के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ है। मधुमक्खी पालन शहद, बी पॉलिन, बी वैक्स आदि से विभिन्न औषधीय एवं सौंदर्य

उत्पादों में किया जाता है। साथ ही मधुमक्खियों द्वारा परागण में अहम भूमिका निभाई जाती है।

मधुमक्खी पालक द्वारा बताया गया कि प्रत्येक मौन वंश से प्रतिवर्ष लगभग 20 से 25 केजी शहद का उत्पादन होता है। इस प्रकार वर्ष में लगभग 5 मीट्रिक टन शहद जो कि लगभग 7 से 8 लाख रुपए की बाजार कीमत पर विक्रय किया जाता है। इसके उपरान्त मुख्य विकास अधिकारी ने विकास खण्ड कार्यालय शाहबाद का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने फैमिली आई0डी0 एवं अन्य योजनाओं के सम्बन्ध में समीक्षा की तथा संचालित योजना में प्रगति लाने हेतु खण्ड विकास अधिकारी शाहबाद को निर्देशित किया। निरीक्षण के समय खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पं0) व सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) मौजूद रहे।

पति की हत्या के छह साल बाद अदालत ने पत्नी, उसके प्रेमी को आरोप से बरी किया

ठाणे। ठाणे की एक अदालत ने 2018 में पति की हत्या की आरोपी एक महिला और उसके प्रेमी को यह देखते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष पारिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित मामले को साबित करने में विफल रहा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल ने शुक्रवार को पारित आदेश में कहा कि हालांकि यह बताने के लिए पर्याप्त सामग्री है कि दोनों आरोपियों के बीच विवाहेतर संबंध थे और घटना के बाद उनका आचरण संदिग्ध था, लेकिन यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त सामग्री नहीं है कि उन्होंने हत्या की थी।

आरोपी प्रिया गोपी नाइक (34) और महेश गोविंद कराले (32) पर हत्या, आपराधिक षड्यंत्र, बेहोश करने वाला पदार्थ देने और सबूत मिटाने का आरोप लगाया गया था।

अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि 28 दिसंबर, 2018 को दोनों आरोपियों ने अपने अवैध संबंधों के चलते ठाणे शहर में प्रिया के पति गोपी किशन नाइक की हत्या कर दी थी। इसने कहा कि अपराध में बेहोश करने वाला पदार्थ पिलाया गया, फिर हत्या की गई और उसके बाद सबूत मिटाने की कोशिश की गई।

पुलिस को सिविल अस्पताल से फोन आया था, जिसमें बताया गया था कि गोपी किशन नाइक को उसकी पत्नी ने वाघबिल सुरंग में हुई एक कथित दुर्घटना के चलते भर्ती कराया है, जिसके बाद वह वहां से चली गई। किशन की मृत्यु के बाद पोस्टमॉर्टम जांच से पता चला कि उसके सिर पर किसी कुंद हथियार से हमला किया गया था और गला घोंटकर उसकी हत्या की गई थी, जिसके कारण आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि आरोपियों ने यह दावा करके अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास किया कि मौत दुर्घटना के कारण हुई है।

यायाधीश ने कहा कि यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण होगा कि अभियोजन पक्ष का पूरा मामला पारिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है, जिसमें प्रत्येक परिस्थिति का पूरी तरह से सिद्ध होना आवश्यक है।

गाली-गलौच, मारपीट मामले में चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

उत्तम भारत संवाददाता

बिलासपुर। घर में घुसकर गाली-गलौच, मारपीट तथा सामान में तोड़फोड़ की एक व्यक्ति ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। खजुरिया थाने में नगर के मुहल्ला टांडा हुरमतनगर के रहने वाले मोहम्मद आसिफ ने रविवार को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि बीती नौ सितंबर की रात नौ बजे मुहल्ले के

ही रहने वाले फरमान, राहुल, फिरोज व वसीम उनके घर में जबरन तरीके से घुस आए और गाली-गलौच करने लगे, आरोप है कि जब विरोध किया तो, उक्त लोग मारपीट पर उतारू हो गए और घर में खड़ी बाइक में तोड़फोड़ की गई, लोगों को आता देख उक्त लोग जान से मारने की धमकियां देते हुए फरार हो गए। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब मामले को लेकर बिलासपुर कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया गया तो, पुलिस ने उक्त दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई।

P-09:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 5:36 PM Page 1

तमिलनाडु ने नीलगिरी में प्लास्टिक की बोतलों पर रोक लगाने के लिए कड़ी की जांच

चेन्नई। तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (ऊटी क्षेत्र) ने नीलगिरी जिले में प्लास्टिक प्रतिबंध को सख्ती से लागू कराने के लिए नया निर्देश जारी किया है। अब ऊटी और नीलगिरी की ओर जाने वाली बसों में यात्री प्रतिबंधित प्लास्टिक की पेयजल और शीतल पेय की बोतल लेकर नहीं जा सकेंगे।

शिकायत मिल रही थी कि प्रतिबंध के बावजूद यात्री अभी भी प्लास्टिक बोतलें लेकर पहाड़ी क्षेत्रों में जा रहे हैं। इसके बाद ऊटी क्षेत्र के तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम महाप्रबंधक एम. जयशंकर ने सभी ड्राइवरों और कंडक्टरों को स्पष्ट आदेश दिया है कि वे यात्रियों को बस रवाना होने से पहले ही इसके बारे में बता दें।

निर्देश में कहा गया है कि मेट्टूपालयम बस स्टैंड (कोयम्बटूर) से नीलगिरी की ओर जाने वाली सभी बसों में चालक और परिचालक यह सुनिश्चित करें कि कोई भी यात्री प्रतिबंधित प्लास्टिक सामान लेकर न जाए। बस स्टैंड के जिम्मेदार अधिकारियों को भी बसों की निगरानी करने को कहा गया है।

आदेश में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि किसी कर्मचारी ने इस नियम का पालन नहीं कराया, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

यह कदम नीलगिरी के पर्यावरण को सुरक्षित रखने और पर्यटन मार्गों पर फैलने वाले कचरे को कम करने के लिए उठाया गया है। प्रशासन कई वर्षों से इस क्षेत्र में प्लास्टिक पर कड़ा प्रतिबंध लागू कर रहा है।

जयशंकर ने यह भी बताया कि केवल लिखित आदेश ही नहीं, बल्कि ड्राइवर और कंडक्टरों को यात्रियों को मौखिक निर्देश भी दिए जाएंगे कि वे प्लास्टिक बोतलें न रखें। यह घोषणा बस के मेट्टूपालयम से चलने से पहले अवश्य की जाए।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश केवल ऊटी क्षेत्र की बसों के लिए नहीं है, बल्कि अन्य क्षेत्रों से नीलगिरी की ओर जाने वाली बसों में भी यही नियम लागू होगा। जयशंकर ने कहा, अन्य टीएनएसटीसी शाखाओं से नीलगिरी के गंतव्यों तक चलने वाली बसों के ड्राइवरों और कंडक्टरों को भी यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि यात्री प्रतिबंध का पालन करें।

प्रशासन का मानना है कि स्रोत पर ही रोक लगाने से नीलगिरी जैसे संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे के प्रवेश को काफी हद तक रोका जा सकेगा।

कार्यकर्ताओं ने सेलिब्रेट किया तेजस्वी यादव का जन्मदिन, राजद नेता ने जताया बिहार के सभी लोगों का हृदय से आभार

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच जहां विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता चुनावी अभियान में तोकत झोंक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भारी संख्या में राष्ट्रीय जनता दल(राजद) के कार्यकर्ता पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास पर तेजस्वी यादव का जन्मदिन मनाने और शुभकामनाएं देने के लिए पहुंचे।

पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास पर पहुंचे राजद कार्यकर्ताओं ने कहा कि हम यहां केवल अपने नेता का जन्मदिन मनाने आए हैं। हम उनकी लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वे बिहार की सेवा करते रहेंगे। हम चाहते हैं कि वे बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं और राज्य और देश में शीर्ष स्थान पर पहुंचें। तेजस्वी यादव के समर्थकों ने एक दूसरे को लड्डू खिलाए।

तेजस्वी यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा, ÷बिहार के जनप्रिय 'नौकरी-नायक' युवा नेता तेजस्वी यादव को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और बिहार के आगामी मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने की अनंत शुभकामनाएं।÷

राजद नेता राकेश रोशन ने एक्स पोस्ट में लिखा, ÷जन-जन की उम्मीद, युवाओं के प्रेरणास्रोत बिहार के भावी मुख्यमंत्री तेजस्वी

यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व में बिहार ने रोजगार, शिक्षा, सम्मान और खुशहाली के नए सपने देखे हैं। आपका संघर्ष, समर्पण और दूरदृष्टि ही आज लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ईश्वर आपको दीर्घायु करें और शक्ति दें ताकि न्याय, समानता और विकास का यह सफर निरंतर आगे बढ़ता रहे। जनता को भरोसा है बदलाव अब रुकने वाला नहीं। तेजस्वी यादव ने अपने जन्मदिन को बीती रात परिवार संग केक काटकर सेलिब्रेट किया। इस दौरान उनके साथ पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव-राबड़ी देवी और बहन रोहिणी आचार्य मौजूद रहीं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जूनागढ़ में 'एकता मार्च' को हरी झंडी दिखाई

जूनागढ़। गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में लगातार कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जूनागढ़ में 'एकता मार्च' को हरी झंडी दिखाई।

जूनागढ़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सरदार चौक स्थित सरदार साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री को सरदार पटेल की प्रतिमा भेंट की गई। इसके बाद सभी ने आत्मनिर्भर भारत की शपथ ली।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, राष्ट्र सरदार पटेल की विरासत का जश्न मना रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी को जूनागढ़ मुक्ति दिवस की भी बधाई दी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बताया कि इस मार्च में समाज के सभी वर्ग, महाविद्यालयीन विद्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस, माई भारत स्वयंसेवक, सहकारी संस्थाएं, विभिन्न राजनीतिक दल, धार्मिक संस्थाएं, स्थानीय संत, पूर्व सैनिक और उनके परिवार, खिलाड़ी, सामाजिक संगठन से जुड़े नागरिकों ने हिस्सा लिया और वातावरण

को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

वहीं, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ÷लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'सरदार१५०' एकता मार्च के अंतर्गत आयोजित राज्यव्यापी पदयात्रा का शुभारंभ जूनागढ़ से पूज्य संतों और साथी मंत्रियों की उपस्थिति में हुआ।÷

उन्होंने लिखा, ÷9 नवंबर 1947 को जूनागढ़ नवाबी शासन से स्वतंत्र होकर भारत में विलीन हो गया, जिसे जूनागढ़ मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह विशेष प्रसन्नता की बात है कि सरदार वल्लभभाई पटेल और आरजी सरकार के सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान के कारण जूनागढ़ के भारत में विलय के इस यादगार दिन पर यह पदयात्रा आयोजित की गई।÷

एक अन्य पोस्ट में मुख्यमंत्री ने लिखा, ÷सरदार साहब के अखंड भारत के संकल्प को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह अमित शाह ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के मंत्र के साथ और भी सुदृढ़ किया है। उनके मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा 'एकता मार्च' देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोकर सभी की भागीदारी से विकास के पथ पर चलने के लिए प्रेरित करेगा।÷

उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हम सभी इस ऐतिहासिक मार्च में शामिल हों और लौह पुरुष सरदार पटेल के आदर्शों पर चलते हुए एक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को साकार करें।

राजद नेता तेजस्वी यादव बोले- बिहार में बदलाव के लिए वोट, जनता दे रही महागठंबधन को आशीर्वाद

पटना। बिहार में महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार और राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि पार्टी का सकारात्मक माहौल है और इस बार बदलाव के लिए वोट दिया जा रहा है। उन्होंने वीवीपैट पर्चियां मिलने और जगह-जगह सीसीटीवी गायब होने की जानकारी के बाद चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को पटना में मीडिया से बात करते हुए कहा, ÷आज दूसरे चरण के चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। माहौल बेहद सकारात्मक है। बिहार की जनता हमें आशीर्वाद दे रही है और इस बार बदलाव के लिए वोट दिया है। 11 नवंबर को फिर से जनता बदलाव के लिए वोट देगी।

इस दौरान, तेजस्वी यादव ने आरक्षण का मुद्दा उठाया और कहा कि न तो प्रधानमंत्री और न ही कोई केंद्रीय मंत्री उस 65 प्रतिशत आरक्षण पर बोल रहे हैं, जिसे हमारी 17 महीने की सरकार ने बढ़ाया था। उन्होंने आरोप लगाए कि भाजपा नेता इस मुद्दे से पूरी तरह बच रहे हैं।

राजद नेता ने भाजपा से 11 साल का हिसाब भी मांगा। उन्होंने कहा, पढ़ाई, कमाई, सिंचाई और दवाई पर सरकार को बात करनी चाहिए। 11 साल का हिसाब देना चाहिए और बताना चाहिए कि गुजरात और बिहार जैसे राज्यों को कितना और क्या-क्या दिया। इस पर सत्तापक्ष के लोग बात नहीं कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से 'कट्टा' सॉन्ग पर कटाक्ष को लेकर भी तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ÷भाजपा के नेता 65 प्रतिशत का आरक्षण खाकर ऐसी बातें कर रहे हैं। गुजरात में फैक्ट्री की बातें करते हैं और यहां बिहार में इस तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि सरकार को हिसाब देना चाहिए कि गुजरात को क्या दिया और बिहार को क्या दिया? चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए राजद नेता ने कहा, चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि जिस तरह पर्चियां पड़ी हुई मिली हैं, वे कैसे पाई गईं। अगर सीसीटीवी गायब किए जा रहे हैं, वीडियो गायब किए जा रहे हैं, तो सवाल उठेंगे।÷

क्या कोई गड़बड़ होने की कोशिश हो रही है? इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि इन लोगों को गड़बड़ करने दीजिए, कुछ नहीं होगा, क्योंकि राजद के समर्थन में भारी वोट पड़ रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पाकिस्तान से सक्रिय मूल आतंकवादियों के रिश्तेदारों व सहयोगियों के खिलाफ शुरू की कार्रवाई

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों (जेकेएनओपी) के रिश्तेदारों और सक्रिय आतंकवादियों (ओजीडब्ल्यू) की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए एक व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया।

पुलिस के एक आधिकारी ने बताया कि जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और शांति बनाए रखने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए पुलिस ने रामबन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अरुण गुप्ता की कड़ी निगरानी में बनिहाल और गूल में कई स्थानों पर समन्वित तरीके से घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

उन्होंने बताया कि इन अभियानों का उद्देश्य पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों (जेकेएनओपी) के रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों के इतिहास की पुष्टि करना और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी करना था। अभियान के दौरान पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर स्थित आतंकवादियों और उनके ओवर ग्राउंड वर्कर्स के रिश्तेदारों और ज्ञात सहयोगियों के घरों की तलाशी ली गई।

पुलिस टीमों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई परिसरों का गहन निरीक्षण किया कि कोई राष्ट्र-विरोधी या गैरकानूनी गतिविधियाँ तो नहीं चलाई जा रही थीं या उनका समर्थन तो नहीं किया जा रहा था। रामबन पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और एसओजी इकाइयों की संयुक्त टीमों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेटों के साथ मिलकर जिले भर के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में अभियान चलाया।

पदाधिकारी ने कहा कि अभियान आम जनता को कोई असुविधा पहुँचाए बिना एक संगठित तरीके से चलाए गए। साथ ही यह दोहराया कि इस तरह के अभियान क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बनाए रखने के लिए चल रहे निवारक और खुफिया-आधारित उपायों का एक हिस्सा हैं। पुलिस ने आम जनता से भी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने और अपने क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों या व्यक्तियों के बारे में कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने की अपील की है। साथ ही यह आश्वासन भी दिया है कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

तेजस्वी यादव को रोहिणी आचार्य समेत अन्य नेताओं ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच जहां राजनीतिक दल पूरी ताकत के साथ दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनावी मैदान में हैं, वहीं दूसरी ओर महागठबंधन की ओर से सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव को उनकी बहन रोहिणी आचार्य ने एक खास संदेश के साथ जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

रोहिणी ने तेजस्वी और अपने परिवार के साथ कुछ फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की।

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷उम्र कच्ची, मगर नियत सच्ची और जुबान पक्की, हमारे कर्मवीर-कर्तव्यनिष्ठ भाई तेजस्वी तुम्हारा हर सपना साकार हो, तुम बिहार के नौजवानों के साथ-साथ तमाम बिहारवासियों के सपनों को हकीकत में बदलो और तुम्हारा जीवन सदैव खुशियों से भरा हो, तुम बिहार के हर घर की खुशी की वजह बनो, तुम वंचितों की आवाज बनो, जन-जन की आस एवं विश्वास बनो, तुम जनता की ढाल बनो। इन्हीं शुभेच्छाओं के साथ तुम्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई ढेर सारा प्यार आशीर्वाद और स्नेह भाई।'

राष्ट्रीय जनता दल(राजद) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए पोस्ट किया, लिखा, नौकरी और रोजगार को देश में पहली बार राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाने वाले तेजस्वी यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। सरकारी नौकरी बनेंगी खुशियों का आधार, जब बनेगी तेजस्वी सरकार। चूकना नहीं है अबकी बार।÷

राजद प्रवक्ता प्रियंका भारती ने पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, ÷जन्मदिन मुबारक हो तेजस्वी यादव। बिहार की एकमात्र आशा, भारतीय राजनीति का भविष्य, एक आशावादी और दूरदर्शी सोच वाला इंसान, लालू यादव की विरासत, जिन्होंने सांप्रदायिक और जातिवादी ताकतों से कभी समझौता नहीं किया।÷

राजन नेता ऋषि कुमार ने पोस्ट किया, ÷बिहार के लोकप्रिय युवा नेता, गरीब-वंचितों की आवाज, संघर्ष और सेवा के प्रतीक तेजस्वी यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। आपका जीवन सदैव स्वस्थ, सफल एवं सुखमय रहे। आपके मार्गदर्शन में बिहार प्रगति व विकास की नई ऊंचाइयों को छुए, यही शुभकामना है। जन-सेवा में आपका योगदान सदैव प्रेरणादायक रहा है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

चेन्नई के चार मुख्य जलाशय भरे, आंध्र प्रदेश से कृष्णा नदी का पानी रोकने की गुहार लगाई

चेन्नई। तमिलनाडु शहर के चार प्रमुख जलाशयों के भरने की वजह से जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) ने आंध्र प्रदेश सरकार से अनुरोध किया है कि वह कंडलेरु बांध से कृष्णा नदी का पानी छोड़ना बंद कर दे ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके।

डब्ल्यूआरडी अधिकारियों के अनुसार, अंतर-राज्यीय जल-बंटवारा समझौते के तहत जुलाई और अक्टूबर के बीच चेन्नई को कृष्णा नदी से लगभग 3.7 हजार मिलियन क्यूबिक फीट (टीएमसीएफटी) पानी प्राप्त हुआ। आपूर्ति का पहला दौर 12 टीएमसीएफटी निर्धारित था, लेकिन उत्तर-पूर्वी मानसून से पहले अच्छी दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी बारिश के कारण स्थानीय जलाशयों में पहले से ही पर्याप्त भंडारण होने के कारण पानी छोड़ना कम कर दिया गया।

डब्ल्यूआरडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷उत्तर-पूर्वी मानसून की शुरुआत से पहले शहर में पर्याप्त भंडारण था, इसलिए कृष्णा नदी से केवल लगभग 3 टीएमसीएफटी पानी की आवश्यकता थी।÷

चार महीनों में कंडलेरू बांध से औसतन 300 से 400 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। उन्होंने आगे बताया कि हाल के हफ्तों में बारिश के कारण पूंडी, रेड हिल्स और चेम्बरमबक्कम जलाशयों से भी अतिरिक्त पानी का प्रवाह हुआ है।

अधिकारी ने बताया, ÷अनावश्यक अंतर्वाह और संभावित अतिप्रवाह से बचने के लिए आंध्र प्रदेश से पानी का निर्वहन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।÷

द्विपक्षीय समझौते के अनुसार, कृष्णा नदी से पानी छोड़ने का अगला चरण जनवरी और अप्रैल के बीच होने की उम्मीद है।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि आपूर्ति के लिए नया अनुरोध उस समय वर्षा के पैटर्न और जलाशय के स्तर पर निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा, यदि पर्याप्त भंडारण जारी रहता है, तो दूसरे चरण में देरी हो सकती है।

वर्तमान में, शहर के जलाशय 85 प्रतिशत भरे हुए हैं, जिनमें कुल मिलाकर 13 टीएमसीएफटी की क्षमता के मुकाबले 11 टीएमसीएफटी पानी है। भंडारण स्तर अगले कई महीनों तक चेन्नई की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त माना जाता है, भले ही मौसम के अंत में बारिश कम हो जाए।

पिछले कुछ दिनों में जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद, जल संसाधन विभाग ने शहर के जलाशयों से पानी का सुरक्षित स्तर बनाए रखने के लिए पानी छोड़ा है। पूंडी से 2,000 क्यूसेक, रेड हिल्स से 709 क्यूसेक और चेम्बरमबक्कम से 493 क्यूसेक पानी छोड़ा है।

अधिकारियों ने कहा कि चल रहे पूर्वोत्तर मानसून के दौरान भंडारण और सुरक्षित बहिर्वाह प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, टोकन प्रक्रिया जल्द, किसानों में उत्साह

धमतरी। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीद की प्रक्रिया 15 नवंबर से प्रारंभ होने जा रही है। जिले के किसान इस तैयारी में जुट गए हैं। मौसम खुलते ही खेतों में कटाई का दौर तेज हो गया है और किसान खुले आसमान के नीचे फसल सुखाने में लगे हुए हैं, ताकि बिक्री के समय किसी प्रकार की नमी की समस्या न रहे। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की घोषणा के साथ ही प्रशासनिक तैयारियां भी अंतिम चरण में हैं। जिले में लगभग 100 खरीदी केंद्र बनाए गए हैं, जहां पंजीकृत किसानों से धान की खरीदी की जाएगी। किसानों के लिए टोकन जारी करने की प्रक्रिया इस सप्ताह से शुरू हो सकती है। हालांकि आधिकारिक घोषणा अभी शेष है, लेकिन प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार टोकन तुहर हाथ पोर्टल और मोबाइल एप के माध्यम से टोकन वितरण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा विकसित 'टोकन तुहर हाथ' एंड्रॉइड एप के माध्यम से किसान अपनी सुविधा के अनुसार खरीदी केंद्र व तिथि का चयन कर सकेंगे। इस एप में पंजीकृत किसानों को उनकी भूमि, बैंक खाता, समिति की जानकारी और खरीदी की नवीनतम स्थिति से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध होगी।

किसान इसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार विभाग ने टोकन वितरण की श्रेणियां तय कर दी हैं। सीमांत कृषक (दो एकड़ तक) को अधिकतम एक टोकन, लघु कृषक (दो से 10 एकड़) को अधिकतम दो टोकन तथा दीर्घ कृषक (10 एकड़ से अधिक) को अधिकतम तीन टोकन जारी किए जाएंगे। नया टोकन रविवार से शुक्रवार सुबह साढ़े नौ बजे से शाम पांच बजे तक बनाया जा सकेगा। प्रत्येक ग्राम के लिए टोकन की मात्रा क्विंटल में दर्ज की जाएगी। टोकन जारी करने के लिए किसान का आधार सत्यापन और बैंक शाखा की पुष्टि अनिवार्य होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन किसानों का बैंक विवरण सत्यापित नहीं होगा, उन्हें टोकन जारी नहीं किया जा सकेगा। धान खरीदी प्रारंभ होने की घोषणा के साथ ही किसानों में उत्साह का माहौल है। अधिकांश किसानों ने खेतों से फसल काटकर सुखाना शुरू कर दिया है। प्रशासन का दावा है कि इस बार खरीदी व्यवस्था को और पारदर्शी व सुचारू बनाने के लिए डिजिटल प्रक्रिया को मजबूत किया गया है।

बिहार विस चुनाव : महिला और युवा वोटर लिखेंगे बिहार का भाग्य

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की पहले चरण की वोटिंग हो चुकी है। पहले चरण में हुई बंपर वोटिंग से राजनीतिक दलों और नेताओं में उत्साह का माहौल है। सत्ता की दौड़ में शामिल दोनों प्रमुख राजनीतिक गठबंधन चाहे जंगलराज से लेकर एसआईआर-वोटचोरी का मुद्दा उछाला है। वहीं पलायन-रोजगार, बाढ़ और सरकारी दफ्तरों में लगातार बढ़ता भ्रष्टाचार की गूंज भी चुनाव सभाओं में सुनाई दे रही है। पहले चरण की वोटिंग में युवाओं का उत्साह और महिला वोटरों की लंबी कतारों से एक बात तय हो गयी है कि महिला और युवा वोटर बिहार का भाग्य तय करेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम आंकड़ों के अनुसार, पहले चरण में कुल 65.08 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। यह आंकड़ा 2020 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 7.79 प्रतिशत और 2024 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले 8.8 प्रतिशत अधिक है। आयोग के मुताबिक, यह पिछले कई वर्षों की तुलना में सबसे बेहतर मतदान प्रतिशतों में से एक है। बीते 4 नवम्बर को जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बेगूसराय के साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र में लोजपा (रामविलास) उम्मीदवार सुरेंद्र विवेक के लिए प्रचार करने हेतु एक जनसभा को संबोधित किया, तो सबसे खास बात यह थी कि खचाखच भरी भीड़ में 60 फीसदी महिलाएं थीं। इसकी तुलना उसी विधानसभा क्षेत्र में राजद नेता तेजस्वी यादव की एक अन्य जनसभा से कीजिए। भीड़ में महिलाओं की उपस्थिति नगण्य थी। ये इतना बताने के लिए काफी है कि महिलाओं की बतौर वोटर पहली पसंद कौन हैं। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की रैलियों में महिलाओं की मौजूदगी में साफ अंतर बिहार चुनाव की कहानी बयां करता है। उल्लेखनीय है कि बिहार के कुल 7.43 करोड़ मतदाताओं में से 3.5 करोड़ महिला मतदाता हैं,जो उन्हें एक अहम वोट बैंक बनाता है जिसे नीतीश कुमार ने वर्षों से पोषित किया है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बेंगलुरु पहुंचे, राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने स्वागत किया

बेंगलुरु। कर्नाटक दौरे पर पहुंचे उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का बेंगलुरु में गर्मजोशी से स्वागत किया गया है। सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति का पदभार संभालने के लिए पहली बार कर्नाटक दौरे पर पहुंचे हैं। रविवार सुबह बेंगलुरु के येलहंका में स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उनका विमान उतरा, जहां राज्य के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने उपराष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी, शहरी विकास मंत्री सुरेश बीएस, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक एमए सलीम ने भी एयरफोर्स स्टेशन पहुंचकर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया। उपराष्ट्रपति को उनके आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बेंगलुरु के येलहंका एयरफोर्स स्टेशन से हेलीकॉप्टर के जरिए हासन जिले के श्रवणबेलगोला पहुंचेंगे। यहां उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन आचार्य श्री 108 शांति सागर महाराज की स्मृति में आयोजित समारोह में हिस्सा लेंगे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यह आयोजन चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शांति सागर महाराज की 1925 में श्रवणबेलगोला की प्रथम यात्रा के शताब्दी वर्ष का प्रतीक है।

इस स्मरणोत्सव के दौरान उपराष्ट्रपति आचार्य श्री शांति सागर महाराज की मूर्ति स्थापना समारोह और चौथी पहाड़ी के नामकरण समारोह में भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, सीपी राधाकृष्णन मैसूर स्थित जेएसएस अकादमी के 16वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे, जो जगदुरु श्री वीरसिंहासन महासंस्थान मठ से जुड़ी हुई है। यहां उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन छात्रों को भी संबोधित करेंगे।

उपराष्ट्रपति कर्नाटक के सबसे प्रमुख मठ केंद्रों में से एक, सुत्तूर मठ के पुराने परिसर का भी दौरा करेंगे। वे मैसूर के निकट श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर और मांड्या के मेलकोट स्थित चेलुवनारायण स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

संगठित हिंदू समाज धार्मिक ज्ञान के माध्यम से दुनिया को शांति और खुशी दे, यही एकमात्र विजन: डॉ. भागवत

बेंगलुरू। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संगठन का ध्येय सुस्पष्ट है, संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित कर अच्छे इरादों वाला मजबूत समाज बनाना। यह संगठित हिंदू समाज धार्मिक ज्ञान के माध्यम से दुनिया को शांति और खुशी दे, यही हमारा एकमात्र विजन है। इसे प्राप्त करने के बाद संघ को किसी अन्य लक्ष्य की आवश्यकता नहीं है। संगठित समाज बाकी काम कर देगा।

बेंगलुरु में आयोजित संघ शताब्दी व्याख्यानमाला के दूसरे दिन रविवार को प्रश्नों का उत्तर देते हुए सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा, संगठन के अस्तित्व और कानूनी वैधता पर सवाल उठाने की जरूरत नहीं है। अदालत, सरकार और कर विभाग, सभी ने संगठन को मान्यता दी है।

भागवत ने कहा, संघ की स्थापना साल 1925 में हुई थी। उस समय हम अंग्रेजों के खिलाफ लड़ रहे थे। तो फिर उनकी सरकार में जाकर पंजीकरण कराना कैसे संभव है? आजादी के बाद के भारत में भी पंजीकरण अनिवार्य नहीं है। क़ानून के अनुसार, यह संस्था व्यक्तियों के समूह की श्रेणी में आती है। जब आयकर विभाग ने कर लगाया, तो अदालत ने गुरु दक्षिणा को कर-मुक्त घोषित कर दिया। हालाँकि सरकार ने संस्था पर तीन बार प्रतिबंध लगाया लेकिन अदालत ने हर बार उसे रद्द कर दिया। इसलिए, संस्था को क़ानूनी मान्यता प्राप्त है।

अगले बीस वर्षों के विजन के बारे में बोलते हुए भागवत ने कहा, हमारा मिशन स्पष्ट है, संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना, अच्छे इरादों वाला एक मजबूत समाज बनाना। यह संगठित हिंदू समाज धार्मिक ज्ञान के माध्यम से दुनिया को शांति और खुशी दे। यही हमारा एकमात्र विजन है। इसे प्राप्त करने के बाद संघ को किसी अन्य लक्ष्य की आवश्यकता नहीं है। संगठित समाज बाकी काम कर देगा। अल्पसंख्यकों से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में भागवत ने कहा, उन्होंने कहा कि संघ जाति, धर्म या संप्रदाय के आधार पर किसी के लिए अपने दरवाजे बंद नहीं करता। हर कोई %भारत माता का पुत्र होने की भावना के साथ शाखा में भाग ले सकता है।

साय से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में कल देर रात मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उप राज्यपाल श्री सिन्हा ने श्री साय को माता वैष्णो देवी का पवित्र प्रसाद भेंट किया।

पलक्कड़ में कार के पेड़ से टकराने से तीन युवकों की मौत

पलक्कड़। केरल में चित्तूर-पलक्कड़ मार्ग पर कोडुम्बा के पास कलिंगल में शनिवार रात एक सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि एक जंगली सूअर के सामने आ जाने के बाद कार पेड़ से टकराकर खेत में पलट गई। मृतकों की पहचान रोहन (24), रोहन संतोष (22) और सनूश (19) के रूप में हुई है। जबकि कार चालक आदित्यन (23), ऋषि (24) और जितिन घायल हो गए और उन्हें पलक्कड़ के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया कि सभी युवक दोस्त थे और पलक्कड़ शहर के आसपास के इलाकों के रहने वाले थे। ये सभी युवक छुट्टियों मना कर चित्तूर से पलक्कड़ लौट रहे थे। जंगली सूअर को सड़क पार करता देख चालक का कार पर से नियंत्रण कमजोर हो गया।

P-10:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 4:56 PM Page 1

झारखंड में ठंडी हवाओं ने बढ़ाई ठंडक, तापमान में तीन डिग्री तक आई गिरावट

रांची। झारखंड में सर्द हवाओं ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। राज्य के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटे में तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले तीन दिनों में ठंड और ज्यादा बढ़ने की संभावना है, जिससे लोग ठंड से बचाव के लिए सतर्क रहें। राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश जिलों में सुबह और रात के समय ठंडक का असर साफ महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर दिशा से लगातार ठंडी हवाएं प्रवाहित हो रही हैं, जिससे न्यूनतम तापमान में और गिरावट आएगी। इन हवाओं के कारण सुबह के वक्त घना कोहरा छाने की संभावना भी बनी हुई है, जो शहरों-गांवों की दृश्यता को प्रभावित कर सकता है।

राज्य में फिलहाल सबसे कम तापमान लातेहार में 11.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, रांची में अधिकतम तापमान 25.4 और न्यूनतम 15.2 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर में दिन का पारा 2.8 डिग्री और रात का तापमान 1.4 डिग्री तक गिरा है। चाईबासा का अधिकतम तापमान 31.8 और न्यूनतम 16.6 डिग्री तक दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग ने चेताया है कि अगले तीन दिनों में रात का तापमान तीन से चार डिग्री तक और कम हो सकता है। इसके चलते सुबह और शाम के वक्त ठंड से बचाव के लिए लोगों को गरमी वाले कपड़े पहनने और बाहर निकलते समय सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विभाग ने आगे बताया कि आने वाले 24 घंटे में राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री गिर सकता है। फिलहाल न्यूनतम तापमान 13 से 14 डिग्री के बीच दर्ज हो रहा है, जो घटकर 11 डिग्री के करीब पहुंच जाएगा।

अधिकतम तापमान दिन के समय 26 से 28 डिग्री के बीच रहेगा। दोपहर के समय तेज धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी। हालांकि सुबह-शाम की ठंडक बढ़ने के कारण बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। इस मौसम परिवर्तन के चलते राज्य के कई इलाकों में किसानों और आम लोगों को नया संयोजन करना पड़ सकता है। ठंड के कारण फसलों पर असर पड़ने और सड़क मार्गों पर कोहरे से दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहेगा। इसलिए मौसम विभाग की जारी चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए नागरिकों को सजग रहना चाहिए।

झारखंड में अब आने वाले दिनों में ठंड और तेज होगी, इसलिए सभी लोग अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखें और आवश्यकतानुसार गर्म कपड़ों का उपयोग करें।

हड़ताल टालने के प्रयास में जुटी सरकार, स्वास्थ्य मंत्री मेडिकल कॉलेज शिक्षक संघ से करेंगी बात

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सेवाओं को ठप कर देने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल को रोकने के प्रयास में जुटी है। इस प्रयास में राज्य का स्वास्थ्य विभाग सोमवार को केरल सरकारी मेडिकल कॉलेज शिक्षक संघ (केजीएमसीटीए) के साथ सुलह वार्ता करेगा।

स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज इस बैठक की अध्यक्षता करेंगी, जिसका उद्देश्य मेडिकल शिक्षक संघ की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करना और बातचीत के जरिए समाधान निकालना है।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि विभाग ने वेतन संशोधन, कर्मचारियों की कमी और बुनियादी ढांचे की कमी से जुड़े प्रमुख मुद्दों को सुलझाने के लिए केजीएमसीटीए के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि बातचीत के जरिए कोई सौहार्दपूर्ण समाधान निकल आएगा। सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के संकाय सदस्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले केजीएमसीटीए ने अपनी मांगों को लेकर इस सप्ताह से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है। इस विरोध प्रदर्शन से मेडिकल सेवाओं पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है, हालांकि आपातकालीन सेवाएं जारी रहेंगी। मेडिकल शिक्षक संघ महीनों से आंदोलन कर रहा है और सरकार पर बार-बार आश्वासन के बावजूद कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है। संघ ने पिछले महीने एक दिन के लिए ओपीडी का बहिष्कार किया था। सरकार द्वारा कथित रूप से कार्रवाई न करने के बाद, संघ ने अब पूर्ण हड़ताल के माध्यम से अपने आंदोलन को और तेज करने का फैसला किया है।केजीएमसीटीए के पदाधिकारियों के अनुसार, उनकी मुख्य मांगों में लंबे समय से लंबित वेतन संशोधन को तुरंत लागू करना, 2016 से बकाया राशि का भुगतान, वेतन विसंगतियों को दूर करना और कर्मचारियों की भारी कमी को दूर करने के लिए नए शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों का सृजन शामिल है। उन्होंने राज्य भर के मेडिकल कॉलेजों में रिक्त पदों को भरने और बुनियादी ढांचे व शिक्षण सुविधाओं को बेहतर करने की मांग की है।

धामी ने राज्य स्थापना दिवस पर शुभकामनाओं के लिए मोदी का आभार जताया

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रदेश की जनता की ओर से आभार जताया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उत्तराखंड के प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, ÷उत्तराखंड की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर राज्य के मेरे सभी भाई-बहनों को अनेकानेक शुभकामनाएं। प्रकृति की गोद में बसी हमारी यह देवभूमि आज पर्यटन के साथ-साथ हर क्षेत्र में प्रगति की नई रफ्तार भर रही है। प्रदेश के इस विशेष अवसर पर मैं यहां के विनम्र, कर्मठ और देवतुल्य लोगों की सुख-समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।÷

इसके प्रत्युत्तर में मुख्यमंत्री धामी ने एक्स पर लिखा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर आपकी स्नेहपूर्ण शुभकामनाओं एवं आशीर्वाद के लिए समस्त प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार।

आपके दूरदर्शी नेतृत्व और सतत मार्गदर्शन में उत्तराखंड अपनी विकास यात्रा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित कर रहा है। आपकी प्रेरणा से उत्तराखंड ने अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल होकर सुशासन, जनकल्याण और सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने आगे लिखा, आपका सान्निध्य हमें सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर उत्तराखंड के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रेरित करता है।

उल्लेखनीय है कि आज उत्तराखंड अपनी स्थापना का रजत जयंती महोत्सव मना रहा है। जिसमें स्थानीय वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) परिसर में एक भव्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। जिसे प्रधानमंत्री श्री मोदी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में लगभग पचहत्तर हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

प्रधानमंत्री इस अवसर पर, 8140 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। ये परियोजनाएँ मुख्यतः पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों से संबंधित हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री दो प्रमुख जलविद्युत क्षेत्र से संबंधित परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। श्री मोदी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 28,000 से अधिक किसानों के खातों में 62 करोड़ रुपये की राशि भी सीधे जारी करेंगे। प्रधानमंत्री उत्तराखंड राज्य गठन की रजत जयंती समारोह में दोपहर लगभग 12:30 बजे पहुंचेंगे। इस अवसर पर वे एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे।

देश में बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या के जिम्मेदार कांग्रेस, टीएमसी और राजद जैसी पार्टियां : निशिकांत दुबे

भागलपुर। बिहार चुनाव अपने अंतिम दौर में हैं। इसी बीच भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस, राजद (राष्ट्रीय जनता दल) और तमाम विपक्षी पार्टियों पर देश में घुसपैठियों को बसाने और बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या की जिम्मेदार विपक्षी पार्टियां हैं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बिहार के तीन जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठियों का बोलबाला होने के दावे को दोहराते हुए कहा, ÷मैंने तीन जिले सिर्फ बिहार के बताए, जिनमें किशनगंज, अररिया और कटिहार की सीटें हैं। लेकिन मालदा, मुर्शिदाबाद और दिनाजपुर भी हैं। हमारे यहां पाकुड़, साहिबगंज और जामताड़ा भी हैं। यह पूरा का पूरा कॉरिडोर है, जो बांग्लादेशी घुसपैठियों से भर गया है। यह चिंतनीय विषय है।

दुबे ने आदिवासियों की घटती जनसंख्या पर चिंता जताते हुए कहा, हमारे यहां संथाल में 1951 में आदिवासी 45 प्रतिशत के करीब हुआ करते थे। आज 26-27 प्रतिशत हो गए हैं। जनगणना हो जाए तो वे 22-23 प्रतिशत हो जाएंगे। सभी दल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की बात करेंगे, लेकिन आदिवासी घट रहे हैं। 19-20 प्रतिशत आदिवासी कहां गए?

उन्होंने कहा, आज के समय में मुसलमान 9 से बढ़कर 26 प्रतिशत हो गए। यह कौन मुसलमान है? जल-जंगल-जमीन के असली हकदार हमारे आदिवासी भाई हैं। हमारे भाइयों की जमीन के ऊपर बांग्लादेशी कब्जा करके बैठे हुए हैं। इस हालत के लिए कौन जिम्मेदार है–कांग्रेस, तृणमूल

कांग्रेस (टीएमसी), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वीआईपी जैसी पार्टियां।

भाजपा सांसद ने कहा, सभी विपक्षी पार्टियां मिलकर वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। ये सभी पार्टियां पाकिस्तान परस्त और बांग्लादेश परस्त राजनीति कर रहे हैं। ये सिर्फ मुस्लिम वोट लेने के लिए ऐसी राजनीति करते हैं। लेकिन बिहार चुनाव का परिणाम उन पर सबसे बड़ा प्रहार होगा, जिसके बाद सभी तुष्टिकरण की राजनीति भूल जाएंगे।

चुनाव के दूसरे चरण के लिए रविवार को शाम छह बजे तक राजनीतिक पार्टियों का प्रचार-प्रसार थम जाएगा। दूसरे चरण में बिहार की 122 सीटों पर 11 नवंबर को मतदान होगा। इससे पहले 6 नवंबर को पहले चरण में 121 सीटों के लिए मतदान संपन्न हुआ था, जिसमें रिकॉर्ड करीब 65.08 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। बिहार चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को आएंगे।

तेजस्वी के आरक्षण बयान पर चिराग पासवान ने कहा- लोगों को डराकर वोट हासिल करने की सोच गलत

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में दूसरे चरण के मतदान के लिए रविवार को चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राजद नेता तेजस्वी यादव को उनके हालिया बयानों को लेकर निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि लोगों को डराकर वोट हासिल करने की रणनीति और सोच गलत है।

पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि हर चुनाव में विपक्षी दलों के नेता मुद्दों से भटक जाते हैं और बेवजह के मुद्दों पर लोगों को गुमराह कर वोट हासिल करना चाहते हैं। विपक्षी दलों की यह सोच ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनाव से पहले एसआईआर जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे, दावा किया जा रहा था कि एसआईआर के जरिए लोगों के वोट काटे जा रहे हैं, क्या आपको कोई ऐसा मतदाता मिला जिसने कहा कि उसका वोट काट लिया गया? यह लोग ईवीएम को दोष देते रहे, जब कोई नया बहाना नहीं मिला तो एसआईआर को नया मुद्दा बनाया।

चिराग पासवान ने कहा कि एसआईआर का न तो सरकार से और न ही हमारे राज्य के लोगों से कोई लेना-देना है। हर चुनाव में विपक्ष ने हमेशा भ्रम फैलाने की कोशिश की है। आप देखेंगे, यह

विपक्ष की रणनीति का हिस्सा बन गया है, जब भी चुनाव आते हैं, वे एक झूठी कहानी बनाते हैं, गलत सूचना फैलाते हैं और डर पैदा करने की कोशिश करते हैं। लोकसभा चुनाव में भी देखा गया था कि विपक्ष ने भ्रम फैलाया कि एनडीए की सरकार फिर से आई तो देश में आरक्षण और संविधान खत्म कर दिया जाएगा। पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल को सवा साल से ज्यादा हो गया है। मैं विपक्षी दलों के नेता से पूछता कि क्या संविधान खत्म हो गया और लोकतंत्र खत्म हो गया।

एसआईआर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर विपक्षी दलों को लगता है कि एसआईआर उनके लिए मुद्दा है तो एक बार भी अधिकृत आपत्ति दर्ज क्यों नहीं करवाई? अगर आपको चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है तो सुप्रीम कोर्ट जाइए, दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। लोगों को डराकर वोट हासिल करने की सोच गलत है।

राजद नेता अजीत सिंह का पीएम से सवाल, 11 वर्षों में आपने बिहार के विकास के लिए कितना बजट दिया

कैमूर। बिहार चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान से पहले राजद नेता अजीत सिंह ने कहा कि महागठबंधन की जीत ही कैमूर और बिहार के विकास की नई दिशा तय करेगी। उन्होंने कहा कि अगर कैमूर जिले का असली विकास चाहिए, तो भाजपा, जदयू और उनके सहयोगी दलों को निर्णायक रूप से हराना जरूरी है।

अजीत सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह सोचने वाली बात है। आप कल्पना कीजिए, जब देश के शीर्ष नेता 'कट्टा' और 'सिक्सर के छह गोली' जैसे शब्दों से राजनीति करेंगे, तो देश के बाकी लोगों और बिहार के युवाओं के मन में क्या प्रभाव पड़ेगा? ऐसे शब्द बिहार की आने वाली पीढ़ियों पर नकारात्मक असर डालते हैं और यह राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाने

वाला है।

वहीं पटना में राजद सांसद संजय यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ÷प्रधानमंत्री जी, आप 11 साल से सत्ता में हैं और एनडीए ने बिहार में करीब 20 साल तक शासन किया है। अगर कोई असली उपलब्धि है, तो बताइए। इन 11 वर्षों में बिहार के विकास के लिए आपने कितना बजट दिया और गुजरात के मुकाबले बिहार को कितना हिस्सा मिला?

संजय यादव ने कहा कि बिहार के लिए केंद्र सरकार ने आखिर अब तक क्या किया है? इन वर्षों में बिहार में कितने उद्योग लगाए गए? कितनी नई फैक्ट्रियां खोली गईं? कुल कितना निवेश आया? जनता को यह जानने का हक है।

पीएम मोदी ने बिहार में एक चुनावी जनसभा में राजद के जंगलराज का जिक्र करते हुए 'कट्टा सरकार' की बात कही थी। ÷आएगी भैया की सरकार, सरकार बनेगी रंगदार, मारब सिक्सर के छह गोली छाती में÷ जैसे गानों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि बिहार के लोग जंगलराज की वापसी नहीं चाहते।

बिहार में दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को वोटिंग की जाएगी, जिसके लिए रविवार की शाम चुनाव प्रचार थम जाएगा। चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

सीएम धामी ने राज्य को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लेने का किया आह्वान

देहरादून। उत्तराखंड रविवार को अपना 25वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को उत्तराखंड दिवस की बधाई दी। उन्होंने प्रदेश के लोगों से राज्य को 'सद्भावपूर्ण, सशक्त और आत्मनिर्भर' बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

देवभूमि कहे जाने वाले उत्तराखंड को 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग करके भारत का 27वां राज्य बनाया गया था। यह दिन एक जनांदोलन से संतुलित विकास, आस्था और आधुनिकता के एक आदर्श राज्य बनने की उसकी यात्रा को श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से एक वीडियो संदेश शेयर किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने वीडियो संदेश में प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ÷यह हम सभी के लिए बहुत गौरव की बात है कि पिछले 25 वर्षों में देवभूमि उत्तराखंड ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और रोजगार के क्षेत्र में सराहनीय प्रगति की है, जिसके हम सभी साक्षी रहे हैं।÷

सीएम धामी ने पिछले 25 वर्षों में राज्य की उपलब्धियों का श्रेय उत्तराखंड के गठन के लिए संघर्ष करने वाले लोगों और हजारों आंदोलनकारियों को दिया।

उन्होंने आगे कहा, ÷हमारी विरासत, सांस्कृतिक धरोहर, हमारी भाषा और हमारे कर्म, यहां के मेहनती देवतुल्य लोगों

ने हमेशा यह साबित किया है कि उत्तराखंड अनंत संभावनाओं की भूमि है। देवभूमि उत्तराखंड मुक्ति की भूमि के साथ-साथ ज्ञान की भूमि के रूप में भी प्रसिद्ध है।

सीएम ने कहा, ÷इस रजत जयंती पर आइए हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि देवभूमि उत्तराखंड एक सामंजस्यपूर्ण, सशक्त और आत्मनिर्भर उत्तराखंड बने और देश के अग्रणी और सबसे सम्मानित राज्य के रूप में स्थापित हो।÷

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को उत्तराखंड के रजत जयंती समारोह में शामिल होने के लिए देहरादून आएंगे। इस दौरान पीएम मोदी 8,140 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इनमें 930 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और 7,210 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

जूनागढ़ मुक्ति दिवस: यूनिटी मार्च से गूंजा एकता का संदेश, सीएम भूपेंद्र पटेल ने किया शुभारंभ

जूनागढ़। गुजरात के ऐतिहासिक शहर जूनागढ़ में जूनागढ़ मुक्ति दिवस के अवसर पर राज्यव्यापी यूनिटी मार्च की भव्य शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सुबह 7 बजे इस पदयात्रा का उद्घाटन किया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से मनाई जा रही सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का हिस्सा है। इस आयोजन में हजारों लोग शामिल हुए, जिन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' की शपथ ली और देश की एकता व अखंडता का संकल्प दोहराया।

यह मार्च राज्य सरकार के खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों विभाग तथा जूनागढ़ जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। 1947 में 9 नवंबर को जूनागढ़ नवाबी शासन से मुक्त होकर भारत का अभिन्न अंग बना था। सरदार पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से यह विलय संभव हुआ, जिसे 'जूनागढ़ मुक्ति दिवस' के रूप में याद किया जाता है। इस वर्ष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर इस ऐतिहासिक तिथि को चुना जाना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह न केवल इतिहास की स्मृति ताजा करता है, बल्कि युवा पीढ़ी को एकजुट भारत के निर्माण की प्रेरणा भी देता है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मार्च का शुभारंभ करते हुए कहा, ÷सभी को बधाई। जूनागढ़ मुक्ति दिवस पर सोरठ निवासियों को शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सरदार पटेल की विरासत का जश्न मना रहा है।÷ उनके साथ जूनागढ़ जिला प्रभारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. प्रद्युमनभाई वाजा, जिला सह-प्रभारी विधि राज्य मंत्री कौशिकभाई वेकरिया, महापौर धर्मेश पोशिया, विधायक एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। एक आधिकारिक वीडियो में सीएम पटेल को मार्च का नेतृत्व करते देखा गया, जहां 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का नारा लगाया गया।

पदयात्रा में समाज के हर वर्ग ने भाग लिया। कॉलेज छात्र, एनसीसी-एनएसएस कैडेट्स, माई भारत वॉलेंटियर्स, सहकारी संगठन, राजनीतिक दल, औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संगठन, धार्मिक संस्थाएं, साधु-संत, इन्फ्लूएंसर्स, पूर्व सैनिक परिवार, खिलाड़ी, प्रगतिशील किसान, प्रबुद्ध नागरिक, कामगार, सामाजिक संस्थाएं, स्थानीय निकाय पदाधिकारी, स्वयं-सहायता समूह और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। मार्च शहर की प्रमुख सड़कों से गुजरा, जहां प्रतिभागियों ने तिरंगा लहराया और सरदार पटेल के चित्रों के साथ कदम मिलाए। अंत में सभी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत शपथ ली, जिसमें नशा मुक्ति, वोकल फॉर लोकल और पर्यावरण संरक्षण जैसे संकल्प शामिल थे।बता दें कि यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर हो रहे यूनिटी मार्च का हिस्सा है, जो 31 अक्टूबर से 26 नवंबर तक चलेगा।

बिहार में बनेगी एनडीए सरकार फिर तेजस्वी यादव जाएंगे जेल: अश्विनी चौबे

पटना। बिहार चुनाव के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे ने महागठबंधन की ओर से सीएम पद के उम्मीदवार व राष्ट्रीय जनता दल(राजद) नेता तेजस्वी यादव के सीएम बनने वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव उस परिवार से आते हैं, जिसने सिर्फ भ्रष्टाचार किया। ऐसे परिवार के लोगों को बिहार की जनता कभी सत्ता की चाबी नहीं दे सकती।

पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा नेता ने कहा कि लालू प्रसाद यादव के परिवार का कोई भी नेता कभी बिहार का मुख्यमंत्री नहीं बन सकता। तेजस्वी यादव शपथ लेने की बात करते हैं, वे सीएम की शपथ लेने की बात छोड़ जेल जाने की तैयारी करें।

बिहार चुनाव का परिणाम एनडीए के पक्ष में आएगा। प्रदेश में अगली सरकार एक बार फिर से एनडीए बनाएगी और इसके बाद तेजस्वी यादव को जेल जाना होगा। उन्होंने कहा कि आरक्षण

की बात करने वाले तेजस्वी यादव को पता होना चाहिए कि भाजपा ने हमेशा आरक्षण का समर्थन किया है और हमने आरक्षण देकर भी दिखाया है।

भाजपा नेता ने कहा कि जिनका पूरा जीवन कुशासन का रहा है वे सुशासन को चुनौती देने के लिए निकले हैं।

राजद कार्यकाल में जगंलराज दौर का जिक्र करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि हम लोगों ने 90 का दशक देखा है। खौफनाक मंजर आज भी लोगों को डरा जाता है। 2005 से राजद को बिहार की सत्ता से उखाड़ कर फेंकने के बाद कभी जनता ने मौका नहीं दिया। इसी तरह 14 नवंबर को चुनाव का परिणाम आएगा और विपक्षी दलों का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

अश्विनी चौबे ने कहा कि लालू प्रसाद यादव तो देश में भ्रष्टाचार के जननी के तौर पर विख्यात हैं, ऐसे परिवार को बिहार की जनता कभी भी मौका नहीं दे सकती है। राहुल-तेजस्वी यादव को निशाने पर लेते हुए भाजपा नेता अश्विनी चौबे ने कहा कि 14 नवंबर को चुनाव परिणाम आने के बाद वे बंगाल की खाड़ी में नजर आएंगे।

उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के सीएम बनने का सपना कभी पूरा नहीं होगा। बिहार को लूटने वालों को बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 122 सीटों पर मतदान होना है। 11 नवंबर को मतदान संपन्न होने के बाद 14 नवंबर को परिणाम घोषित किया जाएगा।

आतंकी नेटवर्क को खत्म करने की कार्रवाई तेज, कई इलाकों में चलाए गए विशेष तलाशी अभियान

रामबन/कुलगाम। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क को जमीनी स्तर से उखाड़ फेंकने के निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। रविवार को आतंकवाद और उसके समर्थक नेटवर्क के प्रति जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत कुलगाम और रामबन जिले में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

रामबन जिले में पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और एसओजी इकाइयों की संयुक्त टीमों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेटों के साथ मिलकर जिलेभर के अलग-अलग संवेदनशील इलाकों में अभियान चलाया। ये अभियान आम जनता को किसी भी तरह की असुविधा पहुंचाए बिना, संगठित तरीके से चलाए गए। इसका उद्देश्य पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों (जेकेएनओपी) के रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में जानकारी जुटाना और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी करना था।

अभियानों के दौरान सुरक्षाबलों ने रामबन के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय आतंकवादियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के रिश्तेदारों और ज्ञात सहयोगियों के घरों की तलाशी ली। पुलिस टीमों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई परिसरों का गहन निरीक्षण किया कि राष्ट्र-विरोधी या गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा तो नहीं दिया जा रहा है।

पुलिस ने आम जनता से एजेंसियों के साथ सहयोग करने और अपने क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों या व्यक्तियों के बारे में कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने की अपील की। इसके साथ ही, आश्वासन दिया गया कि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

इसी तरह, कुलगाम में सुरक्षाबलों ने जिले के कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की। इस अभियान में ओजीडब्ल्यू, यूएपीए और पीएसए के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों, समर्थकों और मारे गए व सक्रिय आतंकवादियों के रिश्तेदारों के घर और अन्य ठिकानों की तलाशी ली गई। अभियान के दौरान कई संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

चारा घोटाला करने वाला परिवार आरक्षण पर बोलते हुए अच्छा नहीं लगता: सम्राट चौधरी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच महागठबंधन की ओर से सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के आरक्षण पर दिए बयान पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पलटवार किया। चौधरी ने कहा कि चारा घोटाला करने वाले परिवार के लोग आरक्षण पर बोलते हुए अच्छे नहीं लगते हैं।

पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि दूसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। हम लोगों का आशीर्वाद मांग रहे हैं और उनसे एक बार फिर एनडीए सरकार बनाने और बिहार में विकास के पथ पर आगे बढ़ने का आग्रह कर रहे हैं। बिहार में एनडीए की सरकार की विकास कर सकती है और यह विश्वास हमारी जनता को भी है।

उन्होंने कहा कि भरोसा है कि जनता एक बार फिर एनडीए सरकार को चुनने के लिए घरों से निकलकर वोट करेगी। महागठबंधन पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने जीवनभर चोरी की, 55 साल देश और बिहार को लूटने का काम किया। जिन्होंने बिहार में चारा घोटाला से लेकर अलकतरा घोटाला किया। उनके मुंह से बदलाव की बात शोभा नहीं देती है।

गुजरात एटीएस ने आईएसआईएस से जुड़े तीन संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकवादी साजिश का पर्दाफाश किया। गांधीनगर के अडालज के पास आईएसआईएस के तीन संदिग्ध आतंकवादी पकड़े गए हैं।

जानकारी सामने आई कि ये संदिग्ध आतंकवादी हथियारों का आदान-प्रदान करने के लिए गुजरात आए थे और देश के कई हिस्सों में

हमले की योजना बना रहे थे। हालांकि, एटीएस को पहले ही उनकी गतिविधियों की भनक लग गई थी और इसके बाद वे लगातार रडार पर थे। पुख्ता जानकारी के आधार पर एटीएस ने जाल बिछाया और तीनों संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए तीनों संदिग्ध आतंकवादी दो अलग-अलग मॉड्यूल से जुड़े हुए हैं। फिलहाल, एटीएस यह जांच कर रही है कि वे देश में किन-किन जगहों पर हमले की साजिश रच रहे थे।

कुछ महीने पहले गुजरात में अल-कायदा से जुड़े चार संदिग्ध आतंकवादी पकड़े गए थे। ये सभी फेक करेंसी का धंधा चलाने और आतंकवादी संगठन की विचारधारा फैलाने में शामिल थे। एटीएस के अनुसार, ये सभी लंबे समय से आतंकवादी समूह से जुड़े हुए थे। वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अल-कायदा के संपर्क में आए थे।

संदिग्ध आतंकवादियों की पहचान मोहम्मद फाइक, मोहम्मद फरदीन, सेफुल्लाह कुरैशी और जीशान अली के रूप में हुई थी।

गुजरात एटीएस के डीआईजी ने एक बयान में कहा था, ÷हमें यह पता चला कि मोहम्मद फाइक पाकिस्तानी शख्स के संपर्क में था और भारत में जिहादी गतिविधियों को फैलाने के तरीकों पर चर्चा कर रहा था।÷ इसके बाद ये चारों एटीएस के रडार पर आए थे।

P-11:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 9:29 PM Page 1

जीआईसी ग्राउंड में खड़ी कार में लगी आग, क्षेत्र में मचा हड़कंप

उत्तम भारत संवाददाता/मुरादाबाद। मुगलपुरा थाना क्षेत्र के जीआईसी ग्राउंड में उस समय अफरातफरी मच गई, जब खड़ी कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही मिनटों में कार धू-धू कर जलने लगी और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आसपास के लोगों ने आग की लपटें और धुआं उठता देखकर तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही मुगलपुरा पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। फायर कर्मियों ने तत्काल रेस्क्यू शुरू कर करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि आग लगने के समय कार के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार मैदान में खड़ी थी। अचानक धुआं उठता दिखाई दिया और फिर कुछ ही सेकंडों में कार पूरी तरह से आग की लपटों में घिर गई। स्थानीय लोगों ने खुद से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेज थी कि उस पर काबू नहीं पाया जा सका। कार के मालिक हैदर अली हैं, जो हाथी वाला मंदिर, थाना मुगलपुरा क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही हैदर अली भी मौके पर पहुंच गए और अपनी जली हुई कार को देखकर हैरान रह गए। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि कार में शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी खराबी के कारण आग लगी होगी। फिलहाल, वाहन को कब्जे में लेकर पुलिस ने फायर ब्रिगेड की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शिवसेना द्वारा भव्य रैली का किया गया आयोजन

उत्तम भारत संवाददाता/मुरादाबाद। शिव सेना शिंदे गुट की एक भव्य रैली का आयोजक जनपद मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से किया गया जिसमें जिला प्रमुख नन्हें चौधरी को नये पदभार ग्रहण करने की शुभकामनाएं दी गई। रैली में प्रदेश एवं मण्डल स्तर के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहें। मण्डल प्रभारी नितिन वर्मा ने रैली में इतनी बढ़ी तादात में आये कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के बाद उत्तर प्रदेश में शिव सेना ही वो पार्टी है जो हिन्दू हृदय सम्राट स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे की हिन्दुत्व की नीतियों पर हिन्दू हित में कार्य कर रही है। बाला साहेब ठाकरे की नीतियों पर जहाँ जात पात की कोई दीवार नहीं है सभी एकजुट होकर हिन्दुत्व के लिए खड़े है जैसे आज इतनी भारी तादात में एकत्र हुऐ है। हमें हमारे हर शिव सैनिक पर गर्व है। मुझ पर

विश्वास कर राज्य प्रमुख ललित मोहन वर्मा द्वारा मुझे जनपद मुरादाबाद का विधानसभा प्रभारी बनाया गया है आगामी 2027 में चुनाव है शिव सेना शिंदे आगामी चुनाव में अपनी भागीदारी करेगी। नव नियुक्त जिला प्रमुख नन्हें चौधरी ने भारी संख्या में उपस्थित कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश स्तर व मण्डल स्तर के सभी पदाधिकारियों द्वारा मुझे जनपद मुरादाबाद का जिला प्रमुख नियुक्त किया गया है मै पूर्ण विश्वास दिलाता हूँ कि जनपद मुरादाबाद का प्रत्येक कार्यकर्ता मेरे परिवार की तरह रहेगा उसके दुख सुख में हमेशा खड़ा रहूंगा। प्रदेश सचिव रामप्रसाद प्रजापति ने शिवसैनिको को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं नव नियुक्त मण्डल प्रमुख जिला प्रमुख जिला प्रभारी महानगर अध्यक्ष को नवीन दायित्व की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। साथ ही आशा करता हूँ कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आप सभी आगामी चुनाव से पहले 50 हजार की संख्या से अधिक शिव सैनिको को सदस्यता दिलायेगें। नव नियुक्त जिला प्रभारी मनोज कुमार ने कहा कि मैं अपने सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों को विश्वास दिलाता है कि मुझे जो दायित्व दिया गया है मैं उसे पूरी निष्ठा के साथ जनपद मुरादाबाद में खड़ा रहूँगा शिव के साथ पूरा करूंगा और हर शिव सैनिक के सेना को मजबूती प्रदान करूँगा। नव नियुक्त मण्डल प्रमुख गुड्डू सैनी ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि आगामी 2027 चुनाव से पहले मुरादाबाद मण्डल के हर जिले में भारी संख्या में शिव सैनिको की बडी टीम तैयार होगी। राज्य प्रमुख ललित मोहन शर्मा के दिशा निदेशी के पालन में हर जनपद मे शिव सैनिक एक दूसरे के साथ मजबूती से खड़े रहेगें। रैली का संचालन दीपक कुमार द्वारा किया गया। मुख्य रूप से नकुल यादव मण्डल उप प्रमुख, राकेश प्रजापति युवा जिलाध्यक्ष, कुश वर्मा मण्डल सचिव, कपिल कुमार, सचिन सैनी पंकज प्रजापति इन्द्रजीत सिंह, सुभाष शर्मा एडवोकेट, पुष्पेन्द्र चौधरी विशाल चौधरी एवं अन्य हजारो की संख्या में शिव सैनिक उपस्थित रहें।

भाकियू की मासिक पंचायत ने की किसानों की समस्याओं पर चर्चा

उत्तम भारत संवाददाता/छजलैट। किसान भवन छजलैट भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक पंचायत हुई जो कि पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह के निधन उपरांत पहली मासिक बैठक हुई जिसमें शोक सभा आयोजित की गई तथा देवेंद्र सिंह के पुत्र अंगद चौधरी को रशम पगड़ी पहनाई गई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि आगामी 20 नवम्बर को किसान भवन पर सम्मान समारोह होगा जिसमें हवन तथा भोजन की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में जिला तहसील ब्लॉक एव क्षेत्र के सभी

पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। पंचायत में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की गयी। बैठक मे वरिष्ठ नेता चौधरी ऋषिपाल सिंह,विजयपाल सिंह चेयरमैन,शुभम राठी,लखपत सिंह सीओ साब, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष हरदीप विश्नोई,दर्शन सिंह तहसील अध्यक्ष,विक्की चौधरी, अनोज कुमार,पीयूष चौधरी युवा ब्लॉक अध्यक्ष, रामपाल मंत्री जी, रामौतार सिंह,प्रिंस चौधरी युवा तहसील अध्यक्ष,रविन्द्र सिंह,बंटी सिंह,भूरा सिंह,वीर सिंह सैनी, अरुण चौधरी, पुंक्की ढाका, वरन सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

दोनों पक्ष जीत का दावा कर रहे, जनता अब 20 साल पुराने शासन से मुक्ति चाहती है :आजम खान

उत्तम भारत संवाददाता मूंढापांडे। बिहार विधान सभा चुनाव के नतीजों को लेकर सियासत गर्म है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने बिहार चुनाव पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम को अभी घोषित नहीं किया जा सकता क्योंकि मैदान में दोनों पक्ष अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। उनके अनुसार, विपक्ष ने इस बार जितनी मजबूती से चुनाव लड़ा है, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार की

जनता अब उस शासन से छुटकारा चाहती है जो पिछले दो दशकों से चला आ रहा है। आजम खान ने कहा कि वे ऐसी सरकार चाहते हैं जिसकी शराब में "जंगलराज" का नशा न हो। उनका तात्पर्य था कि बिहार को अब एक पारदर्शी और न्यायप्रिय शासन की जरूरत है जो विकास को प्राथमिकता दे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है और मेहनत कर रहे हैं, लेकिन असली नतीजा तभी पता चलेगा जब जनता का फैसला खुलेगा। आजम खान के इस बयान को सियासी गलियारों में विपक्ष के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जबकि सत्ताधारी दल ने इसे राजनीतिक बयानबाजी बताकर खारिज किया है।

आर्य समाज के वार्षिकोत्सव में बताया वेदों का महत्व

उत्तम भारत संवाददाता/कांठ। आर्य समाज का 108वें वार्षिकोत्सव के तीसरे दिन यज्ञ, भजन, उपदेश कर वेदों के महत्व के बारे में बताया गया। आर्य समाज मंदिर में वार्षिकोत्सव के तीसरे दिन प्रातः 9.00 बजे डॉक्टर नैपाल आर्य ने यज्ञ करते हुए यज्ञ के महत्व के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यज्ञ धार्मिक दृष्टि एवं वातावरण को शुद्ध करने में यज्ञ का विशेष महत्व माना जाता है। सांय काल उपदेशक गीतांजलि शास्त्री द्वारा आर्य समाज के उत्थान हेतु गीत प्रस्तुत किए गए, उन्होंने उपदेश के माध्यम से बताया आर्य समाज में वेदों का सर्वोच्च महत्व है। उन्होंने बताया कि वेदों को धार्मिक,सामाजिक और नैतिक ज्ञान का आधार माना जाता है। उन्होंने बताया कि ईश्वर का अमानवीय, शाश्वत ज्ञान भी वेदों को माना जाता है। वेद आर्य समाज की नींव है। उन्होंने बताया कि आर्य समाज का मूल सिद्धांत वेदों पर ही आधारित है। हमें उनके अनुसार ही आचरण करना चाहिए। आर्य समाज मंदिर कांठ में विक्रम सिंह आर्य को 50 वर्ष पूर्ण होने पर पंडित प्रभात, पूर्व अध्यक्ष सुशील मणि गुप्ता, डॉक्टर नेपाल आर्य आदि ने शॉल उड़ाकर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम के यजमान अमित कुमार उर्फ पप्पन (मंत्री आर्य समाज कांठ) रहे। वार्षिक उत्सव में प्रधान सुरेश चौहान, भूपेंद्र चौहान उर्फ टिल्लू, नरेंद्र सिंह, विजय कुमार वर्मा, नौबत सिंह,झून्ना सिंह, डॉ निर्मल चंद्र गुप्ता, संदीप गुप्ता, उपदेश कुमार, हरि सिंह आर्य, राम सिंह आर्य आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने चौहरा चेतरामपुर में धार्मिक स्थलों पर की लाउडस्पीकर की जांच

उत्तम भारत संवाददाता/छजलैट। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों की ध्वनि सीमा और संख्या को नियंत्रित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना छजलैट पुलिस द्वारा क्षेत्र के धार्मिक स्थलों का निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में ग्राम चौहरा चेतरामपुर स्थित छोटी मस्जिद का छजलैट पुलिस द्वारा निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान मस्जिद में नियमों के अनुरूप एक लाउडस्पीकर पाया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि मस्जिद प्रबंधन द्वारा सरकारी गाइडलाइन का पूर्ण

अनुपालन किया जा रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक छजलैट प्रदीप कुमार सहरावत ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी धार्मिक स्थल पर एक लाउडस्पीकर के अलावा डीजे की आवाज निर्धारित मानक से अधिक नहीं होनी चाहिए। पुलिस ने थाना क्षेत्र की अनेक मस्जिदों, मंदिरों का भ्रमणकर क्षेत्रवासियों और धर्म गुरुओं से अपील की है कि वे शांति और सौहार्द बनाए रखते हुए सरकारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें, जिससे समाज में भाईचारा और कानून व्यवस्था कायम रहे। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक छजलैट सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

घोसीपुरा और पृथ्वीगंज शक्ति केंद्रों पर मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित

उत्तम भारत संवाददाता/कांठ। विधानसभा कांठ के शक्ति केंद्र घोसीपुरा एवं पृथ्वीगंज पूर्वी में आज विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाताओं को मत सूची शुद्धिकरण की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना और नए मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करना रहा। शक्ति केंद्र घोसीपुरा मंडल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने बताया कि एसआईआर से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। प्रत्येक मतदाता को बी.एल.ओ. की मदद से अपने परिवार एवं पड़ोसियों के मत का शुद्धिकरण करना चाहिए ताकि मतदाता सूची सटीक और त्रुटिरहित बनाई जा सके। सभी मतदाताओं से अनुरोध किया गया कि वे दो फोटो और 11

आईडी में से किसी एक वैध पहचान पत्र अपने पास तैयार रखें। यदि किसी को कोई कठिनाई हो, तो वे भाजपा के बूथ अध्यक्ष, बी.एल.ओ. या वार्ड सभासद से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर अम्बरीष शर्मा, बाबूराम सैनी, ओमपाल सैनी, चंद्रपाल सिंह, रामकिशन सहित कई गणमान्य लोग एवं मतदाता उपस्थित रहे। वहीं, दूसरी ओर शक्ति केंद्र पृथ्वीगंज पूर्वी में भी एसआईआर के संबंध में बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राजपाल सिंह प्रजापति (पूर्व मंडल अध्यक्ष, कांठ) ने की। बैठक में मतदाता सूची शुद्धिकरण की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई और लोगों से अधिकाधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ने की अपील की गई। दोनों शक्ति केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रमों में यह संकल्प लिया गया कि कांठ विधानसभा के प्रत्येक पात्र नागरिक का रूप में सूचीबद्ध किया जाएगा, ताकि लोकतंत्र को सशक्त बनाया जा सके।

भगवा रक्षा परिषद ने किया संगठन विस्तार का कार्यक्रम

उत्तम भारत संवाददाता/मुरादाबाद। भगवा रक्षा परिषद के संगठन विस्तार अभियान के तहत जिला स्तर पर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आशीष सिंह को जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी है। संगठन के निदेर्शानुसार उन्हें संगठन को सशक्त और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए अधिकृत किया गया है। जानकारी के अनुसार यह पद भगवा रक्षा परिषद के क्षेत्रीय प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार के द्वारा दिया गया है। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि आशीष सिंह एक समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने लंबे समय से संगठन के लिए कार्य किया है। उनके नेतृत्व में जिले में परिषद के

कार्यों को नई दिशा मिलेगी। नियुक्ति पत्र में परिषद के अन्य पदाधिकारियों के नाम भी उल्लेखित किए गए हैं, जिनमें गगन कुमार को महानगर उपाध्यक्ष, सनी को महानगर अध्यक्ष, और दिनेश कुमार को मेरठ प्रांत मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नए जिला अध्यक्ष आशीष सिंह ने कहा कि वह संगठन की नीतियों पर चलते हुए समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का कार्य करेंगे और धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्र रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस अवसर पर परिषद के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी और संगठन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने की आशा जताई।

क्रिकेट खेलने के दौरान बच्चों की कहासुनी मारपीट, 15 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

उत्तम भारत संवाददाता/भोजपुर। गांव ठीकरी में क्रिकेट खेलने के दौरान किशोरों में हुई कहासुनी को लेकर दो पक्षों ने एक-दूसरे के घरों में घुसकर जमकर मारपीट की। पुलिस की मौजुदगी में दोनों पक्षों ने छतों पर चढ़कर जमकर पथराव किया। पथराव में दोनों पक्षों से आधा दर्जन लोगो घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर 15 बवालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ब्रहस्पतिवार को गांव ठीकरी में क्रिकेट खेलने के दौरान सानिव और गुफरान में कहा सुनी हो गई साथियों ने दोनों को समझा बुझाकर घरों को भेज दिया। दोनों ने गांव में आकर अपने परिजनों को बताया। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे के घरों में घुसकर जमकर मारपीट की। सूचना पर मौके पर पहुंची पीआरवी ने मारपीट कर रहे लोगों को मौके से खदेड़ा। इसके बाद दोनों पक्षों ने छतों पर चढ़कर एक-दूसरे के घरों पर पथराव किया। चौकी इंचार्ज के मौके पर पहुंचने पर विवाद शांत हुआ। पुलिस ने दोनों पक्षों के आधार दर्जन से अधिक घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल परीक्षण कराया। पुलिस ने एक पक्ष के शाकिर पुत्र अकबर की तहरीर पर नईम,अय्युब, शाने आलम, साजिद,सैफ अली,सानिव महबूब और फैजान के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट व पथराव करने एवं जान से मारने की धमकी देने एवं दूसरे पक्ष के नईम पुत्र सखावत की तहरीर पर गुफरान के खिलाफ घर में घुसकर बेटी के साथ छेड़छाड़ करने एवं शाकिर,रहमत अली, अख्तर अली, रेहान, नक्शे और फरमान के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने, पथराव करने एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला से मारपीट, छेड़छाड़ और चैन लूट के मामले में कोर्ट के आदेश पर आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

उत्तम भारत संवाददाता/ठाकुरद्वारा। न्यायालय के आदेश पर महिला के साथ मारपीट, छेड़छाड़ और चैन लूट के मामले में पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के, ग्राम करनावाला खालसा निवासी विवाहिता ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि 6 अगस्त 2025 की रात करीब नौ बजे गांव के ही कुछ लोग उसके घर पर पहुंचे और दरवाजे पर ईंट-पत्थर फेंकने लगे। शोर मचाने पर जब दरवाजा खोला गया तो आरोपी भाग गए, लेकिन कुछ देर बाद सत्यपाल, विपिन, अभिषेक, सुन्दर, अमित, शिवम, नीलम और अंकित एक राय होकर घर में घुस आए और उसके पति मौसम कुमार के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे। बीच-बचाव करने पर अभियुक्तों ने महिला के साथ भी मारपीट और छेड़छाड़ की, उसके कपड़े फाड़ दिए और गले से सोने की चैन लूट ली। महिला के शोर मचाने पर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो अभियुक्त जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।घटना की सूचना पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पीड़िता का आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। बाद में पीड़िता ने एसएसपी मुरादाबाद को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई।पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर पीड़िता ने न्यायालय की शरण ली, जिसके बाद अदालत के आदेश पर थाना ठाकुरद्वारा पुलिस ने आठों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

समाचार

पुलिस कांस्टेबल पर युवती ने लगाया शोषण करने का आरोप

उत्तम भारत संवाददाता/ठाकुरद्वारा। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने अपने ही गांव के रहने वाले यूपी पुलिस में कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात युवक पर पिछले 9 वर्षों से यौन शोषण किए जाने का आरोप लगाया है। बता दें कि आरोप सिपाही बुलंदशहर एक चौकी पर तैनात है,जिसका नौकरी लगने से पहले ही अपने ही गांव की युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था,युवती का आरोप है कि किशोरावस्था से ही आरोपी शादी का झांसा देकर उसके साथ यौन शोषण करता चला आ रहा है और अब उससे पीछा छुड़ाने की फिराक मे है।युवती के मुताबिक वह एक निजी अस्पताल मे नौकरी करती है जहां से उसे आरोपी सिपाही अपने कमरे पर बुलाकर उसके साथ संबंध बनाता था। पीड़ित युवती का आरोप है कि शनिवार को भी आरोपी सिपाही ने उसे अपने पास बुलाया था,उस दौरान युवती द्वारा शादी का जिक्र करने पर आरोपी सिपाही आग बबूला हो गया और युवती के साथ बेरहमी से मारपीट करते हुए उसका गला घोंटने लगा,आरोपी की करतूत से तंग आकर युवती ने 112 पुलिस को मामले की सूचना दी जिसके बाद पुलिस आरोपी सिपाही व युवती को कोतवाली ले आई जहां खुद को कानून के शिकंजे मे जकड़ता देख आरोपी सिपाही युवती के परिजनो से निकाह के लिए कुछ दिन की मौहलत मांगता नजर आया।

कांठ में 15 नम्बर को होगा माँ भगवती का भव्य विशाल जागरण

उत्तम भारत संवाददाता/कांठ। नगर के श्री रामलीला मैदान में मां भगवती का 17वां भव्य विशाल जागरण 15 नवंबर को बम बटक एकता मंच की ओर से किया जाएगा। जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। बम बटक एकता मंच के तत्वाधान में 15 नवंबर को नगर कांठ के श्री रामलीला मैदान में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मां भगवती का 17वां भव्य विशाल जागरण किया जाएगा। बम बटक एकता मंच के अध्यक्ष डॉ देवराज सिंह ने बताया कि मुख्य अतिथि माता ज्वाला देवी जी शक्तिपीठ (हिमाचल प्रदेश) अति विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश माहेश्वरी, पूजन कर्ता आचार्य भावेश शर्मा जिला अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, मां भगवती की ज्योत प्रज्वलित कर मां भगवती के जागरण का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर,गौरव भुइयार, अरविन्द जाटव,राजकुमार ऊर्फ नन्हे,हरपाल सिंह चौहान,डॉ त्रिवेद सिंह,मनोज कुमार, जितेंद्र चौहान,अनुभव, अमित, निक्की,रणवीर सिंह,विजय कुमार ऊर्फ सीटू,आदेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

सड़क पार कर रही छात्रा को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मोके हुई मौत

उत्तम भारत संवाददाता/पाकबड़ा। रविवार की दोपहर लगभग तीन बजे के आसपास उस समय हड़कंप मच गया! टीएमयू के सामने सड़क पार कर रही छात्रा को एक अज्ञात वाहन जोरदार टक्कर मारी छात्रा की मोके पर ही मौत हो गई! मृतक छात्रा का नाम भावना है टक्कर इतनी जोरदार थी कि छात्रा का पूरा शरीर कुचल दिया! मृतक छात्रा नर्सिंग तृतीय वर्ष की थी! पास टाइम इंटर्नशिप की टीएमयू में ही ड्यूटी कर रही थी। ड्यूटी पर लेट होने के कारण सड़क पार करते समय हुआहादसा सडक हादसे के बाद हाईवे पर लोगों की भीड़ जमा होने लगी! हादसे की सूचना पर मोके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया! हादसे के समय टीएमयू के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे! हादसे के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। पाकबड़ा पुलिस ने तुरंत ही जाम को साफ किया गया।

मुंढापांडे थाने में तैनात दरोगा एसआई पर 50 लाख का भ्रष्टाचार का लगा आरोप, एसआईटी टीम द्वारा की जाए जांच: मनोज ठाकुर

उत्तम भारत संवाददाता/मुरादाबाद। जनपद के मुंढापांडे थाने में तैनात एसआई दीपक चौहान पर गौरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज ठाकुर द्वारा आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसआई दीपक चौहान पर गोकशी जैसी घटनाओं में लिप्त होने व गोक्स आरोपियों को बचाना बेगुनाहों को फासा कर जेल भेजने व मुंढापांडे में एसआई दीपक चौहान की जब से तैनाती हुई है करीब गोकशी रोकने के नाम पर 50 लाख की अवैध वसूली भ्रष्टाचार के आरोप का मामला सामने आया है जिसमें गोराक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज ठाकुर ने उत्तर प्रदेश के कई उच्च अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर एसआईटी टीम की जांच करने की मांग करते हुए तत्काल ही दीपक चौहान को मुरादाबाद एसआई सतपाल अंतिल से सस्पेंड करने और बेगानाहों के साथ हुए अत्याचार जेल भेजने से कार्य पर लिप्त पाए जाने पर जांच कर कार्रवाई की मांग करते हुए शासन प्रशासन से मांग की है, गौरक्षा संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज ठाकुर द्वारा कई गंभीर आरोप लगाकर बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि दीपक चौहान पुलिस की थाने में तैनात अन्य पुलिस कर्मियों की मुखबारी उच्च अधिकारियों से करते हैं जो कि गलत है और पुलिस के नाम को इस पुलिसकर्मी द्वारा बदनाम किया जाता है।

आवारा कुत्तों ने नीलगाय के बच्चे पर किया हमला, ग्रामीणों ने बचाई जान

उत्तम भारत संवाददाता/ठाकुरद्वारा। कोतवाली क्षेत्र के गांव रामनगर खागूवाला के जंगल में रविवार को एक नीलगाय के बच्चे पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों के हमले से नीलगाय का बच्चा बुरी तरह से घायल हो गया। उधर से गुजर रहे ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर लाठी-डंडे फटकारकर कुत्तों को भगाया और घायल नीलगाय के बच्चे को किसी तरह बचाया। ग्रामीणों ने घायल पशु को पशु चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसका उपचार किया गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। उपचार के बाद वनकर्मियों ने नीलगाय के बच्चे को चौकी पर ले जाकर निगरानी में रखा। विभागीय कर्मचारियों के अनुसार, पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद नीलगाय के बच्चे को फिर से जंगल में छोड़ दिया जाएगा। इस घटना के बाद नगर और कोतवाली क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक एक बार फिर चर्चा में है। आए दिन कुत्तों के झुंड राहगीरों, बच्चों और मवेशियों पर हमला कर रहे हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

उत्तम भारत संवाददाता/कांठ। थाना कांठ पुलिस ने अदालत से वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है। थाना कांठ के ग्राम देहरी जुम्मन निवासी केशव देवल उर्फ बिट्टू पुत्र महेंद्र सिंह के खिलाफ न्यायालय में मुकदमा चल रहा है। वह कई बार मुकदमे की पेशी पर न्यायालय में हाजिर नहीं हुआ तो न्यायालय ने उसके गिरफ्तारी वारंट जारी कर थाना प्रभारी निरीक्षक कांठ को अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के निर्देश दिए थे। अदालत के आदेश पर थाना कांठ पुलिस ने वांछित अभियुक्त केशव देवल को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है।

P-12:28 paga09_jhn.qxd 11/9/2025 5:46 PM Page 1

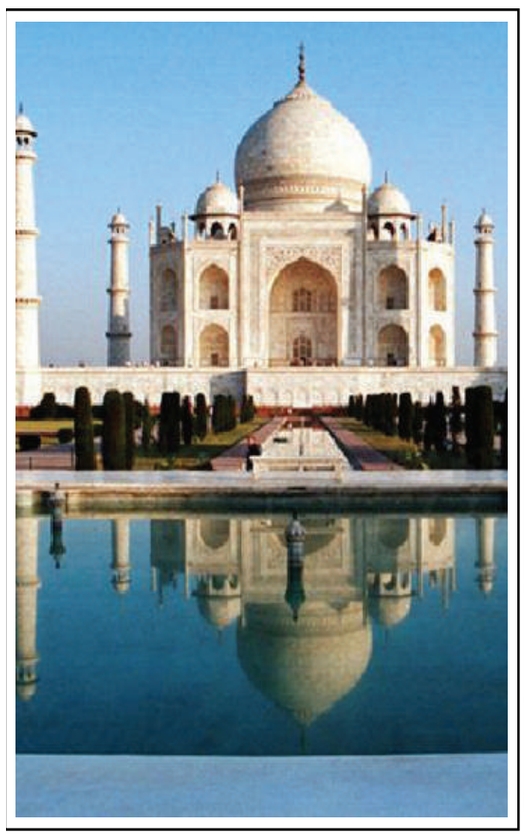

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नही है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योंकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफ़ेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किलाः जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबागः यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवतः आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोज़ोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नही जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।